दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 75 रायपुर, शनिवार, 28 मार्च 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 विधायक मोतीलाल साहू ने ..

इन एंटी-एजिंग योगासनों... 9

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

पीएम मोदी ने की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक, तैयारियों की हुई समीक्षा

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक 'टीम इंडिया' की भावना के तहत राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका–इस्राइल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले किए।

बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू–कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे।

एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस 'टीम इंडिया' की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा।

सरकार ने 25 मार्च को पश्चिम एशिया की स्थिति पर राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी देने के लिए सर्वदलीय बैठक भी की थी, जिसमें स्थिति से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी गई। 23 मार्च को लोकसभा में बयान देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुई वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रह सकती हैं और उन्होंने देश से एकजुट और तैयार रहने

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का दावा- ईरान ने 10 तेल टैंकर हमें उपहार के रूप में भेजे

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से 10 तेल टैंकरों को गुजरने की अनुमति तोहफे के तौर पर दी है। इन सभी जहाजों पर पाकिस्तान के झंडे लगे हैं। उनके मुताबिक यह कदम इस बात का संकेत है कि तेहरान अब बातचीत के लिए गंभीर है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका का सैन्य अभियान तय समय से काफी आगे बढ़ चुका है और ईरान पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ने बताया कि ईरान ने पहले आठ बड़े तेल टैंकरों को और बाद में दो अन्य जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने दिया। उन्होंने इसे एक गिफ्ट बताया, जो बातचीत की दिशा में सकारात्मक संकेत है।

लॉकडाउन का प्रस्ताव नहीं : वित्त मंत्री

मुंबई। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण जहां वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट गहरा गया है। पाकिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक में ईंधन की भारी किल्लत से लॉकडाउन और ब्लैकआउट जैसी नौबत आ गई है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। आम आदमी को महंगे कच्चे तेल की मार से बचाने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) में 10 रुपये प्रति लीटर तक की बड़ी कटौती की है, ताकि तेल कंपनियां पंप पर कीमतों में इजाफा नहीं कर सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यह बात कही। इस दौरान वित्त मंत्री ने देश में किसी भी प्रकार के लॉकडाउन की अफवाह को भी सिरे से खारिज कर दिया। शुक्रवार (27 मार्च) को राज्यसभा में वित्त विधेयक 2026 पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, युद्ध के कारण देश में लॉकडाउन की आशंकाएं केवल डर फैलाने के लिए फैलाई जा रही अफवाहें हैं।

डीजल पर एक्साइज ड्यूटी समाप्त, पेट्रोल पर 10 की कटौती

केंद्र सरकार के फैसले का मुख्यमंत्री साय ने किया स्वागत

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

केंद्र सरकार द्वारा डीजल को एक्साइज ड्यूटी से मुक्त करने और पेट्रोल पर 10 प्रति लीटर की कटौती करते हुए एक्साइज ड्यूटी को मात्र ?3 प्रति लीटर करने के निर्णय का मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे देश के 140 करोड़ नागरिकों को सीधी राहत पहुंचाने वाला ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम बताया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस निर्णय से देश के प्रत्येक परिवार, किसान, श्रमिक और मध्यमवर्ग को व्यापक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में भी केंद्र सरकार द्वारा आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ न बढ़ने देना एक बड़ी संवेदनशील पहल है, जो आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करेगी। मुख्यमंत्री साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए छत्तीसगढ़ की समस्त जनता की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्णय ले रही है। यह फैसला प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और देशवासियों के प्रति समर्पण का सशक्त उदाहरण है।

भगवान श्री राम भारतीय संस्कृति, मर्यादा व आदर्शों के सर्वोच्च स्वरूप हैं : नितिन नवीन

एजेंसी, पटना। रामनवमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को बिहार की राजधानी पटना में भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण देखने को मिला। डाकबंगला चौराहे पर श्री श्री रामनवमी शोभा यात्रा अभिनंदन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित राज्य सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता उपस्थित रहे। पूरे आयोजन स्थल पर भक्तिमय माहौल बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान कंकड़बाग, कदमकुआं और अन्य क्षेत्रों से आई आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नितिन नवीन ने विधिवत आरती उतारकर झांकियों का स्वागत किया। मंच संचालन भी नितिन नवीन ने किया, जहां उन्होंने रामभक्ति और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

झांकियों में भगवान श्रीराम, माता सीता और हनुमान जी के जीवन प्रसंगों को सुंदर और मनोहारी रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। वहीं, मंच पर प्रस्तुत भक्ति संगीत और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इस अवसर पर जय श्री राम के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा और श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे नजर आए।

ईरान ने शुरू किया 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' का 83वां चरण

एजेंसी, तेहरान। पश्चिम एशिया की धरती एक बार फिर दहक उठी है। ईरान ने शुक्रवार तड़के भीषण हमले कर यह साफ कर दिया है कि वह पीछे हटने के मूड में नहीं है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के तहत 83वां चरण शुरू कर दिया है। इस बार ईरानी सेना ने न केवल इस्राइल को चोट दी है, बल्कि खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया है।

न्यूज एजेंसी एएनआई ने ईरानी मीडिया के हवाले से जानकारी दी है कि आईआरजीसी ने आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन्स के जरिए इस्राइल के अशदोद में तेल डिपो को निशाना बनाया है। हमले के बाद वहां आग लगने की बात कही जा रही है। इसके अलावा, इस्राइल के सैन्य ठिकानों पर भी सटीक हमले किए गए हैं।

ईरान के निशाने पर खाड़ी स्थित अमेरिकी एयरबेस

न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक, ईरान ने सीधे अमेरिकी अड्डों को अपना निशाना बनाया है। कुवैत के अली अल–सलेम एयरबेस और बहरीन के शेख ईसा बेस पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। बताया जा रहा है कि बहरीन में पैट्रियट मिसाइल सिस्टम के रिपेयर हैंगर और जेट फ्यूल टैंकों को भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत और यूएई के अल–धाफ्रा बेस पर भी ईरानी ड्रोन्स ने सैन्य साजो–सामान को निशाना बनाया है।

शुष्क क्षेत्र अब कृषि उत्पादन के नए केंद्र बन रहे हैं : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए शुष्क खेती, जलवायु अनुकूल किस्मों से लेकर सिंचित क्षेत्रों तक किसानों की आय को बढ़ाने के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है। शुष्क क्षेत्र अब कृषि उत्पादन के नए केंद्र बन रहे हैं। जलवायु अनुकूल फसल किसानों की आय बढ़ा रही है।

राज्यसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल में शिवराज सिंह चौहान शुष्क खेती, जलवायु–अनुकूल किस्मों, श्री अन्न (मिलेट्स), पंजाब–महाराष्ट्र जैसे कृषि–प्रधान राज्यों की चुनौतियों और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर पूछे गए प्रश्नों और पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे।

महाराष्ट्र के शुष्क जिलों को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कभी भारत को खाद्यान्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर रहना होता था। देश पीएल–480 योजना से मिलने वाले गेहूं पर निर्भर था। अब स्थिति पूरी बदल चुकी है, देश के अन्न भंडार भरे हैं और चावल उत्पादन में भारत चीन को पछाड़ कर दुनिया में नंबर एक स्थान पर पहुंच चुका है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार ने मराठवाड़ा के 23 शुष्क जिलों के लिए 808 जलवायु के अनुसार संवेदनशील किस्मों का बड़ा अभियान चलाया है।

शिवराज सिंह ने बताया कि महाराष्ट्र के 23 जिले शुष्क भूमि वाले हैं और 13 जिले वर्षा–आश्रित हैं, जिनमें छत्रपति संभाजी नगर, जलना, बीड, लातूर, उस्मानाबाद, नांदेड़, परभणी, हिंगोली जैसे मराठवाड़ा के जिले शामिल हैं। कृषि मंत्रालय जलवायु अनुकूल फसलों और खेती के लिए इन इलाकों के लिए विशेष परियोजनाएं तैयार की हैं, इन्हें कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से किसानों तक निरंतर पहुंचाया जा रहा है। इसमें महाराष्ट्र के लिए 808 उच्च उपज देने वाली जलवायु– प्रतिरोधक फसल किस्मों में 332 अनाज, 122 तिलहन, 61 दलहनी, 198 रेशेदार फसलें, 19 गन्ना और 8 अन्य संभावित फसलों की किस्में हैं जो विशेष रूप से शुष्क और वर्षा–निर्भर खेती के लिए अनुकूल हैं। इन किस्मों के उपयोग से मराठवाड़ा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी उत्पादन, उत्पादकता और किसानों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है।

जोजिला दर्रे में हिमस्खलन से यात्री वाहन दबा, 7 लोगों की मौत, 5 घायल

एजेंसी, श्रीनगर। लद्दाख क्षेत्र के जोजिला दर्रे पर शुक्रवार को हुए भीषण हिमस्खलन में बड़ा हादसा हो गया। एक यात्री वाहन हिमस्खलन की चपेट में आकर बर्फ में दब गया, जिससे कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वाहन अचानक आए भारी हिमस्खलन के कारण पूरी तरह बर्फ के नीचे दब गया। घटना के तुरंत बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मलबे से शवों को निकालने और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का कार्य जारी रहा। घायलों को नजदीकी चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया है।

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें जोजिला में हुए हिमस्खलन की जानकारी मिलते ही उन्होंने कारगिल के उपायुक्त (डीसी) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा राहत बलों और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सहित सभी संबंधित एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि बचाव कार्य तेजी से पूरा किया जा सके।

उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि वे स्वयं स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, कठिन मौसम और बर्फीले हालात के कारण बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन राहत और निकासी कार्य लगातार जारी है।—————————

रसोई गैस उत्पादन में 40 फीसदी वृद्धि, कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति 70 फीसदी तक बहाल : केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक रुकावटों के बावजूद भारत ने कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और पीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। साथ ही घरेलू रसोई गैस के उत्पादन में लगभग 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है, जबकि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को धीरे–धीरे 70 फीसदी तक बहाल कर दिया गया है, जिसमें प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के कारण ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है। इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के बजाय स्वयं वहन किया है, जिससे पेट्रोल–डीजल पर उत्पाद शुल्क 10–10 रुपये प्रति लीटर कम हो गया है। अप्रैल 2022 से पेट्रोल और डीजल की कीमतें या तो कम हुई हैं या स्थिर बनी रही हैं। यहाँ तक कि अप्रैल 2025 में जब उत्पाद शुल्क बढ़ाया गया था तब भी इसका अतिरिक्त बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया।

सुजाता शर्मा ने कहा कि पीएनजी के विस्तार कार्य में तेजी लाई गई है, जिसके तहत प्रतिदिन 10,000 से अधिक नए कनेक्शन जोड़े जा रहे हैं। साथ ही जमाखोरी के खिलाफ़ कार्रवाई तेज कर दी गई है, जिसके तहत लगभग 3 हजार छापेमारी की गई है, सैकड़ों एफ़आईआर दर्ज की गई हैं और गैस वितरकों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की गई है। सरकार ने एक बार फिर दोहराया है कि आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अफ्वाहों पर ध्यान न दें और घबराकर अनावश्यक खरीदारी न करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा, फ्जैसा कि आप सभी जानते हैं, हम एक युद्ध जैसी स्थिति में हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे इस युद्ध की वजह से कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति पर असर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी बहुत बढ़ गई हैं। हालांकि, भारत सरकार ने इस स्थिति को बहुत प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं...।

सुजाता शर्मा ने कहा, फ्इन सभी उपायों के परिणामस्वरूप 14 मार्च से लेकर 26 मार्च तक कमर्शियल उपभोक्ताओं को लगभग 30,000 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की गई है। जब भारत सरकार ने ये निर्णय लिए तो उसने यह सुनिश्चित किया कि रेस्तरां, ढाबों, होटलों, औद्योगिक कैंटीनों, प्रवासियों और श्रमिकों को प्राथमिकता दी जाए...।

वहीं, सूचना और प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव सेंथिल राजन ने कहा कि हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे अफ़्वाहों पर विश्वास न करें और फेक न्यूज से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि इससे पहले एलपीजी की कमी के बारे में गलत जानकारी फैलने से लोग घबराकर बुकिंग करने लगे थे, लेकिन उस स्थिति को काबू में कर लिया गया था।

उन्होंने कहा कि यह साफ करना जरूरी है कि किसी भी चीज की कोई कमी नहीं है और नागरिकों को पेट्रोल पंपों पर भागदौड़ करने की कोई जरूरत नहीं है। राजन ने कहा कि गलत जानकारी फैलाने की कोशिशें की जा रही हैं और लोगों से आग्रह है कि वे ऐसी बातों पर विश्वास न करें।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पिछले 24 घंटों में खाड़ी क्षेत्र में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज या भारतीय नाविक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। सिन्हा ने बताया कि फारस की खाड़ी में 20 भारतीय ध्वज वाले जहाज हैं, जिन पर 540 भारतीय नाविक सवार हैं और वे भी सुरक्षित हैं। सिन्हा ने बताया कि डीजी शिपिंग का 'डीजीकॉम सेंटर' चौबीसों घंटे काम कर रहा है। इसके अलावा, सत्व्रद्यद्ध क्षेत्र के अलग–अलग हिस्सों से 25 भारतीय नाविकों को जहाज़ से उतरने के बाद सुरक्षित रूप से भारत वापस लाया गया है।

पूरक मतदाता सूची को लेकर ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूरक मतदाता सूची जारी नहीं करने को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए और पूछा कि आखिर क्या छिपाया जा रहा है। शुक्रवार को उन्होंने आयोग को चुनौती देते हुए कहा कि सूची तुरंत सार्वजनिक की जाए और पत्रकारों को भी उपलब्ध कराई जाए।

पश्चिम बर्धमान जिले के पांडवेश्वर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पूरक सूची अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? मैंने सड़क से लेकर उच्चतम न्यायालय तक इस सूची के लिए लड़ाई लड़ी है। किसी भी राजनीतिक पार्टी को यह सूची नहीं दी गई है। आखिर क्या छिपाया जा रहा है?

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि विचाराधीन मामलों में लगभग 40 प्रतिशत नाम हटा दिए गए हैं जबकि 60 प्रतिशत नाम बरकरार रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें न्यायाधिकरण में अपील करने का अवसर मिलेगा और तृणमूल कांग्रेस उनकी ओर से निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक जाकर ऐसे मतदाताओं की पहचान करने को कहा।

50 हजार लेते ही दबोचे गए एटीआर के दो अफसर

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले स्थित अचानकमार टाइगर रिजर्व में पदस्थ सुरही रेंज के रेंजर और डिप्टी रेंजर को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया।

एसीबी के मुताबिक, लोरमी निवासी अजीत कुमार वैष्णव ने शिकायत की थी कि उनका वाहन वन विभाग ने जब्त कर लिया था। चालान पेश करने और वाहन छोड़ने के लिए पैसे मांगे जा रहे थे। पहले 70 हजार रुपये की मांग की गई, फिर 50 हजार में सौदा तय हुआ।

शिकायत की जांच में मामला सही पाया गया, जिसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया। 26 मार्च को एसीबी ने योजना के तहत शिकायतकर्ता को कोटा स्थित मित्र मिलन रेस्टोरेंट भेजा। वहां डिप्टी रेंजर मनीष श्रीवास्तव को 50 हजार रुपये देने को कहा गया। जैसे ही पैसे दिए गए, एसीबी की टीम ने मौके पर दबिश देकर मनीष श्रीवास्तव को पकड़ लिया। उसी समय रेंजर पल्लव नायक भी वहां मौजूद था, जिसे भी हिरासत में ले लिया गया। एसीबी ने दोनों आरोपियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत केस दर्ज किया है। मनीष श्रीवास्तव पर धारा 7 और पल्लव नायक पर धारा 7 और 12 लगाई गई है। दोनों से 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि बरामद कर ली गई।

वाहन छोड़ने और चालान पेश करने के बदले रेंजर-डिप्टी रेंजर ने मांगी थी रकम

मालूम हो कि दिसंबर 2025 में शिकायतकर्ता और उसके साथियों का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे अचानकमार के सुरही क्षेत्र में एयर गन से फायरिंग करते दिखे थे। शिकायतकर्ता युवक अन्य आरोपियों के साथ हथियार लेकर वहां फायरिंग करते हुए वीडियो बनाया और किया था। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले में वन विभाग ने कार्रवाई कर वाहन जब्त किया था।

तेज आवाज में बजाया डीजे, पुलिस ने जब्त किया साउंड सिस्टम

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

लाउड म्यूजिक बजाकर माहौल गरमाने वाले एक डीजे ऑपरेटर पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए साउंड सिस्टम जब्त कर लिया है।

तखतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुआं में 25 मार्च को सार्वजनिक स्थान पर एक डीजे संचालक बिना अनुमति तेज आवाज में गाने बजा रहा था। शिकायत मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच में पाया कि डीजे ऑपरेटर नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहा था। जांच में सामने आया कि न तो उसके पास कोई वैध अनुमति थी और न ही जरूरी दस्तावेज। साथ ही, निर्धारित सीमा से कहीं ज्यादा तेज आवाज में ध्वनि प्रसारण किया जा रहा था। आरोपी का नाम ज्ञान प्रकाश कैवर्त (22 वर्ष) है, जो ग्राम मोढ़े का रहने वाला है। वह मां भवानी डीजे साउंड नाम से साउंड से डीजे से जुड़े कई उपकरण जब्त किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 15 के तहत कार्रवाई की है। यह कानून सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया है।

धान खरीदी में 70 लाख से अधिक की हेराफेरी, खरीदी प्रभारी गिरफ्तार

कवर्धा, (प्रतिदिन राजधानी)

कबीरधाम जिले के थाना कुण्डा क्षेत्र अंतर्गत धान खरीदी केंद्र पेण्ड्रीकला में धान खरीदी में 70 लाख से अधिक की हेराफेरी का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी खरीदी प्रभारी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव शाखा कुण्डा के प्रतिनिधि द्वारा लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत में विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीदी में अनियमितताओं की बात कही गई थी।

जांच के दौरान बताया गया कि 12 जनवरी 2026 तक केंद्र में कुल 23,319.20 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज थी। इसमें से 3,880 क्विंटल धान का उठाव हो चुका था, जबकि शेष धान केंद्र में उपलब्ध होना चाहिए था। हालांकि, भौतिक सत्यापन में कम मात्रा पाई गई, जिससे लगभग 2,272 क्विंटल धान की कमी सामने आने का उल्लेख किया गया है। इसकी अनुमानित राशि 70,43,200 रुपये बताई गई है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर पुलिस ने धान खरीदी प्रभारी विवेक चंद्राकर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

करियर अन्वेषण विद एआई -हैकाथॉन 29 को

दंतेवाड़ा, (प्रतिदिन राजधानी)

दंतेवाड़ा पशासन जिले के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से संबद्ध कर उन्हें बेहतर करियर विकल्प उपलब्ध कराने संकल्पित है। इसी कड़ी में जिले के विभिन्न पोटाकेबिन, आवासीय विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में संचालित एआई डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित छात्र-छात्राओं के लिए 'करियर अन्वेषण विद एआई ङ्क हैकाथॉन' का आयोजन किया जा रहा है। यह हैकाथॉन 29 मार्च को शिक्षा नगरी जावंगा स्थित बीपीओ कॉल सेंटर में आयोजित होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से करियर के विभिन्न आयामों से परिचित कराना, उनकी रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता एवं नवाचार सोच को विकसित करना तथा उन्हें भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार करना है। वर्षभर संचालित एआई डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागियों की इसमें भागीदारी समूहों में विभाजित कर एआई का अवसर प्रदान किया जाएगा।

आधारित करियर अवसरों पर उन्मुखीकरण सत्र, विभिन्न विषयों पर समूह आधारित परियोजना कार्य, समस्या समाधान एवं नवाचार आधारित चुनौतियां, विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप तथा प्रतिभागियों द्वारा परियोजना प्रस्तुतीकरण आयोजित किया जाएगा।

विश्व क्षय दिवस पर 100 दिनी जागरूकता अभियान शुरु

बलौदाबाजार,, (प्रतिदिन राजधानी)

विश्व क्षय दिवस के अवसर पर जिले में टीबी के प्रति जागरूकता और उपचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 100 दिवसीय विशेष अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' संदेश के साथ आयोजित किया गया।

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी रही। नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी, जबकि स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि हर वर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'हाँ! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं' रखी गई है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत चिन्हित क्षेत्रों में संभावित मरीजों की पहचान के लिए मोबाइल मेडिकल टीमों का गठन किया गया है, जो जांच और परामर्श की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। इसके लिए हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों का भी उपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान टीबी के इलाजरत मरीजों के लिए काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए गए, जिसमें नियमित दवा लेने और पूरा उपचार करने की सलाह दी गई। साथ ही उपस्थित लोगों को टीबी उन्मूलन के लिए शपथ दिलाई गई। जागरूकता कार्यक्रमों में निक्षय पोषण योजना और विभाग के अनुसार, जिले में पिछले वर्ष 31,663 मरीजों का उपचार किया गया। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जांच और उपचार की सुविधा पहुंचाई जा सके।

स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि टीबी के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं और उपचार पूरा करें, जिससे संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

अटल डिजिटल केंद्रों से 2.78 लाख ट्रांजेक्शन, 84.23 करोड़ का लेनदेन

बैंकिंग सेवाएं मिलने से ग्रामीणों को मिल रही राहत

कोंडागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने अटल डिजिटल केंद्र खोले गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में संचालित इन केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंकिंग और शासकीय सेवाएं उनके घर के पास ही मिल रही हैं। इससे शहर जाने की जरूरत कम हुई है और समय के साथ खर्च की भी बचत हो रही है।

अटल डिजिटल केंद्रों के जरिए ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल जमा, डीटीएच रिचार्ज, महतारी वंदन योजना की राशि आहरण, श्रम कार्ड से जुड़ी सेवाएं, डिजी-पे के माध्यम से शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करना व वाहन व स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पंचायत सीईओ अविनाश भोई ने बताया कि जिले की 260 ग्राम पंचायतों में वीएलई के साथ एमओयू कर सेवाओं का विस्तार किया गया है।

इससे ग्रामीण अब सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना व जिला अटल डिजिटल केंद्रों के माध्यम से अब तक 2,78,083 ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं।

यातायात नियमों का उल्लंघन, 11 प्रकरणों पर जुर्माना

केशकाल घाटी क्षेत्र में हादसे रोकने फ्लेक्स लगाए

कोंडागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र में यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर केशकाल पुलिस ने प्रेसर हार्न लगाकर वाहन चलाने और बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान कुल 11 प्रकरण दर्ज करते हुए लगभग 13,000 रुपये का समन शुल्क वसूला गया।

पुलिस ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। साथ ही, वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

केशकाल पुलिस ने घाटी क्षेत्र सलाह दी है। इसके लिए संबंधित क्षेत्रों में जागरूकता संदेश वाले फ्लेक्स भी लगाए गए हैं।

मामले में आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहने की जानकारी दी गई है।

20 अप्रैल तक प्रधानपाठक बनाने का भरोसा दिया, घेराव स्थगित

महासमुंद, छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के घेराव की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। गुरुवार को डीईओ विजय कुमार लहरे और फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल के बीच चर्चा हुई और विभाग ने मांगों पर विचार करने के संबंध में लिखित आदेश जारी किया। इस आदेश के बाद 27 मार्च को प्रस्तावित घेराव कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। फेडरेशन के जिला अध्यक्ष ईश्वर प्रतिनिधिमंडल ने डीईओ से में दिया है कि तकनीकी समस्याओं को सुलझाकर 20 अप्रैल तक काउंसलिंग सहित पदोन्नति आदेश जारी कर दिए जाएंगे। पात्र आवेदनकर्ताओं को तत्काल परीक्षा अनुमति आदेश जारी करने और अपात्र आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश संबंधित बीईओ को दिए गए हैं।

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./अ-6-अ/वर्ष 2025-26 ग्राम मोखला प.ह.नं.- 34

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक ओम प्रकाश चंद्राकर पति स्व. चंद्रप्रकाश चंद्राकर काश्तकार निवासी ग्राम मोखला तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा छ.ग.भू.रा.सं. की धारा 115-116 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम मोखला प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 827, 844, 1119, 2921, 2923, का रकबा 0.38, 0.23, 0.140, 0.770, 0.420 हे. भूमि खातेदार सजल चंद्राकर पिता चंद्रप्रकाश चंद्राकर वगैरह के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक की उक्त आवेदित भूमि में सहखातेदार निशा चंद्राकर पति स्व. चंद्रप्रकाश का नाम ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश दर्ज होना तथा शासकीय दस्तावेज एवं आधार कार्ड में ओम चंद्राकर पति स्व. चंद्रप्रकाश दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को शासकीय दस्तावेज एवं आधार कार्ड के आधार पर ओम चंद्राकर पति स्व. चंद्रप्रकाश का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने तथा शेष खातेदारो का नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 01.04.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 19.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./अ-6 / वर्ष 2025-26 ग्राम भलेरा प.ह.नं.- 34

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक चिंताराम साहू पिता स्व. रमेशर साहू निवासी ग्राम भलेरा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि, ग्राम भलेरा प.ह.नं. 38 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 694/1 रकबा 0.22 हे. भूमि केजईबाई पति रमेशर के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के खातेदार केजईबाई पति रमेशर का मृत्यु दिनॉक 28.02.2025 को हो चुका है। उक्त भूमि से मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक द्वारा आवेदन सह-पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है। जो भुईया मद/अ-6 मे दर्ज हो कर प्राप्त हुआ है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 01.04.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) फोन नं. 0771-4903223 email ID-eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, सामान्य आवास योजनांतर्गत दोंदेखुर्द रायपुर जिला-रायपुर में स्थित सीनि. एल.आई.जी. भवन क्रमांक 425, श्री अमित एलेक्स तिर्की पिता स्व. श्री इसाक तिर्की के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्रमांक-76 दिनांक 14.03.2024 के माध्यम से नामांतरित किया गया है। वर्तमान मे नामांतरी श्री अमित एलेक्स तिर्की पिता स्व. श्री इसाक तिर्की निवासी आस्ता जशपुर, तहसील व जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्रीमती सुनीता बाई साहू पति स्व. श्री मनोज कुमार साहू निवासी-215/2 मेन रोड़, साहू पारा मुंगेली साल्हेघोरी जिला मुंगेली (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं. - 0771-2991574 Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में 'ब' सुविधा दुकान (भू-तल) क्रमांक-66, श्री दिलीप कुमार वर्ज्यानी पिता स्व. श्री रेवाचंद वर्त्यानी, निवासी:- सी/18, सी.बी. हाईट, तेलीपारा, बिलासपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अयवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं. - 0771-2991574 Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी बोरियाकला, जिला-रायपुर में निर्मित ई.डब्ल्यु.एस. फ्लैट क्रमांक 1460, ब्लाक 92 भूतल, श्रीमति रोमेश्वरी बाई साहू पति श्री सेवाराम साहू एवं श्री सेवाराम साहू पिता श्री पकलू राम साहू, के नाम पर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2567 दिनांक 16.04.2018 को एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट का सेलडीड दिनांक 26.07. 2018 को निष्पादित कर, इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 4377 दिनांक 26.07.2018 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। वर्तमान में आबंटी श्रीमति रोमेश्वरी बाई साहू एवं श्री सेवाराम साहू, पता- म.न.- 1026/64 ताज नगर, संतोषी नगर, सोनी किराना स्टार्स के पास, मठपुरेना जिला- रायपुर छ.ग. के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता श्रीमति आराधना केशरवानी पति श्री सौम केशरवानी पता- एल.आई.जी.-80 सी.जी.एच.बी. कॉलोनी सेजबहार, रायपुर छ.ग. के नाम पर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट क्रेता श्री नोखेलाल साहू पिता श्री गोवर्धन साहू पता- बोरसी जिला गरियाबंद (छ.ग.) के नाम पर विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त फ्लैट को विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, जिला - रायपुर छ.ग.

//ईश्तहार//

क्रमांक / /बी-121/202
रायपुर, दिनांक 03/3/202/6
ग्राम खमतराई प.ह.नं. 38
तहसील रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका/आवेदक जितेन्द्र पोद पिता गौरव पोद द्वारा इस न्यायालय जन्म प्रमाण-पत्र बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है, आवेदक के स्वयं की जन्म दिनांक 01/12/2004 को घर/ हॉस्पिटल में हो चुकी है। उनके जन्म उपरांत आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रमाण-पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 05/04/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर वावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — कार्यपालन दण्डाधिकारी रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./अ-27/ वर्ष 2025-26 ग्राम गौरभाठ प.ह.नं.- 38

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक नरेश पटेल पिता रामाधर निवासी ग्राम गौरभाठ तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम गौरभाठ प.ह.नं. 38 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग में स्थित भूमि खसरा नंबर 1428/3, 1429/1, 1436, 1437 रकबा क्रमशः 0.07, 0.32, 0.09, 0.11 हे. भूमि आवेदक एवं अनावेदकगण के नाम पर संयुक्त रूप से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को आवेदक एवं अनावेदकगण आपस में आपसी बटवारानामा पत्र दिनाँक 23.12.2024 को निष्पादित किया गया है। बटवारानामा के आधार पर आवेदक उक्त भूमि का खाता विभाजन करने का निवेदन किया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 01.04.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202603112500054/अ-6/ वर्ष 2025-26 ग्राम चरौदा प.ह.नं.- 34

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक/दानप्राप्तकर्ता बिटावन साहू पिता गैलूराम साहू निवासी ग्राम चरौदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम चरौदा प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग में स्थित भूमि खसरा नंबर 66/1 रकबा 0.2100 हे. भूमि खातेदार (दानदाता) छुरनी साहू पिता बरातू के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (दानदाता) छुरनी साहू पिता बरातू के द्वारा पंजीकृत दान पत्र दिनाँक 19.02.2026 को आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। दान पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण भूईया मद से दर्ज कर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 30.03.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 11.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./अ-6 / वर्ष 2025-26 ग्राम भिलाई प.ह.नं.- 35

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक / क्रेता मनीष गुप्ता पिता श्याम किशोर गुप्ता निवासी ग्राम आरंग तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम भिलाई प.ह.नं. 35 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग में स्थित भूमि खसरा नंबर 1352/7 का भाग रकबा 0.0453 हे. भूमि को खातेदार (विक्रेता) प्रवीण मोहनोत जैन पिता पारसचंद से पंजीकृत बैनामा दिनॉक 30.07.2024 को क्रय करने के आधार पर आवेदक/क्रेता द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु निवेदन किया है। जो भुईया मद/अ-6 मे दर्ज हो कर इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 23.03.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 06.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्रं./202602112500129/अ-6/वर्ष 2025-26 ग्राम लखौली प.ह.नं.- 33

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक / हकप्राप्तकर्ता राकेश पिता चुन्नी लाल एवं अन्य 01 निवासी ग्राम लखौली तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम लखौली प.ह.नं. 33 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 546 रकबा 0.0200 हे. भूमि आवेदकगण एवं अनावेदिकागण के नाम पर संयुक्त खाता में राजस्व अभिलेख में दर्ज है। सहखातेदार (हकत्यागकर्तागण) उमा पिता चुन्नी लाल, शोभा पिता चुन्नी लाल के द्वारा पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनाँक 03.02.2026 को आवेदकगण के नाम पर निष्पादित किया गया है। हकत्याग पत्र के आधार पर आवेदकगण द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण भूईया मद से दर्ज कर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभकिया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 18.03.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनॉक 25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन, साय ने किया ट्वीट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में आयोजित देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स को समस्त प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय बताया। यह आयोजन राज्य के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह पहली बार है जब जनजातीय खेलों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान किया गया है। इस भव्य आयोजन का आयोजन रायपुर, बस्तर और सरगुजा जिलों में किया जा रहा है, जिसमें देशभर से 2500 से अधिक जनजातीय युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल खिलाड़ियों के कौशल और प्रतिभा को निखारते हैं, बल्कि युवाओं में खेलों के प्रति रुचि और प्रेरणा भी बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पारंपरिक और आधुनिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कबड्डी, एथलेटिक्स, हॉकी, फुटबॉल के अलावा जनजातीय सांस्कृतिक खेलों को भी प्रमुखता दी गई है। आयोजन में हिस्सा लेने वाले युवा खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने यह भी विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में ऐसे आयोजनों को और विस्तार दिया जाएगा। इसके अलावा, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के युवाओं को प्रतियोगिता की भावना, अनुशासन और टीम वर्क के मूल्य सिखाना भी है।

विधायक मोतीलाल साहू ने 3 करोड़ लागत से नाली, सड़क, विकास कार्य का भूमिपूजन किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 अंतर्गत संत कबीर दास वार्ड क्रमांक 3 के क्षेत्र में 7 विभिन्न स्थानों पर 1 करोड़ 2 लाख 46 हजार रूपये, यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के क्षेत्र में 5 विभिन्न स्थानों पर 38 लाख 59 हजार रूपये और बंजारी माता मन्दिर वार्ड क्रमांक 5 के क्षेत्र में 11 भिन्न स्थानों पर 1 करोड़ 77 लाख 47 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से इस प्रकार भिन्न 23 स्थानों पर 3 करोड़ 18 लाख 52 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से नये विकास कार्य जनहित में जनसुविधा विस्तार की दृष्टि से शीघ्र कराये जाने नगर निगम जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू, वार्ड 5 पार्षद श्रीमती अम्बिका साहू, वार्ड 3 पार्षद डॉ. मनमोहन मनहरे, वार्ड 15 पार्षद राजेश देवांगन सहित नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर, कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू

ने नगर निगम जोन 1 के संत कबीर दास, यतियतनलाल, बंजारी माता मन्दिर वार्ड में एकमुश्त 3 करोड़ 18 लाख रूपये की लागत से नाली, सड़क, विविध नए विकास कार्य शीघ्र करने एमआईसी सदस्य साहू, श्रीमती अम्बिका साहू, डॉ. मनमोहन मनहरे, गणमान्यजनों, आमजनों सहित भूमिपूजन कर दी अनुपम सौगात -महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए नागरिकों को अनुपम सौगात दी.

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने भूमिपूजन करते हुए नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर को तत्काल नए स्वीकृत विकास कार्य प्रारम्भ करवाकर सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय समयसीमा के भीतर जनहित में जनसुविधा हेतु प्राथमिकता के साथ पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पर्यावरणीय उल्लंघनों पर मंडल सख्त- 30 उद्योगों पर उत्पादन बंद, 28.92 लाख की क्षतिपूर्ति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर द्वारा औद्योगिक इकाइयों के पर्यावरणीय अनुपालन की सतत निगरानी के तहत व्यापक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा जल एवं वायु प्रदूषणकारी उद्योगों का नियमित निरीक्षण कर उल्लंघन पाए जाने पर वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 एवं जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

जनवरी 2026 से अब तक प्रदूषण की स्थिति पाए जाने पर 23 उद्योगों के विरुद्ध नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें उरला एवं सिलतरा औद्योगिक क्षेत्रों के प्रमुख स्पंज आयरन उद्योग—वासवानी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, शिल्फी स्टील्स प्रा. लिमिटेड एवं एसकेएस इस्पात एंड पावर लिमिटेड शामिल हैं। इसके अलावा सारडा एनर्जी मिनरल्स लिमिटेड के विरुद्ध बिना अनुमति फ्लाई ऐश डम्पिंग के मामले में भी नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिसों के बावजूद संतोषजनक सुधार नहीं करने, मंडल की सम्मति के बिना संचालन तथा शिकायतों में प्रदूषण पाए जाने के कारण अब तक 30 उद्योगों के विरुद्ध उत्पादन बंद करने एवं विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई की जा चुकी है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि जब तक संबंधित उद्योग सभी पर्यावरणीय मानकों, वैधानिक प्रावधानों एवं सम्मति शर्तों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित नहीं करते, तब तक उन्हें संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही, पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन के मामलों में 13 उद्योगों पर कुल 28 लाख 92 हजार रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति भी अधिरोपित की गई है।

बकायादारों के मोबाइल परजानकारी देकर उन्हें तत्काल सम्पूर्ण बकाया अदा करने लगातार प्रेरित कर रही है

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 राजस्व राजस्व विभाग की टीम के सभी राजस्व कर्मचारियों की टीम नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के निर्देश पर जोन 2 जोन सहायक राजस्व अधिकारी विजय शर्मा के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 2 अंतर्गत सभी 7 वार्डों के समस्त बकायादारों को मोबाइल पर फोन और मैसेज कर उन्हें नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग को देय सम्पूर्ण बकाया राशि को तत्काल अदा करने नगर निगम के हित में लगातार अभियान चलाकर प्रेरित कर रही है नगर निगम जोन क्रमांक 2 राजस्व विभाग की टीम नगर निगम के सभी 7 वार्डों के समस्त बकायादारों के मोबाइल पर बकाया की जानकारी मेसेज देकर उन्हें तत्काल रायपुर नगर निगम को देय सम्पूर्ण बकाया अदा करने लगातार प्रेरित कर रही हैऔर अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्यवाही नगर पालिक निगम अधिनियम अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार करने की स्पष्ट चेतावनी से भी उन्हें लगातार अवगत करवा रही है .

कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने स्वास्थ्य विभाग को वार्डों में डोर टु डोर कचरा कलेक्शन हेतु प्राप्त 3 ईवी वाहनों को किया रवाना

जोन 8 जोन कमिश्नर ने की विनम्र अपील

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल द्वारा नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग को नगर निगम मुख्यालय स्वच्छ भारत मिशन और नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर वार्डों में अनुबंधित एजेंसी रामकी कम्पनी के माध्यम से घरों में डोर टु डोर कचरा कलेक्शन कार्य करवाने प्राप्त 3 ईवी वाहनों को जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक श्री रितेश झा एवं सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में वार्डों में कार्य करने

रवाना किया. नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने सभी नागरिकों से अपने घरों का कचरा प्रतिदिन सफाई मित्र को सफाई वाहन में देने और रायपुर को स्वच्छ और सुन्दर शहर बनाने सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की ओर से की है.

स्वास्थ्य विभाग ने डोर टु डोर कचरा वाहनों को पूजा करके किया रवाना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन 10 अंतर्गत कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड क्रमांक 54 की पार्षद श्रीमती सुषमा तिलक साहू द्वारा नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग को नगर निगम मुख्यालय स्वच्छ भारत मिशन और नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर वार्डों में अनुबंधित एजेंसी रामकी कम्पनी के माध्यम से घरों में डोर टु डोर कचरा कलेक्शन कार्य करवाने प्राप्त 3 ईवी वाहनों को पूजा करके श्रीफल फोड़कर जोन 10 जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा एवं सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में वार्डों में कार्य करने रवाना किया. वार्ड पार्षद श्रीमती सुषमा तिलक साहू द्वारा सभी नागरिकों से अपने घरों का कचरा प्रतिदिन सफाई मित्र को सफाई वाहन में देने और रायपुर को स्वच्छ और सुन्दर शहर बनाने सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग की ओर से की है.वार्ड 54 पार्षद श्रीमती सुषमा तिलक साहू ने जोन 10 स्वास्थ्य विभाग को वार्डों में डोर टु डोर कचरा कलेक्शन हेतु प्राप्त 3 ईवी वाहनों को पूजा करके किया रवाना

घरों का कचरा प्रतिदिन सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर रायपुर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने सहभागिता दर्ज करवाने पार्षद ने की विनम्र अपील।

प्रदेश में आगामी खरीफ सीजन के लिए रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित-रामविचार नेताम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि राज्य सरकार ने आगामी खरीफ सीजन के लिए रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस तरह की जानकारी संज्ञान में आ रही है कि फास्फेटिक उर्वरक

के प्रमुख स्रोत डी.ए.पी. का अनियमित उठाव कृषक भाइयों द्वारा किया जा रहा है, जिससे अन्य कृषकों में प्रतिकूल वातावरण निर्मित होने की संभावना है। केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा समन्वय से किये जा रहे प्रयासों से राज्य के कृषकों का हित संरक्षण सुनिश्चित किया गया है। कृषक भाइयों से अनुरोध है कि भूमि धारिता एवं पात्रता अनुसार ही उर्वरकों का भंडारण करें ताकि समस्त कृषक अग्रिम भंडारण की योजना से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने बताया कि वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार ने किसानों को शत-प्रतिशत पहचान पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि उर्वरकों की कालाबाजारी रुक सके और जरूरतमंदों तक मदद पहुंचे। मंत्री श्री नेताम ने यह भी कहा कि खरीफ मौसम में उर्वरकों का वितरण एग्रीस्टेक पोर्टल में दर्ज रकबे के आधार पर होगा। यदि इसमें किसी प्रकार की त्रुटि पायी जाती है तो अन्य कृषकों को पर्याप्त उपलब्धता के दृष्टिगत समस्त वैधानिक कार्यवाईयां सुनिश्चित करने के लिए शासन सजग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवश्यक होने पर वैकल्पिक पौध पोषण स्रोतों की व्यवस्था के लिए आकस्मिक कार्य योजना भी तैयार कर ली गई है, ताकि पौध पोषण में किसी प्रकार की कमी ना हो।

भारत विद्युत शिखर सम्मेलन 2026 में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण सहभागिता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वर्ष 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांयात्रा में भारत की विद्युत क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से दिनांक 19 से 22 मार्च 2026 को नई दिल्ली में भारत विद्युत शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन भारत के विद्युत मंत्री व केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपद नाइक की उपस्थिती में किया गया। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य ने मुख्य भागीदार के रूप में भाग लिया । सम्मेलन के शुभारंभ में आयोजित मंत्री स्तरीय सत्र सम्मेलन का मुख्य आकर्षण रहा जिसमें छत्तीसगढ़ से मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में राज्य कैबिनेट दर्जा प्राप्त क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, ऊर्जा सचिव रोहित यादव एवं क्रेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश सिंह राणा ने भाग लिया। इस दौरान बिजली की मांग, कम कार्बन उत्सर्जन करने वाले तकनीक को अपनाना एवं देश की विद्युत क्षमता को बढ़ाने के विषय पर रणनीतिक चर्चा की गई। सत्र में छत्तीसगढ़ द्वारा अंजोर विजन 2047 अंतर्गत निर्धारित अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को वर्ष 2030 तक 45त्न एवं वर्ष 2047 तक 66त्न हासिल करने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

इस चार दिवसीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, केरल, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, बिहार एवं आंध्र प्रदेश द्वारा स्टॉल के माध्यम से अपने राज्य का विद्युत क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां को प्रदर्शित किया गया है।राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनीयों द्वारा विद्युत क्षेत्र संबंधित नवाचार आधारित तकनीक एवं अक्षय ऊर्जा आधारित तकनीकीयों को प्रदर्शित किया जा रहा है।

बकाया तत्काल अदा कर कुर्की, सीलबंदी की कड़ी कार्यवाही की परेशानी से बचें

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग द्वारा एक बार पुन: सभी बड़े बकायादारों को अवगत करवाया गया है कि बकाया अदा नहीं किये जाने पर सम्बंधित बड़े बकायादारों पर कुर्की और सीलबंदी करने की नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी. कार्यवाही की परेशानी से बचमे सम्बंधित बड़े बकायादार नगर निगम राजस्व विभाग को तत्काल अपना सम्पूर्ण बकाया अदा कर दें. सभी सम्पतिकरदाता नागरिक अपना देय सम्पतिकर तत्काल नगर निगम रायपुर के राजस्व विभाग को अदा कर दें और अंतिम नियत तिथि दिनांक 31 मार्च 2026 तक करों की अदायगी नहीं होने पर नियमानुसार 17 प्रतिशत अधिभार सहित बकाया राजस्व की वसूली की नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की परेशानी के तनाव और परेशानी से बचें.

नगर निगम रायपुर के समस्त 10 जोन कार्यालय के राजस्व विभाग और समस्त सदर काउंटर अंतिम देय तिथि दिनांक 31 मार्च 2026 तक दिनांक 28 मार्च को शनिवार, 29 मार्च को रविवार और दिनांक 31 मार्च 2026 को महावीर जयन्ती के अवकाश दिवसों में प्रत्येक शनिवार और रविवार के शासकीय अवकाश दिवसों में जनसुविधा हेतु राजस्व वसूली के लिए सामान्य कार्यालयीन दिवसों की तरह खुले रहेंगे. सम्पतिकरदाता नागरिक जोन कार्यालय जाकर अपना देय सम्पतिकर अदा कर सकते हैँ. साथ ही नगर पालिक निगम रायपुर के मोर रायपुर एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड करके और ऑनलाइन लिंक द्धह्लह्लश्चह्य=//द्वष्ह्ल्ड्डद्बश्चह्लह्ल.द्वठ्ठ/ से ऑनलाइन सम्पतिकर भुगतान की सुविधाकी निरन्तर उपलब्धता है. जिससे कोई भी सम्पतिकरदाता नागरिक अपने सम्पतिकर सहित सभी निगम करों का घर बैठे एक क्लिक पर आसानी से नगर निगम राजस्व विभाग को भुगतान कर सकता है.सभी सम्पतिकरदाता नागरिकों को इस सहज सुविधा का लाभ अधिक से अधिक संख्या में अवश्य उठाना चाहिए.., सभी सम्पतिकरदाता नागरिक तत्काल वसूली की कार्यवाही से सुरक्षित रहें 31 मार्च 2026 तक नगर निगम रायपुर के सभी जोन कार्यालय के राजस्व विभाग शनिवार 28 मार्च, रविवार 29 मार्च, 31 मार्च महावीर जयन्ती के अवकाश दिनों में जनसुविधा हेतु राजस्व वसूली के लिए खुले रहेंगे।

बड़े बकायादारों ने 1073000/- रू. की बकाया राशि का नगर निगम को तत्काल किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार एवं नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 के राजस्व विभाग की टीम द्वारा बड़े बकायदारों पर लगातार अभियानपूर्वक कार्रवाई जारी रखते हुए आज पुन: सीलबंदी की कार्यवाही की गयी है.

सीलबंद कार्यवाही के दौरान स्थल पर ही नगर निगम रायपुर के सम्बंधित 2 बड़े बकायादारों द्वारा तत्काल 1073000/- के बकाये की राशि का भुगतान कर दिया गया. अभियान के दौरान नगर निगम जोन 1 राजस्व विभाग के अन्य एक बकायादार शेख यशीन भनपुरी के सम्बंधित प्रतिष्ठान को 1338092/- का बकाया होने और बकाया राशि अदा नहीं किये जाने के कारण तत्काल सीलबंदी की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की गयी है 7 एवं आज नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर के

मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 1 राजस्व विभाग की टीम द्वारा लगभग 20 बड़े बकायादारों, जिन पर नगर निगम जोन 1 राजस्व विभाग का कुल बकाया लगभग 1 करोड़ रूपये का है, उन सम्बंधित सभी बड़े बकायादारों के सम्बंधित प्रतिष्ठानों मे नियमानुसार प्रकिया के अंतर्गत अंतिम सूचना नोटिस अभियान चलाकर चस्पा करने की कार्रवाई की गयी है और सम्पूर्ण विभाग को अदा नहीं किये जाने पर सम्बंधित सभी 20 बकायादारों को बकाया राजस्व वसूली नियमानुसार सख्तीपूर्वक करने हेतु उनके सम्बंधित बकायादार प्रतिष्ठानों को सीलबंद करने की कड़ी कार्रवाई करने की स्पष्ट चेतावनी दी गयी है।

नगर निगम जोन 3 द्वारा बालाजी मेडिकल दुकान को मार्गविभाजक को क्षति पहुचाये जाने पर नोटिस जारी कर सीलबंद किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 3 की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत बालाजी मेडिकल दुकान द्वारा अपनी दुकान के समीप मार्गविभाजक को क्षतिग्रस्त किये जाने पर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह और कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वरलाल टावरे के मार्गनिर्देशन में सहायक अभियंता श्री नरेश साहू एवं उपअभियंता श्री अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में सम्बंधित दुकान बालाजी मेडिकल के दुकानदार को प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टु पब्लिक प्रापर्टी एक्ट 1984 के प्रावधान के अनुसार नोटिस जारी करते हुए दुकान को स्थल पर सीलबंद करने की कार्यवाही की गयी है.

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 28 मार्च 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

सीमा-कर पर टकराव

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दर्शाता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दर्शाता है।

यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है।

जेलों में मौतें, आत्महत्याएं, अव्यवस्थाएं, सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन?

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं। इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित नेल्सन मंडेला नियम (यू एन स्टैंडर्ड मिनिमम् रूल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ प्रिजनर्स) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।उन्हें पर्याप्त भोजन,स्वच्छ पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए।

किशन सनमुखदास भावनानी।

वैश्विक स्तरपर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?, यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है। व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं।

भारत में जेलों की भीड़ : एक गंभीर संरचनात्मक संकट को समझने की करें तो,भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है।

हम विचाराधीन कैदी : न्याय से पहले सजा? इसको समझने की करें तो,विचाराधीन कैदी वह होते हैं जिन्हें अभी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है, फिर भी वे वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं। यह स्थिति निर्दोषता की धारणा (प्रेसम्प्शन ऑफ़ इनोसेंस) के सिद्धांत के विपरीत है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं।दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है।इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गईं,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है। इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी।

छत्तीसगढ़ का मामला : एक राज्य, कई सवाल इसको समझने की करें तो छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुईं और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गईं। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

न्यायपालिका की सक्रियता: सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है। यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्याएं : अदृश्य संकट इसको समझने की करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ग्लोबल प्रिजन ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में जेलों के भीतर आत्महत्या और हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है। यह केवल एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर जेल सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है।

संचार और मानवीय संपर्क : एक नई पहल इसको समझने की करें तो, कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संचार के साधनों को बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें कैदियों को अपने परिवारजनों से मुफ्त वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देने की बात कही गई है। यह पहल कैदियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने और उनके सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग जेल सुधार के लिए एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। हम सुधार की दिशा में आवश्यक कदम को समझने की करें तो जेल सुधार के लिए बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि विचाराधीन कैदियों की संख्या कम हो सके। इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, डिजिटल सुनवाई और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना होगा। दूसरा, जेलों की क्षमता बढ़ाने और नए सुधार गृहों का निर्माण करना आवश्यक है। तीसरा, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना होगा,डॉक्टरों की भर्ती, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना होगा। चौथा कैदियों के लिए कौशल विकास और शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने होंगे ताकि वे समाज में पुनः स्थापित हो सकें।पांचवां, जेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, जिसमें स्वतंत्र निगरानी तंत्र की स्थापना महत्वपूर्ण होगी।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य: एक साझा चुनौती को समझने की करें तो जेलों की बदहाल स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका,ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और फिलीपींस जैसे देशों में भी जेलों में भीड़भाड़, हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं मौजूद हैं। हालांकि, कुछ देशों ने सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत की सतर्कता : ईंधन आपूर्ति सामान्य, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

विनोद कुमार सिंह।

पश्चिम एशिया में बदलते भू- राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत ने जिस संतुलित,सजग और दूरदर्शी दृष्टिकोण का परिचय दिया है, वह न केवल उसकी प्रशासनिक क्षमता को दर्शाता है,बल्कि नागरिकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने जैसी गंभीर स्थिति के बावजूद देश में पेट्रोल,डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है।यह तथ्य इस बात का प्रमाण है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर समय रहते ठोस और प्रभावी तैयारी कर रखी है।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल के स्टॉक भी संतोषजनक स्तर पर बनाए रखे गए हैं। हालाँकि अफवाहों के चलते कुछ स्थानों पर घबराहट में खरीदारी देखने को मिली,लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है और जनता को अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है। घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए एलपीजी उत्पादन में वृद्धि की गई है। साथ ही, सरकार ने घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए भी संतुलित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है,ताकि आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। विशेष रूप से होटल,रेस्तरां और सामुदायिक रसोई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह आदेश देशभर में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को गति देगा और ऊर्जा के स्वच्छ एवं सुलभ विकल्प के रूप में पीएनजी को बढ़ावा देगा।इससे न केवल पारंपरिक ईंधनों पर दबाव कम होगा,बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एलपीजी आपूर्ति वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित अवश्य हुई है,लेकिन देश में कहीं भी 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है। घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है, जिससे छोटे व्यवसायों और सेवा क्षेत्रों को राहत मिली है। इसके अतिरिक्त,केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि माँग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहे। राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। हजारों छापों और सैकड़ों गिरफ्तारियों से यह स्पष्ट है कि प्रशासन इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह गंभीर है। जिला स्तर पर निगरानी समितियों और नियंत्रण कक्षों की स्थापना से स्थिति पर सतत नजर रखी जा रही है। समुद्री क्षेत्र में भी भारत की सक्रियता उल्लेखनीय है। पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी भी भारतीय जहाज के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष के माध्यम से नाविकों और उनके परिवारों को निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक सैकड़ों भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा चुकी है,जो इस दिशा में सरकार के समर्पण को दर्शाती है। विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावास चौबीसों घंटे कार्यरत हैं और जरूरतमंद नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। 28 फरवरी से अब तक लाखों भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट चुके हैं।विशेष उड़ानों और वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से यह अभियान लगातार जारी है।

इस पूरे परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि भारत ने वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता का स्पष्ट संदेश दिया है। शीर्ष स्तर पर अंतरराष्ट्रीय संवाद के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि ऊर्जा आपूर्ति के महत्वपूर्ण मार्ग खुले और सुरक्षित बने रहें। वर्तमान परिस्थितियां निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत ने जिस संयम,समन्वय और रणनीतिक दक्षता के साथ इन चुनौतियों का सामना किया है, वह प्रशंसनीय है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ नागरिकों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अफवाहों से दूर रहना, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और प्रशासन का सहयोग करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।यह समय केवल संकट का नहीं,बल्कि सामूहिक समझदारी और राष्ट्रीय एकजुटता का भी है। यदि हम सभी संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें,तो कोई भी वैश्विक चुनौती हमें विचलित नहीं कर सकती।

भूखा सिलेंडर करे सचेत

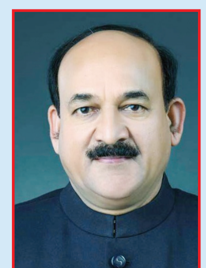

विजय मिश्रा 'अमित'
अग्रोहा कालोनी
रायपुर (छग)

भूख लगे तो खाना प्रकृति है, बिना भूख लगे खाना विकृति है और खुद भूखे रहकर दूसरे का पेट भरना सिलेंडर की संस्कृति है। ऐसे महान सिलेंडर के खाली पेट होने की चर्चा हर ओर है। सिलेंडर में समाया मानव संसार हाहाकार कर रहा है। उपलब्ध ईंधन- ऊर्जा संसाधनों के किफायती उपयोग करने की चेतावनी देते हुए सिलेंडर आगाह कर रहा है- सिलेंडर कहे खरीददार से तू क्या जलाए मोए,इक दिन ऐसा आएगा मैं जलाउंगा तोए। सिलेंडर की कमी से कहीं-कहीं तो शादियों में स्वरूचि भोज पर तलवार लटक गई है। स्वरुचि भोज के बजाए पररुचि भोज पर बात जाकर अटक गई है। घराती तो छोड़िए बाराती और आमंत्रित लिफाफाधारी प्राणी भी जो प्राप्त है वही पर्याप्त है के सिद्धांत पर विवाह समारोह में मन मारकर शामिल हो रहे हैं।महिलाएं गुपचुप-चाट, बुजुर्गजन जलेबी-रबड़ी न पाकर मायुस दिख रहे हैं। खान-पान बनाने हेतु सिलेंडर की अनउपलब्धता ने रेस्टोरेंट, होटल ही नहीं स्कूल कॉलेज के हॉस्टल और हॉस्पिटलों में भी कम खाओ,गम खाओ सुखी रहो को साकार कर दिखाया है।सत्ताधारी पक्ष विपक्ष के लोगों को भी सिलेंडर के संकट ने तरह-तरह से मतदाताओं को रिझाने का आईडिया दे दिया है।आपदा में अवसर तलाशने का हुनर सीखा दिया है। मुसीबत में हम सदैव साथ हैं का ताल ठोकने वाले मित्रों और रिश्तेदारों की पहचान सिलेंडर करा गया है। जिसके पास सिलेंडर नहीं है वह उम्मीद से मित्रों और रिश्तेदारों से सिलेंडर मांगने जाता है तो उसे खाली हाथ ही लौटना पड़ रहा है। साथ ही गैस नहीं होने का बहाना बनाते हुए मित्र और रिश्तेदार चाय नाश्ता के लिए भी नहीं पूछ रहे हैं। सिलेंडर के संकट ने समाज में आपसी प्रेम- प्यार, भाईचारा,और संयुक्त परिवार को बनाए रखने का ब्रम्ह ज्ञान जगा दिया। थोड़े में बेहतर गुजर बसर कैसे करना है? का पाठ गणित मास्टर की तरह सिलेंडर पढ़ा रहा है। लड़ाई झगड़ा से कुछ नहीं होता प्रेम प्यार से सब हो जाता है की सीख भूखा पेट लिए सिलेंडर दे रहा है। मोटी खाल ओढ़े सिलेंडर सीखा रहा है, दूसरों के लिए जलें दूसरों से न जलें। इस महीन बात को महाज्ञानी मानव आज तक नहीं समझ पाया। यूं कह सकते हैं समझकर भी नासमझी का ढोंग करते हुए स्वयं के साथ छल कर रहा है। इसीलिए कभी ऑक्सीजन सिलेंडर तो कभी नोट के लिए और आज ईंधन सिलेंडर के लिए लाइन में लगने की नौबत आन पड़ी है। सिलेंडर आज खुद खाली पेट है ,भूख की आग में जल रहा है। लाईन की जिंदगी फाईन नहीं हो सकती को बयां कर रहा है। जानबूझकर बहरे-अंधे -गूंगे बनते इंसान को वह चीख चीख कर चेतावनी दे रहा' सब दिन होत न एक समान '। लाल सिलेंडर और लाल होते हुए जनमन को सचेत कर रहा है कि रेलगाड़ी के आने से बैलगाड़ी का अस्तित्व खत्म नहीं होगा। जहां रेलगाड़ी नहीं होगी वहां बैलगाड़ी ही काम आएगी। अपनी परंपरा रीति रिवाज और खानपान को विस्मृत ना करें। चूल्हा संस्कृति मानव समुदाय की मूल संस्कृति है। मूल से भागने की भूल करने का ही दुष्परिणाम है आज इंसान' बांटनलाल नहीं बटोरन लाल' बनता जा रहा है। मानवता तार तार हो रही है। इंसान चांद तारों के करीब होता जा रहा है पर आपस में दूरियां दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रही हैं। सिलेंडर का खाली पेट आज नहीं तो कल भर ही जाएगा,किंतु बटोरन लाल बनते हुए इंसान की गिरती- मरती हुई इंसानियत को यथासमय अमृतपान नहीं कराया गया तो स्थिति और भी विकट होगी। जिसे कविश्री शब्दों यूं बंया करते हैं - धन की भूख मन को साहुकार बना देती है। हरे भरे बाग को वीरान बना देती है। भूखे पेट को शिक्षा देने वालों, भूख आदमी को गुनहगार बना देती है।

जलवायु परिवर्तन : भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग।

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं,

बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा।

साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा। दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरुआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

मुख्यमंत्री साय आज जशपुर में श्रमिकों के बैंक खाते में 27.15 करोड़ की राशि अंतरित करेंगे

अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, प्रताप सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

/ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में शनिवार 28 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला मुख्यालय जशपुर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित होगा। मुख्यमंत्री द्वारा श्रम विभाग के अंतर्गत 12 विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 79,340 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिजनों को 27.15 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के सचिव गिरीश रामटेके ने बताया कि दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत 14 हितग्राहियों को 14 लाख 32 हजार रुपए,

मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत 1960 श्रमिकों को 3 करोड़ 92 लाख रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत 297 श्रमिकों को 44 लाख 55 हजार रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत 20 हितग्राहियों को 20 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत 325 श्रमिकों के बच्चों को 38 लाख 88 हजार 374 रुपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के अंतर्गत 3040 श्रमिकों को 6 करोड़ 08 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 71220 श्रमिकों के बच्चों को 14 करोड़ 53 लाख 96 हजार 500 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना के अंतर्गत 1142 श्रमिकों को 39 लाख 50 हजार 624 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 526 हितग्राहियों को 1 करोड़ 52 लाख रुपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के अंतर्गत 784 श्रमिकों को 29 लाख 04 हजार 082 रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत 9 हितग्राहियों को 9 लाख रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना के अंतर्गत 3 श्रमिकों को 60 हजार रुपए अंतरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में शनिवार 28 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला मुख्यालय जशपुर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित होगा। मुख्यमंत्री द्वारा श्रम विभाग के अंतर्गत 12 विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 79,340 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिजनों को 27.15 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में शनिवार 28 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला मुख्यालय जशपुर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

गशोध आलेखों से प्राप्त सुझाव समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहायक-जी एस मिश्रा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

डॉ राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ के प्राचार्य डॉ प्रीति मिश्रा के मार्गदर्शन एवं बृजेशनाथ पाण्डेय,अध्यक्ष महाविद्यालय जन-भागीदारी समिति के सहयोग से अर्थशास्त्र एवं भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वं डॉ विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा,विख्यात अर्थशास्त्री की स्मृति में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया था।जिसमें छत्तीसगढ़ सहित देशभर से शिक्षाविद् एवं ं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किया।जिसका एडिटेड बुक का विमोचन छत्तीसगढ़ नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा (से.नि.भा.प्र.सेवा) पूर्व प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ शासन ने किया।शोध पत्रों में प्राप्त सुझावों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सिंधु घाटी सभ्यता से प्रारंभ होकर पुरे विश्व में फैला।हम दुनिया की चौथी से तीसरा अर्थव्यवस्था बनने के अग्रसर है।इसमें छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है।छत्तीसगढ़ राज्य अपनी समृद्ध वन संपदा के कारण देश में एक विशेष स्थान रखता 44 से अधिक भौगोलिक क्षेत्र में वन हैं,जो राज्य की अर्थव्यवस्था और लाखों लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान देता हैं।लघु वनोपज ग्रामीण और जनजातीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है,लाखों लोगों को रोजगार और आय प्रदान करता देश का सबसे बड़ा लघु वनोपज संग्राहक राज्य को धान का कटोरा कहा गया है।वन आश्रित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने से बेरोजगारी दूर होगी।इन शोध पत्रों से प्राप्त सुझावों का नीति आयोग गहन अध्ययन कर नीति निर्धारण में उपयोग करेगी।वनों एवं पर्यावरण का संरक्षण किया जाए।वन संसाधन के साथ ही आस्था का भी प्रतीक हैं जो उसे संरक्षण प्रदान करता है।इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष तथा संगोष्ठी एवं कार्यशाला के संयोजक डॉ विनोद कुमार जोशी,भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला की आयोजन सचिव डॉ नम्रता शर्मा,सेमिनार की आयोजन सचिव डॉ श्रद्धा मिश्रा तथा डॉ भूपेंद्र कुमार साहू, शोधार्थी कस्तुरी उपस्थित थीं।

छीसगढ़ राज्य के औद्योगिक विकास में अक्षय ऊर्जा महत्वपूर्ण - राजेश सिंह राणा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नई दिल्ली द्वारा रायपुर में हरित ऊर्जा कानकेल्व-2026 का आयोजन किया गया।छत्तीसगढ़ राज्य में औद्योगिक क्षेत्र के विकास को गति देने हेतु अक्षय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा अभिकरण (क्रेडा) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश सिह राणा ने भाग लिया।

राणा ने अक्षय ऊर्जा को महत्व देते हुए छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास नीति में अक्षय ऊर्जा को सम्मिलित किये जाने की जानकारी देते हुए राज्य के सौर ऊर्जा नीति के प्रावधानों का भी उल्लेख किया गया।

साथ ही राजेश सिंह राणा द्वारा छत्तीसगढ़ अंजोर विजन-2047 के

हरित ऊर्जा कॉन्क्लेव-2026 में क्रेडा की सहभागिता
अक्षय ऊर्जा छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

अंतर्गत राज्य का नवीकरणीय ऊर्जा खपत का हिस्सा वर्ष 2030 तक 45 प्रतिशत् एवं वर्ष 2047 तक 66 प्रतिशत् से भी अधिक लक्ष्य प्राप्त किये जाने की जानकारी प्रतिभागियों से साझा की एवं इसके अतिरिक्त उन्होने क्रेडा द्वारा संचालित परियोजनाएं जैसे-सौर सुजला, जल जीवन मिशन, ऑफ ग्रिड सोलर पावर प्लांट एवं सोलर हाईमास्ट के बारे में प्रतिभागियों को विस्तृत रुप से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में क्रेडा के अतिरिक्त छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्रधिकरण (सीबीडीए), छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग, उद्योग विभाग, पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय एवं राज्य के उद्योगों के अधिकारीगणो ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय संकट के बीच पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज कटौती से जनता को बड़ी राहत - कैट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, वासु मखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर विशेष एक्साइज ड्यूटी में की गई महत्वपूर्ण कटौती का स्वागत करते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय संकट के समय देश की जनता के हित में एक अत्यंत सराहनीय कदम बताया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच केंद्र सरकार का यह निर्णय आम जनता को राहत देने तथा आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल है। सरकार द्वारा पेट्रोल पर विशेष एक्साइज ड्यूटी को ?13 से घटाकर ?3 प्रति लीटर तथा डीजल पर ?10 से घटाकर शून्य कर दिया जाना न केवल उपभोक्ताओं के लिए राहतकारी है, बल्कि इससे परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र को भी बड़ी मजबूती मिलेगी।

पारवानी ने विशेष रूप से कहा कि इस निर्णय का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव लॉजिस्टिक लागत पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता आने से परिवहन खर्च में वृद्धि पर अंकुश लगेगा, जिससे वस्तुओं की ढुलाई लागत नियंत्रित रहेगी और बाजार में कीमतों के अनावश्यक बढ़ने पर रोक लगेगी। इसका सीधा लाभ देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को मिलेगा, क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें संतुलित बनी रहेंगी। उन्होंने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय संकट के इस दौर में सरकार के सामने यह चुनौती थी।

शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-03 एवं स्लीपर कोच की सुविधा

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 एवं स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है 7 यह सुविधा दिनांक 28, 29, 30, 31 मार्च तथा 01, 02, 03 अप्रैल 2026 को शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी 7 इसी प्रकार दिनाँक 30 व 31 मार्च तथा 01, 02, 03, 04, 05 अप्रैल 2026 को एलटीटी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी । इस सुविधा से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे ।

जन्म-मृत्यु पंजीयन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर। मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर (अटल नगर) में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन कार्य की समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभागीय सचिव भुवनेश यादव ने की।

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याण दिवस पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याण दिवस पूरे भारत बल्कि पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया जाता है कुंडलपुर राज परिवार के राजा सिद्धार्थ रानी त्रिशला नंदन के पुत्र भगवान महावीर ने जन्म लिया बचपन का नाम वर्धमान था जो अपने 30 वर्ष की उम्र में मोह माया सांसारिक जीवन छोड़कर वैराग्य की राह पर निकल पड़े भगवान महावीर ने 12~30 वर्षों की कठोर तपस्या के बाद ऋजु पालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे ज्ञान कैवल्य की प्राप्ति की भगवान महावीर ने लोगों को बहुत ही सुंदर और प्यारा दिव्य संदेश अहिंसा परमो धर्म जियो और जीने दो का अद्भुत संदेश देकर लोगों को अपने जीवन को श्रेष्ठ ऊंचाई तक पहुंचाने का उपदेश दिया आज भगवान महावीर के विचारों से पूरा विश्व उनके आदर्शों की रह पर पर चल रहा यह महा पर्व जीव दया अपरिग्रह सत्य दान सेवा के रूप में संकल्प लिया जाता है इस दिन जैन समाज के श्रावक श्राविकाएं भगवान महावीर की भव्य शोभा यात्रा निकालकर पूजा अर्चना की जाती है जिसमें जैन समाज के दिगंबर श्वेतांबर तेरापंथी स्थानकवासी सभी पंथ

एक होकर सकल जैन समाज जैन दादाबाड़ी पर एकत्रित होकर भक्ति भाव से समर्पित होकर पूजा पाठ करते हैं और गुरु प्रसादी भी वितरित की जाती है भगवान महावीर ने जीवो के प्रति कल्याण भाव जीवो रक्षा करना मूल मंत्र के रूप में है भगवान महावीर की जयंती पर जैन समुदाय के द्वारा पूजा पाठ कर अर्चना गरीबों को भोजन पशुओं को आहार आदि दिया जाता है इस दिन जैन समाज अपने आत्मज्ञान आवश्यकता से अधिक संचय ना करना आत्म शुद्धि करने की प्रेरणा देता है जैन समाज का सात्विक भोजन जिसे पूरे विश्व ने अपनाना शुरू कर दिया भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण पावापुरी में 75 वर्ष की आयु में मोक्ष प्राप्त किया

अदाणी फाउंडेशन की उपलब्धि- जवाहर नवोदय विद्यालय में नौ का चयन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अदाणी पावर लिमिटेड, रायपुर की सामाजिक सरोकार शाखा अदाणी फाउंडेशन की ओर से तिल्दा विकासखंड के 12 ग्रामों में संचालित जेएनवी (जवाहर नवोदय विद्यालय) कोचिंग सेंटर ने इस वर्ष उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। केंद्र से नौ विद्यार्थियों का रायपुर के माना स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। तिल्दा ग्रामीण क्षेत्र के लिए निर्धारित 14 सीटों में से 9 सीटों पर अदाणी फाउंडेशन के कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जो इस पहल की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

चिचोली, मुरा, खपरी, ताराशिव और मोहरेंगा गांवों से चयनित विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 2, 2, 2, 2 और 1 है। कोचिंग सेंटर में नियमित कक्षाओं, विषयवार मार्गदर्शन और अनुशासित अभ्यास के माध्यम से विद्यार्थियों को

जेएनवी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जाती है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2011 से संचालित इस नवोदय कोचिंग पहल के माध्यम से अब तक कुल 91 विद्यार्थियों का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हो चुका है। पिछले वर्ष भी इस केंद्र का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा था, जब तिल्दा ग्रामीण क्षेत्र की 14 में से 13 सीटों पर अदाणी नवोदय कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों का चयन हुआ था।

वर्तमान में इस कोचिंग सेंटर में लगभग 130 विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययन कर रहे हैं। चयन न होने वाले विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में भी सकारात्मक सुधार देखा गया है, जिसके चलते वे अपने स्कूल की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन और अच्छे अंक प्राप्त कर रहे हैं।इस सफलता पर स्थानीय समुदाय ने अदाणी फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की है। चिचोली, मुरा, खपरी, ताराशिव और मोहरेंगा गांवों के सरपंचों ने इस शैक्षणिक पहल के लिए फाउंडेशन को धन्यवाद देते हुए इसे आगे भी जारी रखने की अपेक्षा व्यक्त की है। समुदाय का कहना है कि इस प्रकार का शैक्षणिक सहयोग ग्रामीण विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सहायक है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित यह कोचिंग सेंटर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराता है, जिससे उनमें प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति आत्मविश्वास विकसित हो रहा है। आने वाले वर्षों में इस पहल से और अधिक विद्यार्थियों के चयन की संभावनाएँ व्यक्त की जा रही हैं।

अदाणी फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, सामुदायिक अवसंरचना और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी सामाजिक पहलें संचालित कर रहा है। शिक्षा सहयोग, कौशल विकास, स्वास्थ्य शिविर, महिला समूहों के प्रशिक्षण और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों के माध्यम से फाउंडेशन स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में कार्य कर रहा है।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता — केदार कश्यप

राम नवमी पर मंदिरों में उमड़ी आस्था, मंत्री ने किए प्रभु श्रीराम व माता शीतला के दर्शन ढोल और पारंपरिक तोड़ी बाजा बजाकर मंत्री ने बांधा भक्तिमय समां

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ उन्होंने सर्किट हाउस नारायणपुर में आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा भारतीय जनता

पार्टी के पदाधिकारियों से भेंट-मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और वार्डों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं। मंत्री श्री कश्यप ने सभी की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लोगों को राहत पहुंचाना शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

इसके पश्चात राम नवमी के पावन अवसर पर मंत्री श्री कश्यप नगर स्थित श्री राम मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रभु श्रीराम के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्रवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और पूरा वातावरण भक्ति और आस्था से ओतप्रोत नजर आया।

इसके बाद मंत्री श्री कश्यप शीतला मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने माता शीतला के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर वे श्रद्धा और उत्साह के साथ ढोल तथा पारंपरिक तोड़ी बाजा बजाते हुए भी नजर आए। मंत्री के इस सहज और भक्तिमय रूप को देखकर उपस्थित श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला तथा पूरा परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा।

भिलाई की सामान्य सभा में 851.28 करोड़ का बजट पास

विपक्ष ने 4 साल की भ्रष्टाचार को लेकर जमकर विरोध जताया

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी
भिलाई नगर निगम के बजट सत्र में बुधवार को उस वक्त राजनीतिक तापमान चरम पर पहुंच गया, जब करीब 800 करोड़ रुपये के लाभ का बजट महापौर नीरज पाल द्वारा पेश किया गया इस दौरान नेता पतिपक्ष विपक्षी पार्षदों ने 4 साल की भ्रष्टाचार को लेकर जम कर विरोध जताया।

भिलाई नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक में निगम महापौर नीरज पाल बजट का सूटकेस लेकर सदन में पहुंचे, लेकिन इसी के साथ विपक्ष ने भी प्रतीकात्मक अंदाज में भ्रष्टाचार का सूटकेस लहराकर विरोध दर्ज करा दिया। विपक्ष ने बीते चार वर्षों में कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए सदन में जमकर हंगामा किया और पेश किए गए अनुमानित बजट पर सवालों की झड़ी लगा दी। हंगामे के बीच बजट को अव्यावहारिक बताते हुए विपक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई, जिसके चलते सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित होती रही। कुल मिलाकर, विकास के दावों और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच भिलाई नगर निगम का बजट सत्र राजनीतिक टकराव का अखाड़ा बनकर रह गया।

निगम भिलाई का विशेष बजट सम्मिलन सभागार कक्ष में राष्ट्रगान के साथ प्रारंभ किया गया। राष्ट्रगान के पश्चात महापौर नीरज पाल ने अपना अभिभाषण के साथ बजट सभापति गिरवर बंटी साहू एवं सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसमें अपने कार्यकाल की उपलब्धि एवं आगामी वित्तीय वर्ष हेतु

जनहितैषी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दिये। निगम का अनुमानित बजट वर्ष 2026-27 में प्रारंभिक शेष राशि 180 करोड़ 60 लाख 74 हजार एवं आय 670 करोड़ 67 लाख 73 हजार, इस प्रकार कुल आय 851 करोड़ 67 लाख 47 हजार के विरूद्ध 740 करोड़ 23 लाख 32 हजार का व्यय अनुमानित है, एवं 111 करोड़ 05 लाख 15 हजार अंतिम शेष का अनुमान है।

नगर पालिक निगम भिलाई हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण प्रयोजना स्वीकृति प्रदान की गई है । जिससे शहर नए आयाम एवं विकसित दिशा में कार्य करेगी। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कचांदुर में 189.57 करोड़ की लागत से सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट प्रगतिरत है। सी.पी.जी प्लांट की स्थापना हेतु 60 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस संयंत्र की छमता प्रतिदिन 100-150 टन कचरे के प्रसंस्करण की होगी। लगभग 22 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से अत्याधुनिक साइंस सेंटर की स्थापना प्रस्तावित है। शहर में 4 करोड़ 97 लाख की लागत से स्वीमिंग पुल का निर्माण, रनिंग ट्रेक 4 करोड़ 99 लाख, 1 करोड़ 99 लाख की लागत से स्केटिंग ट्रेक निर्माण किया जा रहा है। शहर की स्वच्छता एवं सीवरेज व्यवस्था हेतु 21 करोड़ 56 लाख से कार्य हुड़को क्षेत्र में प्रस्तावित है। शहर के व्यावसायिक एवं शैक्षणिक विकास को ध्यान में रखते हुए 6 करोड़ 38 लाख की लागत से जवाहर मार्केट का उन्नयन एवं 11 करोड़ 42 लाख की लागत से नालंदा परिसर का विकास किया जा रहा है।

बजट में नगर निगम भिलाई क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु नवीन सड़क, सड़क चौड़ीकरण, सीवरेज लाइन, नाला निर्माण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, बेहतर पेयजल आपूर्ति, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, दूषित जल निकासी, उद्यानों का सौंदर्यीकरण एवं अन्य कार्य शामिल किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के व्यय को लेकर कई विषयों पर सम्मानित पार्षदों द्वारा आपत्ति किया गया, जिसका निगम आयुक्त एवं लेखाधिकारी द्वारा जानकारी प्रदान किया गया । विस्तृत चर्चा पश्चात् सदन द्वारा आय की बजट सर्व सिन्हा, महापौर परिषद के सभी सम्मानित सदस्य, उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह, सभी सम्मानित पार्षदगण, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं निगम सचिव सहित अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति रही।

मंत्री गजेन्द्र का बस सफर, आमजन से जुड़कर संवाद

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी
प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने सादगी और जनसेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आम नागरिकों की तरह यात्री बस में सफर किये। वे धमधा से दुर्ग बस स्टैंड तक बिना किसी प्रोटोकॉल के एक सामान्य यात्री की तरह बस में बैठे और सहयात्रियों के साथ सहजता से संवाद किये। बस में केबिनेट मंत्री की मौजूदगी देखकर यात्रियों में पहले तो आश्चर्य हुआ, लेकिन उनकी सरलता और अपनापन देखकर सभी ने उनसे बातचीत की।

बस यात्रा के दौरान कई यात्रियों ने शिक्षा मंत्री के साथ सेल्फी ली और उनसे बेझिझक बातचीत किए। मंत्री श्री यादव ने भी बिना किसी औपचारिकता के सभी यात्रियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, सुझावों को ध्यानपूर्वक सुने। उन्होंने बताया कि वे पारिवारिक कार्य से पथरिया गए हुए थे। वापसी के दौरान बेमेतरा से दुर्ग तक बस में यात्रा करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की यात्रा से आमजन के बीच जाकर उनकी वास्तविक समस्याओं और जरूरतों को समझने का अवसर मिलता है, जो किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बस यात्रा के दौरान उन्होंने ग्रामीण अंचलों से जुड़े यात्रियों और शिक्षकों से शिक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की। शिक्षकों ने विद्यालयों की वर्तमान स्थिति, संसाधनों की उपलब्धता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों तथा गुणवत्ता सुधार के उपायों पर अपने विचार साझा किए। मंत्री ने इन सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि शासन स्तर पर इन बिंदुओं पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे संवाद भविष्य की नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह बस यात्रा केवल एक सामान्य सफर नहीं, बल्कि जनता से सीधे जुड़ने, उनकी भावनाओं को समझने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

बाल विवाह पर प्रशासन की कड़ी निगरानी, प्रतिबंधन के लिए संयुक्त टीम गठित

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी
रामनवमी, अक्षय तृतीया के अवसर पर शहरी व ग्रामीण स्तर पर अधिकतर भ्रांतियों के चलते बाल विवाह संपन्न कराया जाता है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में बाल विवाह को पूर्णरूप से प्रतिबंधित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति, चाईल्ड लाईन की संयुक्त टीम गठित की गयी है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह को प्रतिबंधित करता है। 21 वर्ष से कम आयु का पुरूष यदि 18 वर्ष से कम आयु की किसी बालिका से विवाह करता है तो उसे 02 वर्ष तक के कठोर कारावास अथवा जुर्माना जो कि 01 लाख रूपए तक हो सकता है अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है। कोई व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, करता है अथवा उसकी सहायता करता है, उन्हें दण्डित किया जा सकता है तथा कोई व्यक्ति जो बाल विवाह को बढ़ावा अथवा जानबूझकर उसकी अनुमति देता है, बाल विवाह में है। बाल विवाह करना सामाजिक बुराई एवं कानूनन को बाल विवाह की जानकारी होने पर महिला एवं बाल विकास विभाग (फोन नं.- 0788-2213363, 2323704) चाईल्ड हेल्प लाईन (1098), परियोजना कार्यालय, पुलिस विभाग (112, 100) महिला हेल्पलाईन (181) में संपर्क कर सकते हैं।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री से मिले स्किल डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन के अफसर

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी
नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सदस्यों का आगमन बुधवार को चेम्बर कार्यालय भिलाई में हुआ। इस अवसर पर युवाओं के कौशल विकास और रोजगार उपलब्ध कराने संबंधी विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य यह था कि प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

बैठक में चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने एनएसडीसी के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि कॉर्पोरेशन स्किल्ड युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु चेम्बर को

सहयोग प्रदान करे। उन्होंने कहा कि चेम्बर आवश्यकता अनुरूप युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी मांग रखी कि कौशल विकास संबंधी कार्यक्रमों में चेम्बर की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिल सकें।

श्री भसीन ने बैठक में यह भी कहा कि आज के समय में केवल प्रशिक्षण देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि यदि कौशल विकास कार्यक्रमों को उद्योगों की जरूरतों से जोड़ा जाए तो प्रशिक्षित युवाओं को तुरंत रोजगार मिल सकेगा। श्री भसीन ने स्पष्ट किया कि चेम्बर का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना ही नहीं है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना भी है।एनएसडीसी के सदस्यों ने चेम्बर की मांगों और सुझावों को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। जिस पर कॉर्पोरेशन के सदस्यों ने आश्वासन दिया कि चेम्बर को इस कार्यक्रम से पूर्ण रूप से जोड़ा जाएगा और युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि कौशल विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में चेम्बर की सहभागिता से कार्यक्रम और अधिक प्रभावी होगा।इस अवसर पर एनएसडीसी के अग्रवाल सहित उद्योग चेम्बर अध्यक्ष जेपी गुप्ता, सुनील मिश्रा, विकास जायसवाल, निरंकार सिंह सहित चेम्बर के सदस्यगण उपस्थिति थे।

केशकाल घाटी में फिर टला बड़ा हादसा

ट्रक साइड वॉल से टकराकर खाई में लटका, 72 घंटे से जाम की स्थिति

केशकाल, प्रतिदिन राजधानी
केशकाल घाटी में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार शाम घाटी के चौथे मोड़ पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक ट्रक का ब्रेक अचानक फेल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घाटी उतरते समय ट्रक अनियंत्रित होकर साइड वॉल से टकरा गया और खाई में लटक गया। गनीमत रही कि साइड वॉल के कारण ट्रक पूरी तरह नीचे नहीं गिरा, जिससे चालक की जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद ट्रक का पिछला हिस्सा सड़क पर ही फंसा रहा, जिससे मार्ग पर रुक-रुक कर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही केशकाल पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रक को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। बावजूद इसके, पिछले 72 घंटों से घाटी मार्ग पर जाम की समस्या बनी हुई है, जिससे आमजन और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इधर, क्षेत्र में लौह अयस्क से भरे भारी वाहन—जो जगदलपुर, बैलाडीला और नारायणपुर से निकलकर केशकाल घाटी होते हुए रायपुर की ओर जाते हैं—लगातार यातायात नियमों की अनदेखी करते नजर आ रहे हैं।

अनुपस्थित रहने पर पटवारी निलंबित

केशकाल, प्रतिदिन राजधानी
कोंडागांव जिले में लापरवाही और बिना सूचना अनुपस्थित रहने के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए एक पटवारी को निलंबित कर दिया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) केशकाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार पटवारी हल्का क्रमांक 17 टेंगसा, तहसील बड़ेराजपुर के पटवारी रघुनाथ नेताम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

आदेश में उल्लेख है कि रघुनाथ नेताम 10 मार्च 2026 से 24 मार्च 2026 तक बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के अपने कार्य से अनुपस्थित पाए गए। साथ ही पूर्व में भी उनकी अनुपस्थिति की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। तहसीलदार बड़ेराजपुर द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब भी उन्होंने प्रस्तुत नहीं किया। इसके क्षेत्रों के सर्वे के दौरान भी वे अनुपस्थित पाए गए, जिससे शासकीय कार्य प्रभावित हुआ। आय, जाति, निवास, डिजिटल किसान किताब, जनगणना एवं लैंड बैंक से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां समय पर उपलब्ध नहीं कराने तथा कार्य के प्रति लापरवाही बरतने का भी आरोप है। इन परिस्थितियों को गंभीर मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

पोस्टमार्टम में देरी, फूटा गुस्सा, लाश सड़क पर रखकर प्रदर्शन

सुकमा, प्रतिदिन राजधानी
सुकमा जिले के ग्राम पंचायत किकीरपाल में एक व्यक्ति की मौत के बाद पोस्टमार्टम में देरी को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, गांव के निवासी फूल कुमार बघेल की नदी में डूबने से मौत हो गई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पहले छिंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम नहीं हो सका। बाद में शव को सुकमा जिला

अस्पताल की मर्च्युरी में रखा गया। परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि 12 से 18 घंटे बीतने के बाद भी पोस्टमार्टम नहीं किया गया, जिससे नाराजगी बढ़ गई। इसके बाद ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी लखमा के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय और जिला अस्पताल के सामने लगाया कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही और संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के कारण अंतिम संस्कार में देरी हो रही है।

बाद में सुकमा कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

पेट्रोल पंप के पास रोते मिला बच्चा, पुलिस ने परिवार से मिलाया

बचेली, प्रतिदिन राजधानी
पुलिस की मुस्तैदी और संवेदनशीलता का एक सराहनीय उदाहरण देखने को मिला, जब मौर्या पेट्रोल पंप के पास एक तीन वर्षीय मासूम बच्चा रोते-बिलखते हुए मिला। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए इसकी सूचना तत्काल बचेली पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को सुरक्षित अपनी अभिरक्षा में लिया। बच्चा काफी डरा-सहमा हुआ था और कुछ भी स्पष्ट बताने की स्थिति में नहीं था। इसके बावजूद पुलिस ने बिना समय गंवाए आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ और पातासाजी शुरू कर दी। जांच के दौरान बच्चे की पहचान रोशन इस्तम (पिता-धनीराम इस्तम), उम्र 3 वर्ष, निवासी दशरथ पारा के रूप में हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में परिजनों का पता लगा लिया और मासूम को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया।

अपने लापता बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बचेली पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता के कारण ही उनका बच्चा सुरक्षित वापस मिल सका।

इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू, सहायक उप निरीक्षक प्रहलाद निर्मल, तथा आरक्षक अजीत पैकरा और मुन्ना लाल मौर्य का विशेष योगदान रहा।

उद्यमियों ने नागपुर में ली तकनीकी ज्ञान

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी
छत्तीसगढ़ में सीएसआईडीसी के मार्गदर्शन में चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रैंप योजना के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के उद्यमियों के लिए महाराष्ट्र र के नागपुर स्थित पतंजलि फूड एंड

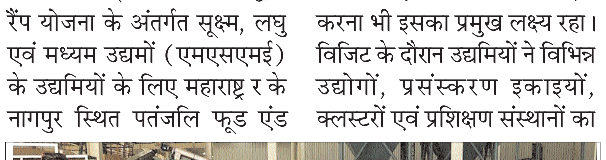

हर्बल पार्क में 23 एवं 24 मार्च को दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में कोरिया, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एवं बस्तर जिलों से आए कुल 25 उद्यमियों ने भाग लिया। इस विजिट का उद्देश्य एमएसएमई उद्यमियों की तकनीकी क्षमता, बाजार की समझ तथा प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना था। साथ ही उन्हें आधुनिक तकनीक, उत्पादन प्रक्रियाओं, गुणवत्ता मानकों एवं बाजार व्यवस्था की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य रहा। विजिट के दौरान उद्यमियों ने विभिन्न उद्योगों, प्रसंस्करण इकाइयों, क्लस्टरों एवं प्रशिक्षण संस्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें उन्नत तकनीकों, नवीन प्रक्रियाओं एवं आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही विशेषज्ञों के साथ संवाद, उत्पादन प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन एवं सफल उद्यमियों के अनुभव साझा किए गए, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

जिला अस्पताल सड़क निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी
दंतेवाड़ा, 25 मार्च। दंतेवाड़ा नगर की महत्वपूर्ण जिला अस्पताल सड़क की दशा जल्द ही सुधरेगी। निविदा प्रक्रिया के पूर्ण होते ही सड़क का नवनिर्माण आरंभ होगा।

इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग श्री भौर्या ने जानकारी में बताया कि उक्त सडक की स्थिति जर्जर है। लोक निर्माण विभाग को स्वीकृति विलंब से मिली। वर्तमान में निविदा प्रक्रिया जारी है। निविदा दरों के खुलने की कार्यवाही जारी है। उक्त प्रक्रिया पूर्ण होते ही कार्य आरंभ होगा।

उल्लास महापरीक्षा, साढ़े 10 हजार परीक्षार्थियों ने लिया हिस्सा

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी
जिले में 'उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत रविवार को महापरीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का संचालन कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने निर्देशन और जिला पंचायत के

मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई तथा जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान और जिला परियोजना अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

महापरीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षर नागरिकों ने साक्षर बनने के संकल्प के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला परियोजना अधिकारी के अनुसार, इस अभियान के तहत कुल 14,470 शिक्षार्थियों का पंजीयन हुआ था, जिनमें से 10,570 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिले के पांचों विकासखंडों में बनाए गए 469 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके तहत वर्ष 2027 तक देश को पूर्ण साक्षर बनाने का संकल्प लिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के निरक्षर नागरिकों को पढ़ना-लिखना, गणना करना और आवश्यक जीवन कौशलों से सशक्त बनाना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ समाज में योगदान दे सकें। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले के साक्षरता पुनर्वास केंद्र देवखरगांव को आदर्श परीक्षा केंद्र बनाया गया था। यहां परीक्षा केंद्राध्यक्ष श्री तुलाराम शोरी (प्राचार्य), सहायक शिक्षक सुश्री राधिका दीवान, शासकीय प्राथमिक शाला बुनागांव के शिक्षक एवं स्वयंसेवी शिक्षकों श्री मिथलेश वर्मा और श्री अभिषेक पाण्डे का विशेष सहयोग रहा। इस महत्त्वपूर्ण अभियान की सफलता में जिला कलेक्टरनूपुर राशि पन्ना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, जिला परियोजना अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, खंड स्त्रोत समन्वयक, संकुल प्राचार्य, संकुल समन्वयक, शिक्षक एवं ग्राम प्रभारियों की अहम भूमिका रही।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी
कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत धनोरा में पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ताओं की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं, सामाजिक विकास और आत्मनिर्भरता से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षकों ने कार्यकर्ताओं को पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों, उनके अंत्योदय सिद्धांत तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की अवधारणा से अवगत कराया। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने और गांव के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने इस महाअभियान को ज्ञानवर्धक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता जताई।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

आईपीएल 2026 : पहला मैच आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु व सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा....

बेंगलुरु। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिकेट लीग, आईपीएल के 19वें सीजन का बिगुल बज चुका है। आज बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक धमाकेदार मुकाबले के साथ टूर्नामेंट का आगाज होगा। इस उद्घाटन मैच में पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

विराट का जोश और पाटीदार की कप्तानी

गत चैंपियन आरसीबी इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। रजत पाटीदार की कप्तानी में टीम का बल्लेबाजी क्रम बेहद संतुलित और आक्रामक नजर आ रहा है। टीम की सबसे बड़ी ताकत विराट कोहली और फिल सॉल्ट की सलामी जोड़ी है, जो पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाने के लिए जानी जाती है। हालांकि, मैच से पहले आरसीबी के लिए कुछ तेज गेंदबाजों की चोटें चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिसे देखते हुए भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड पर गेंदबाजी का अतिरिक्त भार रहेगा।

कैसी है एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच : बेंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच आम तौर पर सपाट होती है। पिच फ्लैट और बैटिंग फ्रेंडली होती है। यहां अच्छी बाउंस और पेस के साथ गेंद बल्ले पर अच्छे से आती है। मैदान बहुत छोटा है और आउटफील्ड तेज है। ऐसे में यह मुकाबला हाई-स्कोरिंग होने वाला है। हालांकि ड्यू फैक्टर इस मैदान पर काम करता है। शाम के वक़्त ओस गिरने से चेज करने वाली टीम को फायदा मिलता है, इसलिए टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करना अक्सर रणनीति होती है।

स्पिनर्स को मदद : हाल के सालों में पिच पर ब्लैक सॉइल इस्तेमाल होने से स्पिनर्स को थोड़ी मदद मिल सकती है, लेकिन कुल मिलाकर यह अभी भी बल्लेबाजों का मैदान ही है। गेंदबाजों के लिए शुरुआती ओवरों में थोड़ी मदद होती है, लेकिन बाद में बल्लेबाज हावी हो जाते हैं। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल मैचों के दौरान पहली पारी का औसत स्कोर 167 रन का है।

हैदराबाद का नया कलेवर और ईशान किशन का जलवा

दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद की टीम एक नए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान किशन को टीम का कप्तान बनाया गया है। उनकी कप्तानी में हैदराबाद के पास ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन और अभिषेक शर्मा जैसे मैच विनर्स की फौज है। चिन्नास्वामी की छोटी बाउंड्री और सपाट पिच को देखते हुए हैदराबाद के बल्लेबाज यहां बड़ा स्कोर खड़ा करने का दम रखते हैं। हालांकि, टीम की गेंदबाजी की गहराई अभी भी एक सवाल बनी हुई है।

बेंगलुरु के मौसम का हाल

एक्यूवेदर के अनुसार, आज बेंगलुरु का मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। यहां अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहने का अनुमान है। बारिश की कोई उम्मीद नहीं है। दर्शकों को एक अच्छा मैच देखने मिल सकता है।

एसआरएच के पास मजबूत टॉप ऑर्डर

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी सेट है। तीन नंबर पर कप्तान ईशान किशन खेलते हुए नज़र आएंगे। विकेट कीपर हेनरिक क्लासेन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। ऐसे में वे लंबे समय के बाद वे कॉम्पिटेटिव क्रिकेट खेलते हुए नज़र आएंगे। उनके बाद नीतीश कुमार रेड्डी आ सकते हैं और इस बार लियाम लिविंगस्टोन टीम के मिडिल ऑर्डर और ऑलराउंड डिपार्टमेंट को मजबूती दे रहे होंगे। हालांकि पिछली 17 आईपीएल पारियों में वो सिर्फ 224 रन बना सके हैं। पिछले सीजन 166 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने वाले अनिकेत वर्मा को इस बार भी मौका मिलने की संभावना होगी।

धोनी के बाद संजू सैमसन बन सकते हैं चेन्नई सुपर किंग्स का चेहरा : इरफान पठान

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि संजू सैमसन भविष्य में चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी की जगह लेने के लिए सबसे सही खिलाड़ी हो सकते हैं। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स अपने अभियान का आगाज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 30 मार्च को करेगी। पठान ने 'जियोस्टार' से बात करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है कि धोनी का यह आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है। उन्होंने बताया कि चेन्नई सुपर किंग्स ने सैमसन जैसे विकेटकीपर-बल्लेबाज को टीम में शामिल किया है, जो आने वाले कई सालों तक खेल सकते हैं और धोनी के बाद टीम का चेहरा बन सकते हैं। पठान के अनुसार, सैमसन एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें फैंस पसंद करते हैं और उनसे आसानी से जुड़ सकते हैं। पठान ने सैमसन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हाल के समय में अपने खेल में काफी सुधार किया है। खासकर इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी फॉर्म बेहतर हुई है। हाल ही में उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। ऐसे में वह धोनी के बाद टीम की जिम्मेदारी संभालने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है जब धोनी टीम की कमान धीरे-धीरे किसी और खिलाड़ी को सौंप सकते हैं और सैमसन इसके लिए अच्छे विकल्प हैं। धोनी के रोल पर बात करते हुए पठान ने कहा कि पहले वह मैच के आखिरी ओवरों में आकर टीम को जीत दिलाते थे, लेकिन उम्र और फिटनेस की वजह से अब उनका असर बतौर फिनिशर थोड़ा

कम हो गया है। खासकर घुटने की समस्या के कारण उनका खेल प्रभावित हुआ है। पठान ने एक आईपीएल मैच का उदाहरण दिया, जिसमें संदीप शर्मा के खिलाफ धोनी मुकाबले को अंत तक तो ले गए थे, लेकिन चेन्नई को जीत नहीं दिला सके थे। उन्होंने कहा कि पहले धोनी मुश्किल परिस्थितियों में मैच खत्म कर देते थे, लेकिन अब ऐसा कम देखने को मिल रहा है।

इसलिए अगर वह टीम में खेल रहे हैं, तो उन्हें सिर्फ आखिरी दो ओवर नहीं, बल्कि कम से कम चार या पांच ओवर बल्लेबाजी करनी चाहिए, ताकि टीम को ज्यादा फायदा मिल सके। आखिर में पठान ने कहा कि धोनी की विरासत बहुत बड़ी है और उन्हें उसी स्तर पर खेलते हुए अपनी भूमिका निभानी चाहिए। वहीं, सैमसन जैसे खिलाड़ी के आने से टीम का भविष्य भी मजबूत नजर आता है।

राजमिस्त्री की बेटी मोनिखा सोनोवाल ने दर्द और आत्म-संदेह को हराकर जीता केआईटीजी वेटलिफ्टिंग गोल्ड

रायपुर। 'शायद वह अभी कंस्ट्रक्शन साइट पर व्यस्त होंगे,' मोनिखा सोनोवाल ने मुस्कुराते हुए कहा, जब वह अपने पिता को फोन लगाने की कोशिश कर रही थीं। कुछ ही क्षण पहले 19 वर्षीय मोनिखा ने यहां जारी पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था और यह खुशखबरी अपने पिता को देना चाहती थीं। उनके पिता पद्मधर सोनोवाल एक राजमिस्त्री हैं, जो चार सदस्यों के परिवार का पालन-पोषण करने के लिए दिनभर कड़ी मेहनत करते हैं। मोनिखा की खेल यात्रा में वे हमेशा उनकी सबसे बड़ी ताकत रहे हैं। दो बहनों में बड़ी मोनिखा असम के धेमाजी जिले के बटघोरिया पेनबेनी चौक की रहने वाली हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर बसे इस शांत इलाके की दूरी गुवाहाटी से लगभग 425 किलोमीटर है। यहां जीवन शांत और साधारण है, जहां ज्यादातर परिवारों के सपने रोजमर्रा की जरूरतों तक ही सीमित रहते हैं। लेकिन मोनिखा के लिए वेटलिफ्टिंग हॉल में बजने वाली बारबेल की आवाज एक ऐसे सपने की शुरुआत थी, जो सीमाओं में बंधने को तैयार नहीं था। सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के प्रति उनकी जिज्ञासा धीरे-धीरे जुनून में बदल गई, जिसे पड़ोसी राज्य मणिपुर की टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू से प्रेरणा मिली। और गुरुवार को वही सपना हकीकत में बदल गया, जब उन्होंने घुटने की चोट के बावजूद संघर्ष करते हुए खेलों का पहला वेटलिफ्टिंग स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह जीत उनके वर्षों की मेहनत का परिणाम थी। उनके सफर में एक बड़ा मोड़ दो साल पहले आया, जब उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण के नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ईटानगर में प्रवेश लिया। कचारी जनजाति से आने वाली मोनिखा ने कहा, 'एनसीओई ईटानगर ने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसका मेरे जैसे छोटे गांव की खिलाड़ी केवल सपना देख सकती थी बेहतर ट्रेनिंग, पोषण, मार्गदर्शन और चोट से उबरने की सुविधा। इस सहयोग के बिना यहां तक पहुंचना बहुत मुश्किल था।' इसके बाद उनकी प्रगति लगातार होती रही। 2023 में उन्होंने स्कूल नेशनल्स में स्वर्ण पदक जीता। 2024 में ओडिशा के संबलपुर में आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता लीग में रजत पदक हासिल किया। 2025 में तेजपुर में राज्य चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और चंडीगढ़ में इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में आठवां स्थान प्राप्त किया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (दूसरा दिन) राउंड अप

कर्नाटक के मणिकांता एल का तैराकी में जलवा, ओडिशा की अंजलि मुंडा ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

रायपुर। कर्नाटक के तैराक मणिकांता एल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले दम पर अपनी टीम को पदक तालिका में शीर्ष पर बनाए रखा। उन्होंने गुरुवार को तीन और स्वर्ण पदक जीतकर अपने कुल स्वर्ण पदकों की संख्या पांच कर ली, जबकि ओडिशा की अंजलि मुंडा ने तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। छत्तीसगढ़ के माननीय उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री अरुण साव ने भारोत्तोलन प्रतियोगिता के दौरान आयोजन स्थल का दौरा किया और खिलाड़ियो का उत्साहवर्धन किया। मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए भी खुशी की बात रही, जहां स्थानीय तैराक अनुष्का भगत ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में रजत पदक जीतकर अपने कुल पदकों की संख्या दो कर ली। इससे पहले उन्होंने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में भी रजत पदक जीता था। दूसरे दिन के अंत तक कर्नाटक आठ स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि ओडिशा पांच स्वर्ण, एक रजत और आठ कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। असम पांच पदकों (दो स्वर्ण) के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि छत्तीसगढ़ तीन पदकों (दो रजत और एक कांस्य) के साथ छठे स्थान पर है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भाग ले रहे हैं, जिसमें करीब 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंब और कबड्डी प्रदर्शन खेल हैं।

मियामी ओपन : जीत के साथ अलेक्जेंडर जेवरेव ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

मियामी। मियामी ओपन में जर्मनी के खिलाड़ी अलेक्जेंडर जेवरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत के साथ 27 साल के जर्मन खिलाड़ी ने एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड बना लिया है, जो उनके करियर के लिहाज से महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साल 2022 में सेमीफाइनल और 2023 तथा 2025 में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाले फ्रांसिस्को सेरुंडोलो का अनुभव जेवरेव के आगे फीका नजर आया। टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में सेरुंडोलो ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर 10 खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव को हराया था। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में अलेक्जेंडर जेवरेव के खिलाफ वह लय में दिखाई नहीं दिए और तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका चूक गए। क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ जेवरेव ने सेरुंडोलो के खिलाफ लगातार चौथी जीत दर्ज की।

मियामी ओपन : एलेना रायबाकिना को हराकर एरिना सबालेंका फाइनल में पहुंचीं, खिताबी मुकाबले में गॉफ से होगी भिड़ंत

मियामी। बेलारूस की टेनिस प्लेयर एरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के फाइनल का टिकट कटा लिया है। सबालेंका ने सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ वह लगातार दूसरे साल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका की यह डब्ल्यूटीए टूर में 17वीं प्रतियोगिता और कुल 10वीं जीत है। सबालेंका 2023 और 2024 में रायबाकिना के बाद लगातार मियामी ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी रहते हुए वह 2013 से 2015 तक सेरेना

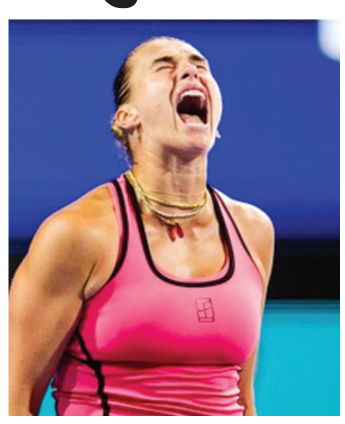

विलियम्स के बाद ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत काफी रोमांचक रही। पहले सेट में दोनों खिलाड़ी बराबरी पर खेल रही थीं। 4-5 से पिछड़ने के बाद सबालेंका ने रायबाकिना के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और क्रॉस-कोर्ट बैकहैंड और ओवरहेड शॉट का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। इस ब्रेक के दम पर वह पहला सेट 6-4 से जीतने में सफल रहीं।

दूसरे सेट में सबालेंका ने शुरुआत से दबाव बनाए रखा और 4-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद भी उन्होंने अपने विरोधी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सेट के अंत में उन्होंने लव पर सर्व किया और टी-सर्व के साथ खेल खत्म किया। मैच जीतने के बाद सबालेंका ने कैमरे के लेंस पर अपना निकनेम 'टाइगर' लिखा। सबालेंका इस सदी की चौथी खिलाड़ी हैं जो अपने सीजन के पहले चार डब्ल्यूटीए इवेंट्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड मार्टिना हिंगिस (2001), सेरेना विलियम्स (2003) और विक्टोरिया अज़ारेंका (2012) के नाम रहा है। इस तरह का प्रदर्शन उन्हें टेनिस की दुनिया में एक विशेष मुकाम दिलाता है। अब सबालेंका का सामना फाइनल में अमेरिकन खिलाड़ी कोको गॉफ से होगा। गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाई है। यह फाइनल दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि सबालेंका लगातार दो बार मियामी ओपन जीतकर सनशाइन डबल पूरा करना चाहेंगी। 2022 में पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने ऐसा किया था। सबालेंका और गॉफ के बीच अब तक 12 मुकाबले हो चुके हैं, जिसमें से छह मुकाबले सबालेंका ने जीते हैं, जबकि 6 मैचों में ही गॉफ ने बाजी मारी है यानी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। सबसे हाल ही में दोनों की भिड़ंत 2025 में मैड्रिड ओपन फाइनल, रोलैंड गैरोस फाइनल और डब्ल्यूटीए फाइनल्स रियाद ग्रुप स्टेज में हुई थी। इस दौरान गॉफ ने फ्रांस में जीत हासिल की थी।

ट्रांसजेंडर वुमन अब महिलाओं के साथ ओलिंपिक नहीं खेल सकेंगी

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों से बैन लगाया, बायोलॉजिकल फीमेल ही हिस्सा ले पाएंगी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी ने कहा है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक से ट्रांसजेंडर महिलाएं को अब महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नई नीति के मुताबिक अब सिर्फ बायोलॉजिकल फीमेल्स यानी वे महिलाएं जो जन्म से ही महिला हैं, उन्हें ही वुमन कैटेगरी में खेलने की अनुमति होगी। इसके लिए एक बार जीन टेस्ट कराना जरूरी होगा, जिससे लिंग की पुष्टि की जाएगी। यह टेस्ट थूक, गाल के स्वैब या ब्लड सैंपल से किया जा सकता है। वहीं, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे, लेकिन अब खुद को ट्रांसजेंडर पुरुष मानते हैं, वे महिला स्पर्धाओं में खेलना जारी रख सकते हैं।

अब तक नियम क्या था : अब तक इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन लेवल कम होने की शर्त पर खेलने की अनुमति देता था या फैसला व्यक्तिगत खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था।

नया नियम केवल प्रोफेशनल खेलों पर लागू : इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी अब सभी खेलों के लिए एक एकसमान नीति चाहता है, ताकि खेल संगठन अलग-अलग

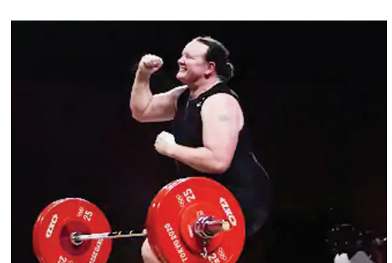

नियम न बनाएं। कई खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर पाबंदी लगा रखी है। यह बदलाव खेलों में निष्पक्षता यानी फेयर कॉम्पिटिशन सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले साल फरवरी में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पास किया था।

इसमें लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं को वीजा न देने की बात कही गई थी। यह नियम केवल प्रोफेशनल खेलों पर लागू होगा, जमीनी स्तर (ग्रासरूट) के खेलों पर इसका असर नहीं पड़ेगा।

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी प्रेसिडेंट बोलीं- जीत-हार में बहुत कम अंतर होता है

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी की प्रेसिडेंट कर्स्टी कोवेंट्री ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि ओलिंपिक जैसे बड़े मंच पर जीत और हार के बीच बहुत मामूली अंतर होता है। उन्होंने कहा, 'ओलिंपिक खेलों में बेहद छोटा फासला भी जीत और हार तय कर सकता है। ऐसे में बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला कैटेगरी में मुकाबला करना सही नहीं होगा।'

'जन्म से पुरुष होने पर मिलता है फिजिकल एडवांटेज'

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी ने अपनी इस नीति के पीछे वैज्ञानिक रिसर्च का भी हवाला दिया है। रिसर्च के अनुसार, जन्म से पुरुष होने के कारण एथलीट को स्ट्रेंथ (ताकत), एंड्योरेंस (सहनशक्ति) और पावर आधारित खेलों में शारीरिक रूप से बढ़त यानी एडवांटेज मिलता है। संस्था का मानना है कि हार्मोनल बदलावों के बावजूद यह शारीरिक अंतर पूरी तरह खत्म नहीं होता।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (तीसरा दिन राउंडअप)

मणिकांता एल की बदौलत कर्नाटक 10 से अधिक स्वर्ण जीतने वाला पहला राज्य बना

रायपुर। कर्नाटक ने यहाँ के अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ ने पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ दिन दर्ज करते हुए शुक्रवार को एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। कर्नाटक के मजबूत तैराक मणिकांता एल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत अपने खाते में जोड़े। तीसरे दिन के अंत तक कर्नाटक के पास 13 स्वर्ण, 5 रजत और 1 कांस्य पदक हो गए हैं। ओडिशा 6 स्वर्ण, 2 रजत और 9 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि असम 2 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर है। छत्तीसगढ़ 6 पदकों (3 रजत, 3 कांस्य) के साथ त्रिपुरा के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर है। छत्तीसगढ़ के लिए अनुश्का भगत ने महिलाओं की 50 मीटर

ब्रेस्टस्ट्रोक में अपना तीसरा रजत पदक जीता। निखिल जाल्को ने पुरुषों की 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में दूसरा कांस्य हासिल किया, जबकि न्यासा पैकरा ने 100 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीतकर राज्य का मान बढ़ाया।

गंभीर की आक्रामकता ही उनकी ताकत, विरोधियों के लिए 'खलनायक' लेकिन टीम के लिए हीरो : डु प्लेसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा कोच गौतम गंभीर की तीखी प्रतिस्पर्धात्मक भावना की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि गंभीर का यही आक्रामक रवैया उन्हें कई बार विरोधियों की नजर में 'कहानी का खलनायक' बना देता है, लेकिन उनकी टीम के लिए यही सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। डु प्लेसी ने बताया कि जब आप गंभीर के खिलाफ खेलते हैं, तो उनकी ऊर्जा और जुनून उन्हें अलग बनाते हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं होती कि लोग उन्हें पसंद करते हैं या नहीं। उनका पूरा ध्यान सिर्फ जीत और टीम के प्रदर्शन पर रहता है। यही वजह है कि वह एक मजबूत लीडर के रूप में उभरते हैं और ड्रेसिंग रूम में उच्च मानक स्थापित करते हैं। गौतम गंभीर की कप्तानी में कोलकाता

नाईट राईडर ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीते थे। इसके अलावा, मेंटोर के रूप में उनके मार्गदर्शन में टीम ने 2024 में तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। डु प्लेसी का मानना है कि यह सफलता केवल खिलाड़ियों की वजह से नहीं, बल्कि नेतृत्व की स्पष्ट सोच और अनुशासन का नतीजा है। उन्होंने यह भी कहा कि एक कप्तान के रूप में जब आप गंभीर के खिलाफ मैदान में उतरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उन्हें हराने की इच्छा होती है, लेकिन साथ ही उनके नेतृत्व और उच्च मानकों का सम्मान भी किया जाता है।

सूरीनाम को हराकर बोलीविया ने बनाई वर्ल्ड कप प्लेऑफ के फाइनल में जगह

मेक्सिको सिटी। बोलीविया ने इंटर-कॉन्फेडरेशन प्लेऑफ सेमीफाइनल मुकाबले में सूरीनाम को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही बोलीविया की टीम 32 साल में पहली बार फीफा वर्ल्ड कप खेलने के और करीब पहुंच गई है।

बोलीविया की भिड़ंत अब इराक से होगी। हाफ टाइम के ठीक बाद बीबीवीए स्टेडियम में लियाम वैन गेल्डेरेन ने छह-यार्ड बॉक्स के अंदर हाथापाई के बाद गोल करके सूरीनाम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में बोलीविया ने जोरदार वापसी की। 72वें मिनट में मोइसेस पनियागुआ ने गोल करके स्कोर को 1-1 कर दिया। फिर सिर्फ सात मिनट बाद मिगुएल टेरसेरोस ने पेनल्टी पर गोल दागकर बोलीविया को 2-1 की बढ़त दिला दी, जो आखिर तक कायम रही। इस जीत के साथ बोलीविया अब अगले अहम मुकाबले में मंगलवार को इराक से भिड़ेगा।

आईपीएल 2026 : बल्लेबाजी में दम, गेंदबाजी अटैक भी संतुलित, खत्म होगा पंजाब का पहले खिताब का इंतजार?

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में फाइनल तक का सफर तय करने वाली पंजाब किंग्स की टीम इस सीजन भी कागज पर दमदार नजर आ रही है। बल्लेबाजी में दमखम दिख रहा है, तो गेंदबाजी भी काफी संतुलित नजर आ रही है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम आईपीएल 2026 में अपने पहले खिताब का सूखा खत्म करना चाहेगी। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी पिछले सीजन टीम को ताबड़तोड़ शुरुआत देने में सफल रही थी। प्रभसिमरन ने टूर्नामेंट में 547 और प्रियांश ने भी 475 रन बनाए थे। नंबर तीन की पोजीशन पर श्रेयस अय्यर ने पंजाब किंग्स के लिए अहम भूमिका निभाई थी। कप्तान से टीम को एक बार फिर वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी। माइकल ओवेन और कूपर कोनोली के आने से टीम का बैटिंग ऑर्डर अब और भी दमदार दिख रहा है। मार्कस स्टोइनिस बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देते हुए

नजर आएंगे। वहीं, शशांक सिंह और नेहल वढेरा से आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। विष्णु विनोद, मुशीर खान और सूर्यांश शेडगे के रूप में पंजाब के पास अच्छे भारतीय युवा बल्लेबाज भी मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल टीम परिस्थितियों के हिसाब से कर सकती है। टीम का गेंदबाजी अटैक भी इस साल काफी संतुलित दिख रहा है। मार्को जानसेन और अर्शदीप सिंह तेज गेंदबाजी की अगुवाई करते नजर आएंगे। हालांकि, शुरुआती मुकाबलों में टीम को लॉकी फर्ग्यूसन की सुविधाएं नहीं मिल पाएंगी। वैशाक विजयकुमार और यश ठाकुर में से कोई एक तीसरे गेंदबाज की भूमिका निभा सकता है। जेवियर बार्टलेट और बेन ड्वार्शुइस को खरीदने के साथ ही पंजाब किंग्स ने अपने तेज गेंदबाजी अटैक को और धार दी है। स्पिन विभाग की कमान युजवेंद्र चहल संभालते हुए दिखाई देंगे। चहल का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में बढ़िया रहा है। चहल का साथ हरप्रीत बरार देते हुए दिखाई देंगे। प्रवीण दुबे के रूप में पंजाब किंग्स के पास एक और विकल्प मौजूद है।

भारत को 16,420 करोड़ रुपये का ओडीए लोन देगा जापान, मेट्रो, हेल्थकेयर और कृषि परियोजनाओं को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। जापान सरकार ने भारत को चार बड़े परियोजनाओं के लिए 275.858 अरब जापानी येन (करीब 16,420 करोड़ रुपये) का आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) लोन देने का ऐलान किया है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि जापान सरकार ने भारत को शहरी परिवहन, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में चार परियोजनाओं के लिए 275.858 अरब जापानी येन (करीब 16,420 करोड़ रुपये) का आधिकारिक विकास सहायता ऋण देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिन्हें पंजाब, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों में कार्यान्वित किया जाना है। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव आलोक तिवारी और भारत में जापान के राजदूत केइची ओनो के बीच 24 मार्च 2026 को ऋण समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। ये फंड शहरी परिवहन, स्वास्थ्य और कृषि जैसे अहम क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इस मदद से कर्नाटक, महाराष्ट्र और पंजाब जैसे राज्यों में बड़े प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया जाएगा।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस लोन का एक बड़ा हिस्सा मेट्रो रेल नेटवर्क को बढ़ाने में लगाया जाएगा। बेंगलुरु मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज 3 के लिए 102.480 अरब येन दिए जाएंगे, जिससे शहर में ट्रैफिक कम होगा और लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इस परियोजना का उद्देश्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना, प्रदूषण कम करना और शहर के पर्यावरण को बेहतर बनाना है। इसी तरह मुंबई मेट्रो लाइन 11 प्रोजेक्ट को 92.400 अरब येन मिलेंगे। इससे मुंबई में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने और शहर में आवागमन को आसान बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी बड़ा निवेश किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में बेहतर अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग संस्थान बनाने के लिए 62.294 अरब येन दिए जाएंगे, जिसका उद्देश्य लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। कृषि क्षेत्र में पंजाब में टिकाऊ बागवानी (हॉर्टिकल्चर) को बढ़ावा देने के लिए 18.684 अरब येन दिए जाएंगे। इससे किसानों को ज्यादा लाभ देने वाली फसलों की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी, साथ ही कृषि ढांचे और सप्लाई चेन को मजबूत किया जाएगा। भारत और जापान के बीच विकास सहयोग का रिश्ता काफी पुराना है, जो 1958 से चला आ रहा है। आर्थिक सहयोग दोनों देशों के रिश्तों का अहम हिस्सा रहा है और यह नया फंडिंग पैकेज इस साझेदारी को और मजबूत करेगा।

शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ सेंसेक्स 1690 अंक टूटा, निफ्टी 22900 के नीचे

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में दो प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गी। अमेरिका-ईरान संघर्ष बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिससे युद्ध में कमी आने की संभावना पर संदेह पैदा हो रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान से ऊपर बनी रहने, रुपये की लगातार गिरती कीमत और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी ने भी निराशा के माहौल को और बढ़ा दिया। रुपया 86 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक बार फिर सर्वकालिक निचले स्तर 94.82 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स

1,690.23 अंक या 2.25 प्रतिशत गिरकर 73,583.22 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 1,739.04 अंक या 2.31 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 73,534.41 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 486.85 अंक या 2.09 प्रतिशत गिरकर 22,819.60 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.55 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, उसके बाद इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट आई। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड को लाभ हुआ।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में स्थिर हुए। यूरोप के बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

वित्त वर्ष 26 में मजबूत वृद्धि के बाद ऑटो इंडस्ट्री की रफ्तार में वित्त वर्ष 27 में आ सकती है नरमी

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की वृद्धि दर में नरमी देखने को मिल सकती है। वहीं, जीएसटी में कटौती से सामर्थ्य में सुधार होने और आर्थिक गतिविधियों के मजबूत रहने से चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 26) में ऑटो इंडस्ट्री में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए की रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी में बदलाव मुख्य रूप से मांग में वृद्धि का कारण बने, क्योंकि इससे दोपहिया वाहनों की सामर्थ्य में सुधार हुआ और वाणिज्यिक वाहनों के बेड़े बनाना पहले के मुकाबले किफायती हो गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जीएसटी दरों में कटौती, माल ढुलाई में वृद्धि और बुनियादी ढांचागत गतिविधियों के कारण वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में तेजी आई। रेटिंग एजेंसी ने बताया

कि फरवरी 2026 में वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 23.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि वित्त वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में घरेलू थोक बिक्री में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। खुदरा बिक्री में पिछले महीने की तुलना में 28.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में मजबूत वृद्धि हुई। वहीं, हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) को अंतिम मील माल ढुलाई में सुधार और जीएसटी के कारण लागत में हुई कटौती के प्रति उनकी उच्च संवेदनशीलता से लाभ मिला। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि वित्त वर्ष 26 में इस सेगमेंट में 7-9 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 27 में यह अनुमान 4-6 प्रतिशत पर है। रिपोर्ट में कहा गया, 'मांग में तेजी के बावजूद, उच्च वित्तपोषण लागत और विशेष रूप से एलसीवी सेगमेंट में पुराने वाहनों की बढ़ती मांग, निकट भविष्य में कुछ बाधाएं पैदा कर सकती हैं।' दोपहिया वाहन सेगमेंट में व्यापक सुधार देखने को मिला, और ग्रामीण मांग में सुधार, बेहतर वित्तपोषण उपलब्धता और जीएसटी के कारण बढ़ती सामर्थ्य के चलते वित्त वर्ष 2026 में बिक्री कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की संभावना है। रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026 में घरेलू थोक बिक्री में लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो वित्त वर्ष 2027 में उच्च आधार के कारण घटकर 3-5 प्रतिशत रह जाएगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि प्रतिस्थापन चक्र और ग्रामीण आय में वृद्धि से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है, और जीएसटी दरों में कटौती से 350 सीसी से कम के दोपहिया वाहनों के सामर्थ्य में वृद्धि हुई है।

इंडिगो की दिल्ली-कोलंबो के बीच सीधी उड़ानें 29 मार्च से शुरू, हफ्ते में 6 फ्लाइट्स

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को मजबूत करते हुए दिल्ली और श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के बीच नई सीधी उड़ानों की शुरुआत का ऐलान किया है। यह नई सेवा 29 मार्च से शुरू होगी, जिसके तहत एयरलाइन इस रूट पर हर हफ्ते 6 उड़ानें संचालित करेगी। एयरलाइन के मुताबिक, इन उड़ानों के लिए ए320 विमान का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। यह नई कनेक्टिविटी भारत और श्रीलंका के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगी। भारत और श्रीलंका के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते लंबे समय से मजबूत रहे हैं। ऐसे में इस नई सेवा से दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही आसान होगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इंडिगो पहले से ही भारत के पांच शहरों (मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और अब दिल्ली) से कोलंबो के लिए कुल 55 से अधिक साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगा। इसके अलावा, एयरलाइन चेन्नई और तिरुचिरापल्ली से जाफना के लिए भी हर हफ्ते 10 उड़ानें चला रही है। इससे श्रीलंका में इंडिगो की पकड़ और मजबूत हो रही है। यात्री इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप या अधिकृत ट्रैवल पार्टनर्स के जरिए अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं और टिकट बुक कर सकते हैं।

साथ ही, वे पहले से ही अपने खाने-पीने की चीजें बुक कर सकते हैं, जिसमें बेवरेज भी शामिल हैं। इसके अलावा, यात्री अपनी पसंद के अनुसार 'अपफ्रंट' और 'फ्लेक्सी' जैसे विकल्प चुन सकते हैं, जिनमें बेहतर सीट, मुफ्त स्नैक्स और आसान कैंसिलेशन जैसी सुविधाएं मिलती हैं। नई उड़ानों का शेड्यूल भी जारी किया गया है।

अदाणी ने YouthyJobs के साथ 'ग्लोबल एबिलिटी फोटोग्राफी चैलेंज 2026' के लिए साझेदारी की...

अहमदाबाद। YouthyJobs की पहल NotJustArt ने अदाणी GreenXTalks के साथ साझेदारी में ग्लोबल एबिलिटी फोटोग्राफी चैलेंज 2026 के 5वें संस्करण की घोषणा की है। यह प्रतियोगिता दिव्यांगजनों के लिए भारत की सबसे बड़ी समावेशी फोटोग्राफी प्रतियोगिता मानी जाती है। यह प्रतियोगिता वैश्विक स्तर पर आयोजित की जा रही है, इसमें भाग लेना नि:शुल्क है और यह सिर्फ दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए है।

पिछले चार संस्करण में ग्लोबल एबिलिटी फोटोग्राफी चैलेंज एक वैश्विक समावेशी मंच के रूप में तेजी से विकसित हुआ है। इस दौरान यह पहल 80 लाख से अधिक लोगों तक पहुंची, 50,000 से अधिक प्रतिभागियों

को प्रेरित किया और 30 से अधिक देशों से एंट्रीज मिलीं। पिछले साल इस प्रदर्शनी आयोजन जापान और दुबई में भी किया गया था। ग्लोबल एबिलिटी फोटोग्राफी चैलेंज 2026 के तहत दिव्यांग फोटोग्राफर, चाहे वे शौकिया हों या पेशेवर, उन्हें अपनी तस्वीरों के माध्यम से अपने अनुभव, दृष्टिकोण और जीवन की कहानियों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसका उद्देश्य इन कहानियों को मुख्यधारा में लाकर दिव्यांगता के प्रति सोच और दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाना है। YouthyJobs फाउंडेशन की संस्थापक और सीईओ मीरा शेनॉय ने कहा, 'ग्लोबल एबिलिटी फोटोग्राफी चैलेंज यह दर्शाता है कि जब दिव्यांगजनों को मंच मिलता है, तो वे केवल भागीदारी नहीं करते बल्कि अपनी अनूठी और प्रभावशाली दृष्टि के साथ नेतृत्व करते हैं। हमारे कई विजेता अनेक चुनौतियों को रचनात्मक तरीके से पार करते हुए अब नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।

'अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड के निदेशक जीत अदाणी ने कहा, 'हम NotJustArtऔर YouthyJobs फाउंडेशन के साथ जुड़कर खुश हैं। इससे वैश्विक स्तर पर दिव्यांगजनों की प्रतिभाओं को ऐसा मंच मिल सके, जहां वे फोटोग्राफी जैसी सबसे खूबसूरत, रचनात्मक कला में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। सच ही है हर तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है।'

पुरस्कार और सम्मान

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए बड़ा पुरस्कार और वैश्विक पहचान के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

- प्रथम पुरस्कार: 5,00,000
- द्वितीय पुरस्कार: 3,00,000
- तृतीय पुरस्कार: 2,00,000
- चौथा से 10वां पुरस्कार: 1,00,000 प्रत्येक

प्रतियोगिता के पहले 20 एंट्रीज को एक विशेष क्यूरेटेड प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जाएगा। पहले 10 विजेताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध प्रोडक्ट डिजाइनर माइकल फोली (फोली डिजाइन्स और टीएलवी सॉल्यूशंस के संस्थापक) द्वारा डिजाइन की गई ट्रॉफियां प्रदान की जाएंगी।

नए इनकम टैक्स एक्ट से लेकर ट्रेन टिकट रिफंड तक एक अप्रैल से लागू होंगे ये बदलाव

नई दिल्ली। नया वित्त वर्ष शुरू होने में कुछ ही दिन का समय शेष रह गया है। हर नए वित्त वर्ष के साथ कुछ न कुछ बदलाव जरूर होते हैं इसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ता है, जिसके बारे में हम इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं। नया इनकम टैक्स एक्ट, 2025 एक अप्रैल से पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा। इसके जरिए सरकार की कोशिश इनकम टैक्स से जुड़े कानून और शब्दावली को सरल बनाना है। नए इनकम टैक्स में असेसमेंट ईयर जैसे शब्दों को हटा दिया गया है और अब इसकी जगह टैक्स ईयर शब्द का उपयोग किया जाएगा। नए वित्त वर्ष के साथ ही न्यू टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपए तक की आय टैक्स छूट के दायरे में आ जाएगी। ऐसे में अगर आपकी आय 12 लाख रुपए तक है तो सेक्शन 87ए से आपकी पूरी आय टैक्स फ्री हो जाएगी। फॉर्म 16 और फॉर्म 16ए को 1 अप्रैल से फॉर्म 130 और फॉर्म 131 से बदल दिया जाएगा। कर संबंधी नियमों का सुचारू रूप से पालन सुनिश्चित करने और कर दाखिल करने में स्पष्टता लाने के लिए इनके जारी करने की समयसीमा में संशोधन किया जा सकता है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अब पैन आवेदन के लिए जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में केवल आधार कार्ड को स्वीकार नहीं करेगा,

बल्कि इसके लिए कक्षा 10 का प्रमाण पत्र और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। भारतीय रेलवे ने टिकट कैंसिलेशन से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। यह नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे। अगर रेलवे टिकट को ट्रेन के चलने से 8 से लेकर 24 घंटे के बीच में रद्द कर दिया जाता है तो कुल टिकट की कीमत का 50 प्रतिशत रिफंड के रूप में मिलेगा। अगर टिकट को ट्रेन के चलने के 24 से लेकर 72 घंटे के बीच में रद्द कर दिया जाता है तो कुल टिकट की कीमत का 25 प्रतिशत रिफंड मिलेगा। अगर टिकट को ट्रेन के चलने के 72 घंटे से अधिक पहले रद्द किया जाता है, तो अधिकतम कैंसिलेशन शुल्क लागू होगा, हालांकि, पूर्ण टैक्स रिफंड नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में रिफंड भारतीय रेलवे के नियमों और शर्तों पर निर्भर करती है, जो परिवर्तन के अधीन हैं।

आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में 65322 करोड़ रुपये की अस्थायी तरलता डाली

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकिंग प्रणाली में 65,322 करोड़ रुपये की लिक्विडिटी डाली। यह राशि छह दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी के माध्यम से डाली गई। केंद्रीय बैंक ने एक बयान जारी इसके बारे में बताया। आरबीआई ने यह तरलता 5.26 फीसदी की कट-ऑफ दर पर प्रदान की। भारित औसत दर 5.29 फीसदी रही। हालांकि, डाली गई तरलता अधिसूचित राशि 75,000 करोड़ रुपये से कम थी। अग्रिम कर भुगतान और जीएसटी बहिर्प्रवाह के कारण बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त तरलता में तेज गिरावट आई थी। इसके बावजूद तरलता कम डाली गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में अग्रिम कर भुगतान और जीएसटी का पैसा सरकार के पास जाने के कारण आई नकदी की अस्थायी कमी को दूर करने के लिए छह दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो नीलामी के माध्यम से 65,322 करोड़ रुपये की तरलता डाली है। हालांकि यह राशि अधिसूचित 75,000 करोड़ रुपये से कम रही, लेकिन इस कदम का मुख्य उद्देश्य वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और अल्पकालिक ब्याज दरों में होने वाली किसी भी बड़ी अस्थिरता को रोकना है। केंद्रीय बैंक की इस सक्रियता से बैंकों के पास पर्याप्त नकदी सुनिश्चित होगी, जिससे कॉर्पोरेट और एमएसएमई क्षेत्र को ऋण की उपलब्धता सुचारू बनी रहेगी और बाजार में वित्तीय संतुलन कायम रहेगा। 26 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में करीब 48,698.38 करोड़ रुपये की अतिरिक्त तरलता का अनुमान है। पिछले कुछ दिनों में केंद्रीय बैंक ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के जरिए 2,08,208 करोड़ रुपये की अस्थायी तरलता डाली थी। इससे पहले, आरबीआई ने जनवरी 2026 से सरकारी प्रतिभूतियों की खुली बाजार खरीद के माध्यम से 3.50 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ तरलता भी डाली थी।

डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को कार्यशील बनाने की जरूरत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से कार्यशील बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। इसका कारण वर्तमान में यह व्यवस्था निष्क्रिय है, जिससे देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित होना पड़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधारों को पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में विकास को केंद्र में रखे जाने की बात कही। गोयल 26 मार्च से अफ्रीकी देश कैमरून के याउंडे में आयोजित विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स व्यापार पर सीमा शुल्क रोक को आगे बढ़ाने के संबंध में सावधानीपूर्वक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "एक निष्क्रिय विवाद निपटान प्रणाली ने सदस्य देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित कर दिया है। हमें स्वचालित और बाध्यकारी विवाद निपटान प्रणाली को बहाल करना होगा।" डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान व्यवस्था 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है क्योंकि अमेरिका ने अपीलीय निकाय में सदस्य देशों की नियुक्तियों में बाधा डाली है। भारत ने सीमा शुल्क स्थगन के दायरे पर चर्चा करने की आवश्यकता पर बार-बार बल दिया है, क्योंकि इससे राजस्व पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, "इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन को लेकर सीमा शुल्क पर स्थगन के दायरे के मामले में सदस्यों के बीच आम सहमति के अभाव में और इसके संभावित महत्वपूर्ण प्रभावों को देखते हुए इस स्थगन के निरंतर विस्तार पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार की आवश्यकता है।" विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों ने 1998 से 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' पर सीमा शुल्क नहीं लगाने पर सहमति व्यक्त की है। इस रोक को समय-समय पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों में बढ़ाया गया है। डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 166 सदस्यों का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। डब्ल्यूटीओ सुधारों पर मंत्री ने कहा कि आवश्यक सुधार एक पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने चाहिए। इसमें विकास को केंद्र में रखा जाए और गैर-भेदभाव, आम सहमति आधारित निर्णय लेने और समानता जैसे मूलभूत सिद्धांतों को बनाए रखा जाए। गोयल ने कृषि पर कहा कि खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान काफी समय से लंबित मुद्दे हैं और सदस्य देशों को 'प्राथमिकता के आधार पर इन पर निर्णय करना चाहिए।' उन्होंने कहा, "भारत एक व्यापक मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध है जो वर्तमान और भविष्य की मछली पकड़ने की जरूरतों को संतुलित करे, गरीब मछुआरों की आजीविका की रक्षा करे और उचित एवं प्रभावी नियंत्रण एवं परिवर्तन उपायों को लागू करे।" गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ रूपरेखा में बहुपक्षीय परिणामों को शामिल करना आम सहमति पर आधारित होना चाहिए। मंत्री ने कहा, 'हम रचनात्मक रूप से इस बात के लिए प्रयासरत रहेंगे कि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार का केंद्र बना रहे। हम इसमें सुधार करने का प्रयास करेंगे ताकि यह जवाबदेह बना रहे, विकास, समानता और समावेश के लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो और आम सहमति और बहुपक्षवाद पर आधारित होकर गरीब, कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों के हितों की बेहतर सेवा कर सके।'

पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से जनता को बड़ी राहत, लॉजिस्टिक लागत पर लगेगा अंकुश : खंडेलवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर विशेष उत्पाद शुल्क में की गई महत्वपूर्ण कटौती का स्वागत किया है। उन्होंने इसे वैश्विक संकट के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश की जनता के हित में लिया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम बताया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय आम जनता को राहत देने तथा आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल है। खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर विशेष उत्पाद शुल्क को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर तथा

डीजल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य किया जाना न केवल उपभोक्ताओं के लिए राहतकारी कदम है, बल्कि इससे परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र को भी बड़ी मजबूती मिलेगी। खंडेलवाल ने कहा कि इस निर्णय का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव लॉजिस्टिक लागत पर पड़ेगा। इस कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता आने से परिवहन खर्च में वृद्धि पर अंकुश लगेगा, जिससे वस्तुओं की ढुलाई लागत नियंत्रित रहेगी और बाजार में कीमतों के अनावश्यक बढ़ने पर रोक लगेगी। इसका सीधा लाभ देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को मिलेगा, क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें संतुलित बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय संकट के इस दौर में सरकार के सामने यह चुनौती थी कि या तो खुदरा कीमतों में वृद्धि होने दी जाए या फिर स्वयं वित्तीय भार वहन किया जाए। खंडेलवाल ने कहा कि देश का व्यापारिक समुदाय इस निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस राहत का लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे तथा किसी भी प्रकार से आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम देश के आम नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान करेगा तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर और सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

चीनी से दांत होते हैं खराब मीठी चीजों से बना लें दूरी

मिठाई मत खाओ, तुम्हारे सारे दांत सड़ जाएंगे एक वाक्यांश है जिसे आपने बचपन में सुना होगा। यदि आप पेरेंट्स हैं, तो आपने यह कहा भी होगा। वास्तव में, बहुत अधिक चीनी खाने से दांतों को काफी नुकसान होता है, इसलिए इस तरह की सलाह दी जाती है। लेकिन, इन तमाम चेतावनियों के साथ क्या आपने कभी सुना है कि चीनी इतनी हानिकारक क्यों हो सकती है? चीनी हमारे द्वारा खाए जाने वाले बहुत सारे फूड्स और ड्रिंक्स का हिस्सा है। इसलिए आपको जितना हो सके इससे बचना चाहिए।

दांतों में कैविटी कैसे बनती है

क्या आप जानते हैं कि आपका मुंह बैक्टीरिया से भरा होता है? यह बिल्कुल सच है। कुछ आपके मुंह के लिए अच्छे होते हैं। अन्य, थोड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं। हानिकारक बैक्टीरिया चीनी और कार्बोहाइड्रेट पर बढ़ते हैं, जिन्हें स्टार्च के रूप में भी जाना जाता है। साथ ही, ये एसिड बनाते हैं, जो बैक्टीरियल इंफेक्शन में बदल सकता है। बैक्टीरियल इंफेक्शन दो तरह से काम करता है। सबसे पहले, ये इनेमल (आपके दांत की चमकदार बाहरी परत) को नुकसान पहुंचाते हैं। दूसरा, अगर इलाज नहीं किया जाए, तो ये बैक्टीरियल इंफेक्शन कैविटी में बदल जाते हैं। ये आपके दांतों की गहरी परतों में चले जाते हैं और होल बनाते हैं, जिससे दर्द होता है और दांतों को नुकसान हो सकता है।

चीनी का सेवन मेरे दांतों पर कैसे असर करता है

चीनी निश्चित रूप से दांतों के खराब होने की सबसे आम वजह है। यह मुंह में बैक्टीरिया और सलाइवा के संपर्क में आती है और प्लाक का कारण बनती है। प्लाक पर चीनी की क्रिया एसिड का उत्पादन करना और दांतों के इनेमल युक्त कैल्शियम को गलाना होता है।

मुंह के अन्य हिस्सों पर इसका क्या प्रभाव होता है

चीनी न केवल दांतों को प्रभावित करती है, बल्कि इसकी एसिडिक प्रकृति और प्लाक युक्त बैक्टीरिया के इकट्ठा होने के कारण मसूड़ों की बीमारी हो सकती है। चीनी के ज्यादा और रेगुलर सेवन से, मसूड़ों की बीमारी ब्लीडिंग, फूले और सूजे हुए मसूड़ों और यहां तक कि शुरुआत में सांसों की बदबू के रूप में दिखाई देती है। ज्यादा और रेगुलर प्रोसेस्ड चीनी शरीर में लगभग हर प्रणाली को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

चीनी के अन्य रूपों का दांतों पर क्या असर होता है?

नेचुरल चीनी भी वही प्रभाव पैदा कर सकती है, जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है। लेकिन, फाइबर से भरपूर फल भले ही मीठे हों, उनमें खुद की क्लीनिंग करनी की क्षमता होती है, जो दांतों को नुकसान को सीमित करते हैं।

क्या यह डैमेज रिवर्सेबल होता है

चीनी से होने वाली डैमेज शुरू में सीमित होते है और नेचुरल सलाइवा में इसके एसिडिक प्रभावों को बेअसर करने के लिए मिनरल्स होते हैं। इसलिए थोड़ी मात्रा में चीनी का सेवन करने के बाद कुल्ला या ब्रश करने से दांतों या शरीर के बाकी हिस्सों को कोई नुकसान नहीं होता है। लेकिन, खराब हाइजीन उपायों से काफी नुकसान हो सकता है।

क्या इससे बचने के कोई उपाय हैं

- अगर आप चीनी का सेवन कम नहीं कर सकते हैं, तो सही तरीके से ब्रश करना और हाइजीन आदतों को अपनाना जरूरी होता है।
- चीनी या किसी भी भोजन को खाने के तुरंत बाद कुल्ला करना या पानी पीना दांतों की समस्याओं को रोकने के लिए सबसे अच्छी आदत है।
- प्लाक के निर्माण को रोकने के लिए दांतों के बीच फंसे खाने को साफ करने के लिए फ्लॉसिंग करें।
- मिठाई का सेवन सीमित करना विशेष रूप से चीनी युक्त जूस या ड्रिंक अच्छा होता है।

इन एंटी-एजिंग योगासनों से झुर्रियां होंगी कम

योग एक ऐसा समग्र विज्ञान है जो शरीर को जीवंत रखता है, ब्लड फ्लो में सुधार करता है और त्वचा पर एक स्वस्थ आभा लाता है। योगासनों में हम शरीर को तरह-तरह से मोड़ते हैं आगे पीछे झुकते हैं, जिससे आंतरिक अंगों की मालिश होती हैं और हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं। प्राणायाम से ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे चेहरे का ग्लो बढ़ता है और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया थम सी जाती है। इन योगासनों की जानकारी अक्षर योग संस्थान के योग और आध्यात्मिक गुरु हिमालयन सिद्ध अक्षर ने शेयर की है। बढ़ती उम्र के संकेतों को रोकने और हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए निम्नलिखित आसनों को करना चाहिए।

उष्ट्रासन

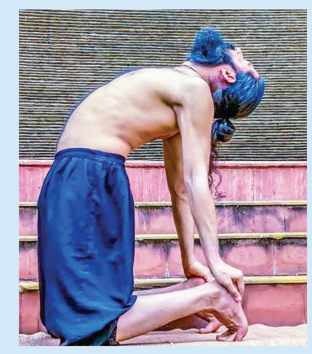

- इसे करने के लिए मैट पर घुटने रखें।
- हाथों को हिप्स पर रखें।
- पीठ को झुकाएं।
- हथेलियों को पैरों पर तब तक स्लाइड करें जब तक कि बाजुएं सीधी न हो जाएं।
- गर्दन को मोड़ें नहीं बल्कि इसे सीधा रखें।
- सांस छोड़ें और धीरे-धीरे प्रारंभिक आसन में वापस आ जाएं।

हलासन

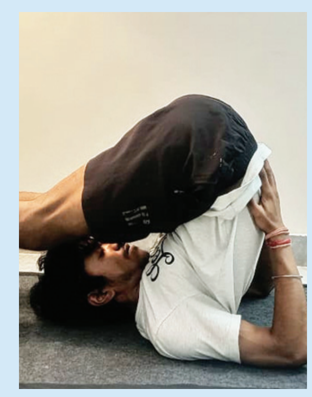

- इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं।
- हथेलियों को शरीर के साइड में फर्श पर रखें।
- पेट की मसल्स का इस्तेमाल करते हुए पैरों को 90 डिग्री ऊपर उठाएं।
- हथेलियों को फर्श पर मजबूती से दबाएं और पैरों को सिर के पीछे रखें।
- मध्य और पीठ के निचले हिस्से को फर्श से ऊपर उठाएं ताकि पैर की उंगलियां सिर के पीछे के जमीन को छू सकें।
- चेस्ट को चिन के जितना संभव हो करीब लाने की कोशिश करें।
- हथेलियां फर्श पर सपाट रह सकती हैं, लेकिन हाथों को कोहनी पर मोड़ा जा सकता है और आराम के स्तर के अनुसार हथेलियों से पीठ को सहारा दिया जा सकता है।

पादहस्तासन

- इसे करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं।
- सांस छोड़ें और धीरे से ऊपरी शरीर को मोड़ें।
- सिर नीचे करें और कंधे और गर्दन को आराम से रखें।
- सिर को पैरों के पास लाएं।
- माथे से घुटनों को छूने की कोशिश करें।
- इसके लिए लचीलेपन की आवश्यकता होती है।
- यदि अभ्यास शुरू कर रहे हैं, तो सिर्फ उतनी ही दूरी तक जाएं, जहां तक आप कंफर्टेबल हो।
- जब आगे की ओर झुक रहे हैं, तो कमर की बजाय सिर को कूल्हे के जोड़ों से ले जाने का प्रयास करें।
- हथेलियों को पैरों के दोनों ओर रखें।
- अभ्यास के दौरान पैरों और घुटनों को सीधा रखने की कोशिश करें।
- शुरुआत में इसे पूरा करने के लिए हमें घुटनों को थोड़ा मोड़ना पड़ सकता है।
- अभ्यास के साथ धीरे-धीरे घुटनों को सीधा करें और चेस्ट को थाइज से छूने की कोशिश करें।

शीर्षासन

- इसकी वज्रासन से शुरुआत करें।
- कोहनियों को जमीन पर रखें।
- हथेलियों और कोहनियों को आपस में फंसा लें।
- सिर को हथेलियों के सामने फर्श पर रखें।
- हथेलियां सिर के पिछले हिस्से को सहारा देने का काम करेगी।
- पैर की उंगलियों पर सिर की ओर तब तक चलें जब तक कि पीठ सीधी न हो जाए।
- सबसे पहले दाहिना पैर ऊपर उठाएं।
- संतुलन बनाएं और बाएं पैर को ऊपर उठाएं।
- पैरों को जोड़ें और पैर की उंगलियों को नीचे की ओर करें।

अजवाइन के तेल से सेहत को मिलते हैं ये बेमिसाल फायदे

अजवाइन के साथ उसका तेल भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अजवाइन के फायदों के बारे में, तो आपने हजारों बार सुना होगा। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि अजवाइन का तेल भी किसी वरदान से कम नहीं होता है। इसके इस्तेमाल से शरीर की कई बीमारियां आसानी से दूर होती हैं। अजवाइन के तेल में प्रोटीन, आयरन, कार्बोहाइड्रेट, पोटेशियम, विटामिन सी और विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। अजवाइन के तेल से हार्ट को हेल्दी रखने में मदद मिलती है और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है। अजवाइन का तेल औषधियों गुणों से भरपूर होता हैं। ये शरीर को लंबे समय तक स्वस्थ रखने में मदद करता है।

हार्ट को रखें हेल्दी

अजवाइन के तेल के सेवन से हार्ट को हेल्दी रखने में मदद मिलती है। अजवाइन के अर्क में एंटी-हाइपरलिपिडेमिक तत्व पाया जाता हैं, जो हार्ट संबंधी बीमारियों होने के खतरे को कम करता हैं। ये कोलेस्ट्रोल लेवल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक और हार्ट स्ट्रोक के खतरे को कम करता है।

फंगल इन्फेक्शन को करे दूर

अजवाइन के तेल के सेवन से फंगल इंफेक्शन को दूर करने में मदद मिलती है। इसमें पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण फंगस को नष्ट करके शरीर को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। अजवाइन का तेल शरीर में फंगल इंफेक्शन को होने से रोकता है।

पाचन तंत्र को करे मजबूत

अजवाइन का तेल पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसमें पाए जाने वाले गुण अपच, गैस, एसिडिटी और मितली जैसी समस्याओं को आसानी से दूर करता हैं। इसके सेवन से खाना जल्दी पचता है और शरीर लंबे समय तक हेल्दी रहता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

अजवाइन का तेल त्वचा की भी कई समस्याओं को आासनी से दूर करता हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण त्वचा पर पिंपल्स और उसके दाग-धब्बों को हटाने में मदद करता हैं। ये त्वचा पर इंफेक्शन होने से भी रोकता है।

स्ट्रेस करे दूर

अजवाइन के तेल से स्ट्रेस को दूर करने में भी मदद मिलती है। अजवाइन के तेल खुशबू सूंघने से मूड फ्रेश होने के साथ तनाव कम होता है। इसकी खूशबू तनाव को कम करने के साथ मूड को बेहतर करती है। अब जब भी आपको तनाव महसूस हो, तो अजवाइन के तेल का इस्तेमाल करें।

गर्मियों में काली पड़ चुकी गर्दन को साफ करने के लिए अपनाएं ये आयुर्वेदिक उपाय

अक्सर स्किन केयर रूटीन में हम चेहरे का, तो खास ख्याल रखते हैं लेकिन गर्दन पर उतना ध्यान नहीं दें पाता। ऐसे में गर्दन पर कालापन काफी जमा हो जाता है। वहीं अगर बात गर्मियों की जाएं, तो ज्यादातर धूप में रहने की वजह से भी गर्दन का रंग काला पड़ जाता है। चेहरे और गर्दन का असमान रंगत होने के कारण कई बार इस कारण आत्मविश्वास भी कमजोर होता है और ये देखने में भी खराब लगती है। कई लोग इस समस्या को दूर करने के लिए ऐसे कपड़ों को चुनाव करने लगते हैं, जिसमें गर्दन कम दिखाई दें।

खीरा और दूध : खीरा और दूध की मदद से गर्दन के कालेपन को आसानी से दूर किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए खीरे को कद्दूकस करें और उसमें 1 चम्मच दूध मिलाकर इस पेस्ट को गर्दन पर 5 से 10 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद गर्दन को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ऐसा करने से कुछ दिनों में ही फर्क दिखेना लगेगा।

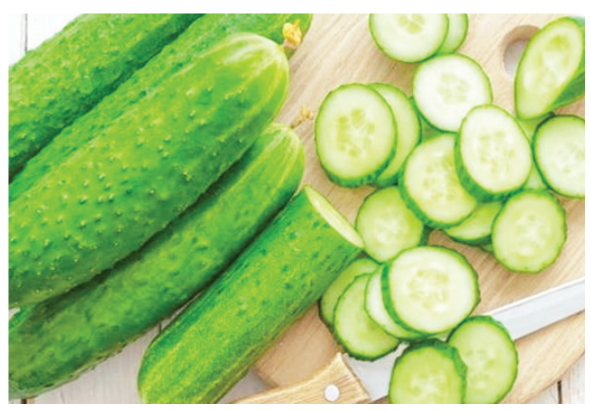

हल्दी और बेसन : हल्दी और बेसन में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो कालेपन को दूर करके स्किन को मुलायम बनाता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच बेसन 1 चुटकी हल्दी और 1 चम्मच दही को लेकर पेस्ट बनाएं। ये पेस्ट गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। इस तरह से गर्दन साफ करने से त्वचा साफ होती है।

दूध : दूध शरीर के साथ स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। ये स्किन को पोषण देकर असमान रंगत को दूर करता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए दूध को कॉटन की मदद से गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट के बाद गर्दन को धोएं। दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड गर्दन के कालेपन को आसानी से दूर करेगा।

दही

दही और हल्दी की मदद से भी गर्मियों में होने वाली गर्दन की टैनिंग को आसानी से दूर किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए 2 चम्मच दही में 1 चुटकी हल्दी मलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद गर्दन को धो लें। टैनिंग के साथ त्वचा सॉफ्ट भी बनेगी।

आलू का रस

आलू का रस शरीर की कई समस्याओं को आसानी से दूर करता हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए 3 चम्मच आलू के रस में 1 चम्मच नींबू के रस को मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को गर्दन पर 5 से 10 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद गर्दन को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ऐसा करने से गर्दन साफ होने के साथ त्वचा मुलायम भी बनेगी।

रोज सुबह खाली पेट खाएं ये चीजें, बढ़ेगी मेमोरी पावर

मस्तिष्क हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। इसलिए मस्तिष्क के स्वास्थ्य का सही होना बहुत जरूरी होता है। जिस तरह सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी चीजों का सेवन करना जरूरी होता है। उसी तरह, मस्तिष्क को मजबूत बनाने और दिमाग को तेज करने के लिए भी हेल्दी चीजों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। आपको बता दें कि एंटीऑक्सीडेंट, हेल्दी फैट, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर खाद्य पदार्थ मस्तिष्क के लिए जरूरी होते हैं। ये फूड्स मस्तिष्क को ऊर्जा प्रदान करते हैं और कोशिकाओं की रक्षा करने में मदद करते हैं। साथ ही, मस्तिष्क के रोगों के विकास को भी रोकने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं, अगर आप इन पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन रोजाना करेंगे, तो इससे दिमाग भी तेज हो सकता है यानी मेमोरी पावर बढ़ सकती है।

जामुन

जामुन में फ्लेवोनॉयड एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, मस्तिष्क पर कई सकारात्मक प्रभाव भी डालते हैं। जामुन खाने से मस्तिष्क की कोशिकाओं को नए कनेक्शन बनाने में मदद मिलती है। साथ ही जामुन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को भी बढ़ावा दे सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से जामुन का सेवन करेंगे, तो इससे मेमोरी पावर को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके लिए आप स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लू बैरीज और शहतूत का सेवन कर सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स और सीड्स

सूखे मेवे या ड्राई फ्रूट्स सेहत के साथ ही मस्तिष्क के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। ड्राई फ्रूट्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से बचाव करते हैं। रोज सुबह खाली पेट ड्राई फ्रूट्स का सेवन करने से दिमाग को तेज किया जा सकता है। इसके लिए आप अपनी डाइट में सरसों के बीज, बादाम और अखरोट को शामिल कर सकते हैं।

साबुत अनाज

साबुत अनाज खाने से आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। साबुत अनाज दिमाग की शक्ति को बढ़ाने में भी मदद कर सकते हैं। मेमोरी पावर बढ़ाने के लिए आप रोज सुबह खाली पेट साबुत अनाज जैसे कि ओट्स, दलिया, पास्ता और जौ को शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज खाने से आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ मिल सकता है।

एवोकाडो

एवोकाडो पोषक तत्वों से भरपूर होता है। एवोकाडो में मौजूद गुण मेमोरी पावर बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। आप रोज सुबह खाली पेट एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं। एवोकाडो ब्लड प्रेशर को कम करने में भी असरदार साबित हो सकता है।

अंडा

अंडा प्रोटीन का अच्छा सोर्स होता है। इसके अलावा, विटामिन बी6, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 भी पाए जाते हैं। ये विटामिन्स मस्तिष्क को सिकुड़ने से रोक सकते हैं। साथ ही, दिमाग को तेज करने में भी मदद कर सकते हैं। इसलिए मेमोरी पावर बढ़ाने के लिए आपको रोजाना अंडे का सेवन जरूर करना चाहिए।

क्या आपका बच्चा भी दूसरों से करता है गलत व्यवहार? ऐसे बच्चों को सुधारने के आसान तरीके

क्या आपका बच्चे अपने उम्र के बच्चों को पीटता है? क्या वह चोरी-छिपे दूसरों को नुकसाना पहुंचाता है? क्या वह दूसरों के खिलौने तोड़ता है? अगर आपका बच्चा दूसरों के साथ इसी तरह पेश आता है, तो समझ जाइए कि आपका बच्चे का व्यवहार दूसरों के साथ बहुत बुरा है। इस तरह व्यवहार करने की वजह से वह दूसरों का दोस्त नहीं बन सकता, किसी के साथ आसानी से घुलमिल नहीं सकता। ऐसे बच्चों का मानसिक विकास सही तरह से नहीं होता है। चूंकि इस तरह के बच्चे अक्सर अकेले और तन्हा रहते हैं, इसलिए इनके अंदर नकारात्मकता काफी ज्यादा भर जाती है। इनकी यह आदत अगर समय रहते न बदली जाए, तो बड़े होने के बावजूद इनकी आदतों में सुधार नहीं होता है, जो कि सही नहीं है। ऐसा आपके बच्चे के साथ न हो, इसलिए समय रहते उसकी आदतों जरूरी बदलाव करें।

संयमित व्यवहार करें : कई बार बच्चे इसलिए गुस्सैल हो जाते और दूसरों के साथ गलती व्यवहार करने लगते हैं, क्योंकि उनके पेरेंट्स उनके साथ अच्छी तरह पेश नहीं आते। छोटी-छोटी गलती पर बच्चे को बहुत ज्यादा डांट-फटकार लगाते हैं। इससे अलग, पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों के साथ अच्छी तरह और संयमित व्यवहार करें। अगर किसी वजह से बच्चे से गलती हो गई है, तो उसे समझाने की कोशिश करें। उसने क्या और क्यों गलत किया है, उसे बताएं। ऐसा करने से उसका गुस्सा कम होगा और दूसरों के साथ वह बदतमीजी भी नहीं करेगा।

सजा देने से बचें : बच्चों को सजा देना, कभी भी किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता है। सजा देने से बच्चा ढीट हो जाता है। यहां तक कि बारा-बार सजा मिलने की वजह से वह अपने पेरेंट्स से छिपकर गलतियां करता है। इस तरह उसकी आदत खराब होती चली जाती है। उसे समझ ही नहीं आता कि वह कब दूसरों के साथ गलत व्यवहार करने लगता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे में ऐसी आदत डेवेलप न हो, तो जरूरी है कि उसकी हर गलती पर उसे सजा न दें। इसके बजाय अनजाने में की गई गलतियों को सुधारने का मौका दें।

अपमान न करें : कई बार पेरेंट्स अपने बच्चों को सही सबक सिखाने के लिए दूसरों के सामने अपमान करते हैं। जरा आप सोचकर देखिए कि क्या ऐसा करना सही है? जी, नहीं। अपने बच्चों का अपमान कभी नहीं करना चाहिए, खासकर दूसरों के सामने ऐसा करना बच्चे के बालमन पर ठेस पहुंचाने जैसा है। बार-बार अपमानित होने की वजह से बच्चा गुस्सैल और आक्रामक हो जाता है। खुद पर संयम न रख पाने के कारण वह दूसरों के साथ गलत व्यवहार करने लगता है।

हतोत्साहित न करें : कहते हैं बच्चों के पहले चीयर लीडर उनके पेरेंट्स होते हैं। जी, बिल्कुल! अगर आप अपने बच्चे को मोटिवेट नहीं करेंगे, तो सोचिए कौन करेगा? आप अपने बच्चे को उसके हर काम के लिए प्रोत्साहित करें।उसे लग सकता है कि उसके पेरेंट्स उसके किसी काम से खुश नहीं होते या फिर वह खुद किसी काम में बेहतर नहीं है।

हिंदू नववर्ष और रामनवमी का उल्लास: भगवामय हुआ नगर, रैलियों में उमड़ा जनसैलाब

रामानुजगंज, प्रतिदिन राजधानी

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में हिंदू नववर्ष एवं श्री रामनवमी के उपलक्ष्य में रामानुजगंज नगर में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों को भगवा ध्वजों से पाट दिया गया, जिससे पूरा शहर भक्तिमय रंग में रंगा नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बाल साइकिल रैली के साथ हुआ। इसमें सैकड़ों की संख्या में बाल बजरंगी सम्मिलित हुए। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यह रैली भारत माता चौक पहुँची, जहाँ बच्चों ने पूरे जोश के साथ वंदे मातरम का पाठ किया। इसके पश्चात रैली श्री राम मंदिर पहुँची, जहाँ सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ के साथ इसका समापन हुआ।

सप्तमी तिथि के विशेष अवसर पर युवाओं द्वारा एक विशाल बाइक रैली निकाली गई। इस ऐतिहासिक रैली में नगर के सैकड़ों उत्साहित युवा शामिल हुए। पूरा नगर भ्रमण करते हुए जब यह रैली गांधी चौक पहुँची, तो वहाँ कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

आरती के साथ समापन- बाइक रैली का समापन श्री राम मंदिर में प्रभु श्री राम की भव्य आरती के साथ हुआ। आयोजन के दौरान जय श्री राम के जयघोष से पूरा रामानुजगंज गुंजायमान रहा। आज रामानुजगंज की सड़कों पर दिखा हिंदू नववर्ष और रामनवमी का अद्भुत उत्साह। विहिप-बजरंग दल द्वारा आयोजित बाल साइकिल रैली और भव्य बाइक रैली ने नगर को भगवामय कर दिया।

कुदरगढ़ महोत्सव का समापन, कुश्ती में श्रीराम और कलशपाल बने चैंपियन

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

26 मार्च। कुदरगढ़ महोत्सव 2026 के तहत आयोजित तीन दिवसीय खेल महाकुंभ का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं मां बागेश्वरी धाम ट्रस्ट कुदरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय कुश्ती, जिला स्तरीय वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हुईं।

पहली बार अखिल भारतीय कुश्ती, दर्शकों में उत्साह

खेलकूद प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी मोहम्मद गौस बेग ने बताया कि कुदरगढ़ में पहली बार आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता ने जिलेभर में खासा उत्साह पैदा किया। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली के पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया। पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश के श्रीराम पहलवान विजेता बने, जबकि महिला वर्ग में भी उत्तर प्रदेश की कलशपाल ने खिताब अपने नाम किया।

वॉलीबॉल स्पर्धा में गजाधरपुर ने 2-0 से जीता फाइनल

जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 22 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में गजाधरपुर ने गोंदा को 2-0 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। गोंदा उपविजेता और सूरजपुर तीसरे स्थान पर रहा। व्यक्तिगत पुरस्कारों में बेस्ट अटैकर नेगी (गजाधरपुर), बेस्ट ब्लॉकर चमन (सूरजपुर) और मैन ऑफ द टूर्नामेंट हिमांशु रजक (गोंदा) रहे।

कबड्डी में पचीरा ने बरकरार रखा दबदबा

19 टीमों के बीच खेले गए कबड्डी मुकाबलों में पचीरा टीम ने लगातार दूसरे वर्ष खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। फाइनल में पचीरा ने गंगोटी को 25-14 से हराया। नरेशपुर तीसरे स्थान पर रहा। बेस्ट डिफेंडर प्रदीप राजवाड़े (पचीरा), बेस्ट रेडर सत्या (गंगोटी) और मैन ऑफ द टूर्नामेंट अमन किंडो (पचीरा) चुने गए।

समापन समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, ट्रस्ट अध्यक्ष रामसेवक पैकरा और मेला अध्यक्ष भुवन प्रताप सिंह ने विजेताओं को ट्रॉफी व सम्मान खिलाड़ियों ने मल्लखंभ का रोमांचक लगा दिए, जिन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीमांचल त्रिपाठी और अतुल चौबे ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में संजय त्रिपाठी, रामजीत यादव, सहदेव राम रवि, राम सुभाष राजवाड़े, धर्मपाल रजक सहित कई अधिकारियों और स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नारी शक्ति का वंदन: 501 कन्याओं का ऐतिहासिक पूजन, समाज ने दिया सम्मान का संदेश

रामानुजगंज, प्रतिदिन राजधानी

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा रामानुजगंज में एक भव्य और ऐतिहासिक 'कन्या पूजन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय लरंगसाय कम्युनिटी टाउन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों की 501 कन्याओं का पूजन कर नारी शक्ति के सम्मान और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। समाज के विभिन्न वर्गों के वरिष्ठजनों ने स्वयं आगे बढ़कर कन्याओं के पैर पखारे और उन्हें माँ दुर्गा का स्वरूप मानते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भावनात्मक क्षण ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया।

पूजन के उपरांत सभी कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें ससम्मान भोजन कराया गया। आयोजन को और सार्थक बनाते हुए संस्था ने कन्याओं को शिक्षा सामग्री और श्रृंगार किट भी वितरित की, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य और आत्मसम्मान को बढ़ावा मिले।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि बेटियों को शिक्षा और सम्मान के माध्यम से सशक्त बनाना है।

निरंतर सेवा के कार्य

छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। अस्पतालों में दूर-दराज से आए मरीजों के परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन सेवा, बेसहारा पशुओं के लिए चारा और उपचार की व्यवस्था, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों के लिए विभिन्न सामाजिक सहायता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

संस्था के सदस्य आकाश तिवारी, दीपक गिरी और उमेश कुशवाहा ने इस आयोजन की सफलता का श्रेय सर्व समाज और दानदाताओं के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि रामानुजगंज की जनता के सहयोग से ही यह भव्य

बाइक को ठोकर मारते ट्रैक्टर 40 फीट खाई में

लखनपुर, प्रतिदिन राजधानी

थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित कुंवरपुर जलाशय मोड़ के पास बुधवार की रात बाइक सवारों को ठोकर मारते हुए ट्रैक्टर आनियंत्रित होकर 40 फीट खाई में गिर गई।

घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया, वहीं बाइक सवार दोनों युवक बाल-बाल बच गए जिन्हें मामूली चोटे आई थी।

सूचना मिलते ही घटनास्थल पर एसडीओपी तुल सिंह पट्टावी, तहसीलदार अंकिता पटेल, थाना प्रभारी संपत पोटाई जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

बाइक सवार युवकों को प्राथमिक उपचार के लिए लखनपुर अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के बाद दोनों युवक अपने घर लौटे। गनीमत रही कि एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल, लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटीहै।

मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, पहाड़ी मंदिर में 20 हजार से अधिक ने किया प्रसाद ग्रहण

रामानुजगंज, प्रतिदिन राजधानी

जिले के प्रमुख आस्था केंद्रों में शामिल पहाड़ी मंदिर एवं महामाया मंदिर में पट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। रामनवमी के अवसर पर सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

पहाड़ी मंदिर में मंदिर समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए महामाया मंदिर परिसर एवं पहाड़ी मंदिर क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया था, जिससे व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली। नगर पालिका अध्यक्ष एवं रामनवमी आयोजन समिति के प्रमुख रमन अग्रवाल के नेतृत्व में मंदिरों की साज-सज्जा, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से की गई थीं, जिसकी श्रद्धालुओं ने सराहना भी की।

चार पहिया वाहनों से बिगड़ी व्यवस्था

एक ओर जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही थी, वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग न करते हुए अपने चार पहिया वाहनों को सीधे पहाड़ी मंदिर तक ले जाया जा रहा था। इससे मार्ग में अव्यवस्था की स्थिति निर्मित हो गई और आवागमन प्रभावित हुआ।

प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों के बावजूद इस प्रकार की लापरवाही से व्यवस्था संभालने में कठिनाई हुई। ऐसे में भविष्य में बेहतर यातायात प्रबंधन की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत जिलेभर में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त सीएचसी एवं पीएचसी केन्द्रों में 24 मार्च को विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक जांच एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही उन्हें पौष्टिक स्वल्पाहार प्रदान कर उनकी स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में प्रत्येक माह के 9 एवं 24 तारीख को 卐स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार卐 अभियान के अंतर्गत जिलेभर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी रंजना पैंकरा के संचालन में आयोजित इन

शिविरों का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना रहा। शिविरों में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं पोषण संबंधी सेवाओं का लाभ उठाया। अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर, सिकलिन, मलेरिया, एचआईवी, वजन एवं ऊंचाई सहित सभी आवश्यक जांच की गई। साथ ही आयरन एवं कैल्शियम की गोलियों का वितरण कर एनीमिया की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया गया। महिला चिकित्सकों द्वारा व्यक्तिगत काउंसलिंग कर स्वच्छता एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई।

उच्च जोखिम (हाई रिस्क) गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें निजी एवं शासकीय सोनोग्राफी केंद्रों में नि:शुल्क जांच की सुविधा प्रदान की गई। इसके अलावा महिलाओं को लेबर रूम एवं ऑपरेशन थियेटर का भ्रमण भी कराया गया, जिससे उनके मन में प्रसव को लेकर किसी प्रकार का भय न रहे और वे मानसिक रूप से सुरक्षित प्रसव के लिए तैयार हो सकें। जिले के विभिन्न विकासखंड पुसौर में 88, लोइंग में 38, तमनार में 21, घरघोड़ा में 85, लैलूंगा में 93, धरमजयगढ़ में 109 एवं खरसिया में 59 कुल 258 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर उनकी जांच एवं उपचार सुनिश्चित किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने सभी गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं से अपील की है कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच कराते रहें, अपने एवं शिशु के पोषण पर विशेष ध्यान दें तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य कर्मियों से संपर्क करें। यह अभियान न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बना रहा है, बल्कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार के संकल्प को भी मजबूत कर रहा है।

डबरी निर्माण से करुणानिधि बना आत्मनिर्भर मनरेगा से किसान को मिला स्थायी जल स्रोत, बढ़ेगी सिंचाई सुविधा, आय में होगा सुधार

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिले के जनपद पंचायत रायगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत तरेकेला में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत किए गए डबरी निर्माण ने एक किसान की जिंदगी बदल दी है। हितग्राही करुणानिधि किसान के लिए लगभग 1.96 लाख रुपये की लागत से बनाई गई डबरी आज आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन चुकी है।

पहले किसान पूरी तरह वर्षा आधारित खेती पर निर्भर था, जिससे उत्पादन सीमित और आय कम रहती थी। लेकिन डबरी निर्माण के बाद अब खेत में वर्षा जल का संचयन संभव हो गया है, जिससे समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है और फसल उत्पादन में वृद्धि के साथ आय बढ़ने की उम्मीद भी मजबूत हुई है। डबरी निर्माण कार्य से न केवल किसान को स्थायी जल स्रोत मिला, बल्कि लगभग 650 मानव दिवस का रोजगार भी सृजित हुआ। इससे स्थानीय ग्रामीण श्रमिकों को अपने ही गांव में काम मिला और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला। ग्राम पंचायत, तकनीकी अमले और हितग्राही के समन्वय से यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। निर्माण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निरंतर निगरानी और तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। आज यह डबरी न केवल करुणानिधि किसान के लिए लाभकारी साबित हो रही है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गई है। मनरेगा के तहत हितग्राही मूलक कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

लो-वोल्टेज, जनरेटर से चल रहा था रोपवे...

कांग्रेस जांच दल ने दुर्घटना स्थल का लिया जायजा

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

खल्लारी में रोपवे हादसे की जांच करने पहुंची कांग्रेस की टीम ने दुर्घटना स्थल का अवलोकन व विभिन्न पहलुओं पर लोगों से चर्चा के बाद हैरान करने वाले कारणों को सामने लाया है। टीम ने कहा कि टूटे हुए केबल के भीतर उन्हें जूट की रस्सी मिली है। यह भी बताया कि लो वोल्टेज के कारण रोपवे को जनरेटर से चलाया जा रहा था। इसी वजह से ट्रॉली को उपर पहुंचने में साढ़े 5 मिनट लग रहा था। जबकि अच्छा वोल्टेज मिल रहा था तब ट्रॉली यह सफर ढाई मिनट में ही पूरा कर लेती थी। साथ में उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह सब तकनीकी मामला है। इन बिन्दुओं पर भी जांच बारीकी से होना चाहिए। यह सब रखरखाव में कमी और लापरवाही का मामला है।

जिला कांग्रेसाध्यक्ष व विधायक द्वारिकाधीश यादव के नेतृत्व में टीम में शामिल सरायपाली विधायक चातुरी नंद, पूर्व प्रभारी महामंत्री अमरजीत चावला, जनपद अध्यक्ष केशव नायक राम चंद्राकर ने कल दुर्घटना स्थल का मुआयना किया साथ संबंधित पक्षों तथा नागरिकों विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष श्री यादव ने पत्रकारों को बताया कि इस दुखद हादसे में 2 श्रद्धालुओं मृत्यु हो गई है। अनेक घायल हैं। उन ईश्वर से इनके स्वस्थ होने की काम करते हुए कहा कि किसी तकनीकी विशेषज्ञ ने नवरात्र के पहले मेन्टेनेंस किया था। कहा कि उक्त मेन्टेनेंस के तहत 15 दिन तक ट्रायल भी करना था लेकिन नहीं किया गया। पहाड़ी पर स्थित स्टेशन पर रोपवे के बड़े व्हील के स्थान पर छोटा व्हील लगाया गया था। इसी तरह 2-3 माह से यहां लो वोल्टेज की समस्या रही। फ्लस्वरूप रोपवे का संचालन जनरेटर से किया जा रहा था। घटना के एक दिन पूर्व लो वोल्टेज की बात संज्ञान में आने पर मैंने स्वयं विद्युत विभाग के अधिकारी से बात कर व्यवस्था सुदृढ़ करने कहा था।

उन्होंने कहा कि रोपवे संचालन में मेन्टेनेंस एवं चेक लिस्ट अत्यंत महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य प्रक्रिया है। किंतु अनुभवहीन टीम के कारण नियमित मेन्टेनेंस एवं आवश्यक चेक लिस्ट का संधारण नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पहले ढाई मिनट में ट्रॉली उपर पहुंच जाती थी। अब 5 मिनट का समय लग रहा था। ऐसा क्यों, इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रोपवे जैसे यूनिट पर नजर रखने की व्यवस्था कम्पनी की होनी चाहिए थी। प्रोजेक्ट प्रारंभ करने के पूर्व पीडब्ल्यूडी के ई एंड एम शाखा से विधिवत फिटनेस सर्टिफिकेट लिया गया था। बाद में यह प्रक्रिया अपनाई जानी थी। उसे नियमित रूप से कम्पनी को मेन्टेनेंस की रिपोर्ट कम्पनी के अलावा संबंधित विभाग को देने की व्यवस्था होनी चाहिए थी। उन्होंने बताया-हमने देखा कि टूटी हुई केबल के भीतर जूट की रस्सी दिख रही थी। इसकी भी जांच होनी चाहिए।

कार की ठोकर, बाइक सवार मां-बेटे की मौत

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

बाइक को कार ने ठोकर मार दी। जिससे बाइक में सवार माँ-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। वहीं तेज रफ्तार कार उक्त बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित हो गई तथा पेड़ से टकरा गई। इस घटना से पेड़ के भी उखड़ने की जानकारी मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की दोपहर कमलेश कलेत पिता स्व. हेमलाल कलेत ग्राम बानीपाली भूकेल निवासी मोटरसाइकिल की किस्त पटाने हीरो मोटरसाइकिल शोरूम छुईपाली सिंघनपुर ओडिशा जा रहे थे। शोरूम घटना स्थल से महज डेढ़ सौ मीटर आगे था। इसी बीच रायपुर से सरायपाली की ओर तेज रफ्तार जा रही कार ने आगे जा रही मोटरसाइकिल को पीछे से ठोकर मारी। जानकारी मिली है कि मोटरसाइकिल चालक कमलेश कलेत के पिता की मौत के बाद माँ राधिका कलेत ने झाड़ू पोछा व मेहनत मजूदरी कर किसी तरह बेटे का पाल पोस कर बड़ा किया था। दोनों एक दूसरे का सहारा बने हुए थे। मां को बेटे के विवाह के लिए लड़की की तलाश भी थी। बेटे की इच्छा पूरी करने माँ ने कर्ज लेकर बाइक खरीदी थी। बुधवार को इस बाइक में सवार होकर माँ बेटे किस्त पटाने निकले थे। कहा जा रहा है कि दोनों की मौत के बाद अब उनके परिवार में कोई नहीं बचा।

घटनास्थल पर बेटे को गंभीर चोटें आने, पैर टूटने और सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। वहीं उसकी मां जो पीछे बैठी थी, का भी पैर टूट गया और सिर में गंभीर चोट से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसने भी अस्पताल ले जाने से पहले दम तोड़ दिया। बताया गया है कि तेज रफ्तार कार की गति काफी अधिक थी और बाइक को टक्कर मारने के बाद पेड़ से जा टकराई।

पेंशनरों का धरना-प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सारंगढ़, प्रतिदिन राजधानी

सारंगढ़ में पेंशनरों के विभिन्न संगठनों द्वारा 25 मार्च को धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान पेंशनरों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

जानकारी के अनुसार, यह प्रदर्शन अखिल भारतीय पेंशनर संघ के आह्वान पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया। धरना स्थल सतनाम भवन में रखा गया, जिसके बाद रैली निकालकर कलेक्टर के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों का कहना है कि उन्हें लंबे समय से आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

महिला उद्यमियों को बाजार से जोड़ने की पहल

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

जिले के महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण एवं उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पथरिया जनपद पंचायत सभाकक्ष में आज मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह सदस्यों एवं महिला संचालित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बाजार विकास से जोड़ना और उनके व्यवसाय को नई दिशा देना रहा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पथरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनिल कुमार ने कहा कि महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस जैसी योजनाएं महिला उद्यमियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में प्रभावी सहयोग प्रदान करती हैं।

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी की प्रक्रिया, उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग में सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन का महत्व, मार्केट लिंकज के अवसर, के माध्यम से बिक्री विस्तार तथा शासकीय अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया शामिल रही। विशेषज्ञों ने सफल महिला उद्यमियों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को व्यवहारिक सुझाव दिए।

‘उड़ने की आशा’ वाली नेहा हरसोरा बोलीं- हर एक्टर के पास वैकल्पिक इनकम सोर्स होना जरूरी

कभी इंवेस्टमेंट बैंकर बनने का लक्ष्य रखने वाली एक्ट्रेस नेहा हरसोरा अब टेलीविजन जगत का जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं। ‘अग्नि वायु’, ‘थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी’, ‘राज महल’ और ‘ध्रुव तारा’ जैसे टीवी शोज ने नेहा को पॉपुलैरिटी दी। मुंबई में पैदा हुईं नेहा के माता-पिता गुजरात से हैं। वह टीवी के अलावा ओटीटी पर भी वेब सीरीज ‘स्टेट ऑफ सीज: टेम्पल अटैक’ में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों वह अपने शो ‘उड़ने की आशा’ में सैली के किरदार निभा रही हैं। इस बार भी नेहा को भरपूर प्यार मिल रहा है।

आपने एक्टिंग के साथ-साथ अपना ग्रेजुएशन और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कोर्स पूरा भी किया। टीवी के डिमांडिंग करियर के साथ पढ़ाई को कैसे बैलेंस किया? एजुकेशन को आप कितना जरूरी मानती हैं?

मेरे परिवार के लिए पढ़ाई सबसे ज्यादा जरूरी थी। मेरे लिए भी एजुकेशन हमेशा पहली प्राथमिकता रही, क्योंकि बचपन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक्टर बनूंगी। मेरे घरवालों ने साफ कहा था कि पहले ग्रेजुएशन पूरा करो, पढ़ाई खत्म करो, उसके बाद जो करना है वो करना। मैंने बी.कॉम किया और उसके बाद इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में सर्टिफिकेशन भी पूरा किया। मैं उसी फील्ड में आगे बढ़ने वाली थी पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। साल 2021 में मुझे ‘अग्नि वायु’ से एक्टिंग में पहला बड़ा मौका मिला और यह ऐसा पेशा है, जिससे प्यार हो जाता है। फिर भी मुझे लगता है पढ़ाई बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा फील्ड बहुत अनिश्चित है। ऐसे में, एक मजबूत बैकअप होना बहुत जरूरी है। पढ़ाई आपको मुश्किल वक्त से लड़ना सिखाती है और एक विकल्प भी देती है। मैं सच में मानती हूं कि हर कलाकार के पास कोई न कोई वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपकी छोटी बहन येशा भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। एक ही इंडस्ट्री में बहन का होना आपके लिए मददगार है या चुनौती?

मेरे लिए यह बिल्कुल भी चुनौती नहीं है, बल्कि मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे उस पर गर्व है। चूंकि, वह भी इसी फील्ड में है तो मैं उसे अपनी गलतियों से सीखने में मदद कर सकती हूं और उसे वो गलतियां दोहराने से रोक सकती हूं। वहीं, मुझे भी उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वह मेरी बहुत बड़ी ताकत रही है। अगर बहन येशा हरसोरा मेरे साथ न होती, तो शायद मैं इतनी कॉन्फिडेंट नहीं होती। जब परिवार साथ देता है तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। वह भी बहुत अच्छा काम कर रही है। लोग जब मुझसे कहते हैं कि येशा बहुत बढ़िया कर रही है तो मुझे बेहद गर्व महसूस होता है। वह इतनी कम उम्र में अपने हमउम्र लोगों से कहीं आगे है।

अभी आपकी छवि एक प्यारी ‘गर्ल नेक्स्ट डोर’ लड़की की है, लेकिन एक एक्टर को हर तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। बोल्ड रोल या इंटीमेट सीन को लेकर आप कितनी सहज हैं?

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है। किसी के लिए एक्टर बनना ही चुनौती होती है और किसी के लिए हर तरह के रोल के ओपन होना चुनौती बन जाता है। मेरे लिए भी यह एक सीखने की प्रक्रिया है। वैसे, यह जरूरी नहीं है कि अगर मैं बोल्ड रोल करूं या हॉट इमेज बनाऊं तभी मुझे काम मिलेगा या मुझे एक्टर माना जाएगा। इसे लेकर हर किसी का नजरिया अलग होता है। मैंने एक्टिंग इसलिए चुनी क्योंकि मैं इसमें सहज महसूस करती हूं। अगर मुझे लगता है कि मैं कोई चीज अच्छे से कर सकती हूं तो मैं उसमें 150 प्रतिशत देती हूं, लेकिन जो चीज मेरे कंफर्ट जोन से बाहर होती है, उसमें मैं कोशिश जरूर करूंगी पर शायद उतना परफेक्ट न कर पाऊं और मैं किसी भी प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को निराश नहीं करना चाहती। हालांकि, मैं नए तरह के आउटफिट्स ट्राई करने से नहीं डरती। नई चीजें आजमाने के लिए भी तैयार हूं, क्योंकि आपका कम्फर्ट जोन धीरे-धीरे बढ़ता है। अगर किसी कहानी में कोई बोल्ड सीन या लुक जरूरी हो और वह कहानी के हिसाब से सही लगे तो उस पर बातचीत कर सकती हूं।

खुद गुजराती होने के नाते अपने शो ‘उड़ने की आशा’ में मराठी किरदार निभाने के लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह थोड़ा मुश्किल जरूर था, क्योंकि मेरी मातृभाषा गुजराती है। हालांकि, मैं महाराष्ट्र में ही पैदा हुई, यहीं पली-बढ़ी हूं, लेकिन मेरे ज्यादा दोस्त मराठी बैकग्राउंड से नहीं थे। ऐसे में, जब मैं इस शो का हिस्सा बनी तो मैंने अपने मुंहबोले भाई से मराठी संस्कृति, रीति-रिवाज और त्योहारों के बारे में काफी बातें कीं। वैसे, हमने स्कूल में मराठी पढ़ी है। मराठी संस्कृति की बहुत-सी बातें बिना जाने रोजमर्रा में फॉलो भी करते हैं। जैसे, मुझे मिसल पाव बहुत पसंद है। फिर भी, मुंबई में इतनी विविधता है कि बहुत कुछ जानने को रह जाता है। इस किरदार ने मुझे वो सब करीब से समझने का मौका दिया।

धुरंधर 2 बनी 8वीं सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म, मूवी का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1067 करोड़ हुआ

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधर: द रिवेंज) 1,067 करोड़ रुपए के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। इसने पठान (1,055 करोड़ रुपए) और कल्कि 2898 एडी (1,042 करोड़ रुपए) को पीछे छोड़ दिया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के आठवें दिन (गुरुवार) फिल्म ने भारत में 49.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। धुरंधर 2 का भारत में कुल नेट कलेक्शन 674.17 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 805.32 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होता है। ओवरसीज में फिल्म ने 261.92 करोड़ रुपए कमाए, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1,067.24 करोड़ रुपए पहुंच गया। आठवें दिन हिंदी वर्जन ने सबसे ज्यादा 46 करोड़ रुपए कमाए।

तेलुगु में 2.50 करोड़, तमिल में 90 लाख, कन्नड़ में 20 लाख और मलयालम में 10 लाख रुपए का कलेक्शन हुआ। धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी।

‘सितारे जमीन पर’ ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होगी उपलब्ध

बॉलीवुड फिल्म ‘सितारे जमीन पर’ ने रिलीज होने के बाद दर्शकों का दिल जीत लिया। सुपरस्टार आमिर खान की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई की। फिल्म अब ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। मेकर्स ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और 3 अप्रैल को फिल्म को डिजिटल रिलीज के लिए तय कर लिया गया है। सोनी लिव ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए लिखा, ‘किसी के लिए अलग, किसी के लिए नॉर्मल, सबका अपना नॉर्मल होता है। उम्मीद और सुकून की एक दिल छू लेने वाली कहानी। देखिए सितारे जमीन पर 3 अप्रैल से सिर्फ सोनी लिव पर।’ यह घोषणा फैंस के लिए रोमांचक है क्योंकि अब वे घर बैठे ही आमिर खान की इस शानदार फिल्म का अनुभव ले सकेंगे। यह फैसला आमिर खान के पिछले साल के बयान से अलग है, जब उन्होंने कहा था कि फिल्म ओटीटी पर उपलब्ध नहीं होगी। उस समय फिल्म को थिएटर के बाद सीधे यूट्यूब रेंटल पर स्ट्रीम करने की योजना बनाई गई थी। 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, 1 अगस्त से फिल्म यूट्यूब पर रेंट के जरिए देखी जा सकती थी, जहां दर्शक इसे 100 रुपये देकर स्ट्रीम कर सकते थे। फिल्म के निर्देशक आरएस प्रसन्ना ने कहानी को जीवंत बनाया है। फिल्म में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं, जबकि आशीष पेंडसे, आरुष दत्ता, आयुष भंसाली, ऋषि शहानी, गोपीकृष्णन के. वर्मा, ऋषभ जैन, वेदांत शर्मा, सिमरन मंगेशकर, संवित देसाई और नमन मिश्रा जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है।

कम उम्र में गंजेपन का सामना....सुपरस्टार बनने का अधूरा सपना, धुरंधर से अक्षय खन्ना ने खुद को साबित किया

कम उम्र में गंजेपन जैसी पर्सनल चुनौतियों और करियर के कई उतार-चढ़ाव झेलने के बावजूद अक्षय खन्ना ने कभी खुद पर भरोसा नहीं खोया। सुपरस्टार बनने का उनका सपना भले पूरी तरह साकार न हो पाया हो, लेकिन उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में एक अलग और मजबूत पहचान जरूर बनाई। 90 के दशक में ‘बॉर्डर’ और ‘ताल’ जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। अक्षय खन्ना ने हमेशा ग्लैमर से ज्यादा अपने किरदारों और कंटेंट को महत्व दिया, यही वजह है कि उनका करियर भले ही पारंपरिक सुपरस्टार जैसा न रहा हो, लेकिन उनकी एक्टिंग को हमेशा सराहा गया। उन्होंने अलग-अलग तरह के रोल्स चुनकर यह साबित किया कि वे हर किरदार में खुद को ढाल सकते हैं। हाल ही में फिल्म ‘धुरंधर’ में उनके शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि वे आज भी अभिनय के मामले में किसी से कम नहीं हैं। उनकी गहराई, स्क्रीन प्रेजेंस और किरदार में पूरी तरह डूब जाने की कला उन्हें खास बनाती है। अक्षय खन्ना उन चुनिंदा कलाकारों में शामिल हैं, जो कम दिखाई देते हैं, लेकिन जब भी पर्दे पर आते हैं, अपनी छाप छोड़ जाते हैं और साबित करते हैं कि असली खिलाड़ी वही होते हैं, जो वक्त के साथ खुद को साबित करते रहें।

‘हिमालय पुत्र’ से ‘ताल’ तक अक्षय का सफर : अक्षय खन्ना ने 1997 में फिल्म ‘हिमालय पुत्र’ से अपने करियर की आधिकारिक शुरुआत की, जिसे उनके पिता विनोद खन्ना ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास खड़खड़ाहट नहीं पैदा कर पाई, लेकिन इस दौर में उनका नाम जुड़ा रहा उन उभरते युवा अभिनेताओं की लिस्ट में, जिन्हें पिछली पीढ़ी के स्टार्स ने अपने बच्चों के तौर पर नहीं, बल्कि अभिनय की क्षमता के आधार पर देखा। उसी साल रिलीज हुई ‘बॉर्डर’ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अक्षय खन्ना सिर्फ स्टार किड नहीं, बल्कि एक अलग स्टाइल और इंटेंसिटी लेकर आए अभिनेता हैं। जे.पी. दत्ता की इस मल्टीस्टारर फिल्म में उनकी डिलीवरी ने न केवल क्रिटिक्स का ध्यान खींचा, बल्कि यह फिल्म उनके करियर की एक ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर बन गई। 1999 में सुभाष घई की फिल्म ‘ताल’ ने उनके लुक, स्टाइल और भावनात्मक गहराई को नई ऊंचाई दी। फिल्म में उनका रोमांटिक किरदार दर्शकों को खासा पसंद आया। यह आज भी उनकी यादगार रोमांटिक फिल्मों में शुमार है।

फ्लॉप फिल्मों से जूझता करियर : सफल शुरुआत के बावजूद 2000 के दशक की शुरुआत अक्षय खन्ना के लिए चुनौतीपूर्ण रही। ‘आ अब लौट चलें’ जैसी फिल्मों में काम करने के बावजूद वे लगातार हिट फिल्में नहीं दे पाए। उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं, जिससे उनका करियर अस्थिर हो गया। इस दौर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की कोशिश की, लेकिन लगातार सफल फिल्मों की कमी के कारण वे टॉप स्टार्स की रेस में पीछे रह गए।

गंजेपन और असफलता ने तोड़ा आत्मविश्वास

अक्षय खन्ना के करियर का सबसे कठिन दौर वह भी था जब उन्हें कम उम्र में ही गंजेपन का सामना करना पड़ा। मिड-डे को दिए इंटरव्यू में अक्षय खन्ना ने कहा था। मेरे साथ ये बहुत कम उम्र में होने लगा था। उस समय मुझे ऐसा लगता था जैसे किसी पियानो बजाने वाले का हाथ कट गया हो। एक एक्टर के लिए ये वैसा ही है, क्योंकि आपकी शक्ल-सूरत बहुत मायने रखती है। जब आप इस सच्चाई को स्वीकार कर लेते हैं, तब ये आपको कम परेशान करता है। लेकिन उससे पहले जो अनुभव होता है, वो बहुत मुश्किल होता है। जैसे आप सुबह उठें, अखबार देखें और महसूस करें कि मुझे कुछ भी साफ नहीं दिख रहा, मैं इसे पढ़ नहीं पा रहा हूं। मुझे चश्मे की जरूरत है। आप सोचते हैं कि अचानक क्या हो गया, मेरी आंखें काम क्यों नहीं कर रहीं? मान लीजिए आप एक खिलाड़ी हैं, क्रिकेटर या फुटबॉलर और आपको पता चले कि आपके घुटने की सर्जरी होगी। ये दिल तोड़ने वाला होता है, क्योंकि इससे आपके करियर के एक-दो साल चले जाते हैं। मेरे लिए प्रीमैच्योर बाल्डिंग कुछ वैसा ही था।

‘दिल चाहता है’ बनीं करियर की टर्निंग पॉइंट

अक्षय खन्ना की सबसे बड़ी ताकत हमेशा उनकी अभिनय क्षमता रही है। 2001 में आई फिल्म ‘दिल चाहता है’ उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। फिल्म में ‘सिड’ के किरदार में उनके संयमित और गहराई भरे अभिनय ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीत लिया। इसके अलावा अक्षय ने ‘हमराज’, ‘हंगामा’ और ‘दीवानगी’ जैसी फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन फिल्मों ने उन्हें एक वर्सेटाइल अभिनेता के रूप में स्थापित किया, हालांकि व्यावसायिक रूप से वे लगातार सुपरहिट फिल्मों की कतार नहीं लगा सके, और उन्हें बॉलीवुड में सुपरस्टार का दर्जा नहीं मिल पाया। इस पर खुद अक्षय खन्ना का नजरिया काफी साफ और व्यावहारिक रहा है।

सुपरस्टार बनने के लिए बड़ी और कल्ट फिल्मों की जरूरत

अक्षय कहते हैं- किसी कलाकार का सुपरस्टार बनना सिर्फ उसकी एक्टिंग या मेहनत पर निर्भर नहीं करता, बल्कि सही समय पर सही फिल्म मिलना बेहद जरूरी होता है। उनके मुताबिक- आपको सुपरस्टार बनाने का काम फिल्में करती हैं। जब तक आपके पास ‘गदर: एक प्रेम कथा’, ‘दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे’ और ‘हम आपके हैं कौन’ जैसी बड़ी और कल्ट फिल्में नहीं होतीं, तब तक उस स्तर तक पहुंचना मुश्किल है।

मैंने किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की : रवीना टंडन

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने एक आर्टिकल साझा करते हुए उन दावों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें फिल्म अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान उनके और करिश्मा कपूर के बीच कथित तनाव का जिक्र किया गया था। इस आलेख में फैशन डिजाइनर एशले रेबेलो का हवाला देते हुए दावा किया गया था कि शूटिंग के दौरान करिश्मा यह जानना चाहती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं। इन दावों के बारे में रवीना टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की और न ही वह किसी तरह की ‘क्लासरूम पॉलिटिक्स’ का हिस्सा रही हैं। रवीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश और संतुष्ट रही हैं। उनके मुताबिक, भगवान ने उन्हें जीवन में बहुत कुछ दिया है और वह हर मौके के लिए आभारी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। उनका मानना है कि जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं, वे उनके व्यक्तित्व और सच्चाई को भली-भांति समझते हैं। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे असुरक्षा या आपसी राजनीति में बदलना सही नहीं है। उन्होंने ‘क्लासरूम पॉलिटिक्स’ जैसे व्यवहार से दूरी बनाए रखने की बात कही और संकेत दिया कि वह हमेशा अपने काम और व्यक्तिगत संतुलन पर ध्यान देती रही हैं। पोस्ट के अंत में रवीना ने डिजाइनर एशले रेबेलो के प्रति स्नेह जताते हुए ‘हमेशा प्यार’ लिखा, जिससे यह जाहिर होता है कि उनके बीच किसी प्रकार की व्यक्तिगत कड़वाहट नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया और किसी भी तरह की नकारात्मकता को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। गौरतलब है कि अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के बीच अनबन की खबरें वर्षों से चर्चा में रही हैं। फिल्म से जुड़े कई लोगों ने समय-समय पर इन घटनाओं का जिक्र किया है, जिससे यह मुद्दा अक्सर सुर्खियों में आता रहा है।

‘द ट्रेटर्स 2’ में दर्शकों को देखने को मिलेंगे कई बडे नाम

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो ‘द ट्रेटर्स’ के दूसरे सीजन में भी दर्शकों को कई बड़े नाम देखने को मिलने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, इस साल शो का हिस्सा बनने के लिए मल्लिका शेरावत का नाम चर्चा में है। इसके अलावा कई अन्य सितारों के नाम भी सामने आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस बार शो में रिया चक्रवर्ती, शालिनी पासी, फुकरा इंसान यानी अभिषेक मल्हान, मुनव्वर फारूकी, दिलीप ताहिल और कॉमेडियन आदित्य कुलश्रेष्ठ (कुल्लू) नजर आ सकते हैं। इन कंटेस्टेंट्स की मौजूदगी से शो में अलग-अलग पर्सनैलिटी और गेमप्ले का रोचक मिश्रण देखने को मिलेगा। ‘द ट्रेटर्स 2’ की शूटिंग इस बार और भी भव्य होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजस्थान के जैसलमेर स्थित भव्य सूर्यगढ़ पैलेस को शूटिंग लोकेशन के तौर पर चुना गया है। करण जौहर खुद वहां पहुंच चुके हैं और सोशल मीडिया पर लोकेशन की झलकियां साझा कर चुके हैं, जिससे शो की भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है। करण जौहर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए हिंट दिया कि वे एक ऐसी जगह पर शूट कर रहे हैं जहां दूर-दूर तक सिनेमा का नामो-निशान नहीं है। इस बीच उन्हें एफओएमओ हो रहा है क्योंकि वे अपनी दूसरी पसंदीदा रियलिटी शो धुरंधर 2 नहीं देख पा रहे हैं। हालांकि, अभी तक शो के कंटेस्टेंट्स के नाम को लेकर कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है। करण जौहर का इंस्टाग्राम पोस्ट दर्शकों के लिए उत्साह बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह शो टास्क-बेस्ड रियलिटी शो है जिसमें कंटेस्टेंट्स को मिलकर टास्क पूरा करना होता है, लेकिन असली खेल तब शुरू होता है जब उन्हें अपने बीच छुपे गद्दार को चुनना होता है। यह कॉन्सेप्ट अमेरिकी शो ‘द ट्रेटर्स’ की तरह है और दर्शकों को रोमांचक और रणनीतिक गेमप्ले का अनुभव देता है। फैंस अब बेसब्री से इस दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि करण जौहर का यह शो पहले सीजन से भी ज्यादा रोमांचक और भव्य साबित होगा।

अभिनेत्री मानसी पारेख की मेहनत को मिला सम्मान

बॉलीवुड अभिनेत्री मानसी पारेख को हाल ही में एंटरटेनमेंट कैटेगरी में फेमिना गेम चेंजर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मानसी ने अवॉर्ड प्राप्ति की खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अवॉर्ड हाथ में लिए दिखाई दीं। मानसी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ‘हम अपनी नई राह खुद बनाते हैं। यही हमेशा मेरा मंत्र रहा है, चाहे जिंदगी हो या करियर। मैंने कभी भी लोगों की उम्मीद के मुताबिक रास्ता नहीं चुना। अपना खुद का रास्ता बनाया, भले ही वह कभी-कभी अनिश्चित लगे, हमेशा फायदेमंद साबित हुआ है।‘

उन्होंने बताया कि वे एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार से आती हैं और इंडस्ट्री में बिना किसी कनेक्शन के शुरुआत करना आसान नहीं था। मानसी ने कहा, ‘बिना किसी मदद के शुरुआत करके आज अपने सपनों को जीना और दूसरों के लिए भी नए मौके बनाना बहुत संतोषजनक है।’ अभिनेत्री ने फेमिना इंडिया को विशेष धन्यवाद भी दिया, लिखा, ‘धन्यवाद फेमिना इंडिया मुझे एंटरटेनमेंट में गेम चेंजर अवॉर्ड देने के लिए। आशा है कि और भी महिलाएं खुद पर भरोसा करें और अपने तरीके से खेल बदलें।’ मानसी पारेख टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एमटीवी के सीरियल ‘कितनी मस्त है जिंदगी’ से की थी। इसके बाद उन्होंने कई टीवी सीरियलों में काम किया, जिनमें ‘जिंदगी का हर रंग गुलाल’, ‘सुमित संभाल लेगा’, ‘कसौटी जिंदगी की’ और ‘सरस्वतीचंद्र’ शामिल हैं। टीवी करियर के बाद मानसी ने फिल्मों की ओर रुख किया और तमिल, गुजराती और हिंदी फिल्मों में काम किया। उन्होंने कई गुजराती फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ कुछ फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया। साल 2024 में उन्हें नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म ‘कच्छ एक्सप्रेस’ में अभिनय करने के साथ-साथ प्रोडक्शन का जिम्मा भी संभालना पड़ा, जो उनके करियर का महत्वपूर्ण मुकाम साबित हुआ।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया 4.08 करोड़ की लागत के सकरी नदी तटबंध निर्माण का भूमिपूजन

नदी में तटबंध निर्माण से सुरक्षित होंगे घर : उप मुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर,

सकरी नदी में कटाव को रोकने और ग्रामीणों को बाढ़ से सुरक्षा देने के उद्देश्य से आज ग्राम कोडार में 4.08 करोड़ रुपए की लागत से 250 मीटर लंबे तटबंध निर्माण कार्य का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना से ग्राम कोडार के नदी किनारे बसे मकान सुरक्षित होंगे, कटाव की समस्या पर नियंत्रण मिलेगा और ग्रामीणों को निस्तारी की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

उपमुख्यमंत्री ने 4.08 करोड़ रूपए की लागत के सकरी नदी तटबंध निर्माण का किया भूमिपूजन

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम रेगाखार पंचायत के आश्रित ग्राम कोडार में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा–अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सकरी नदी के किनारे लगातार हो रहे कटाव से ग्रामीणों को लंबे समय से परेशानी हो रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस तटबंध निर्माण की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि 250 मीटर लंबा यह तटबंध न केवल नदी के कटाव को रोकेगा, बल्कि बाढ़ के दौरान पानी के दबाव से

होने वाले नुकसान को भी कम करेगा। इससे नदी किनारे बसे घर सुरक्षित रहेंगे और लोगों को बार–बार होने वाले नुकसान से राहत मिलेगी। साथ ही, नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों के लिए निस्तारी की सुविधाएं भी बेहतर होंगी।

उपमुख्यमंत्री ने 4.08 करोड़ रूपए की लागत के सकरी नदी तटबंध निर्माण का किया भूमिपूजन

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम में 142 आवास स्वीकृत किए गए हैं और सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराया जा चुका है। सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके और गांवों का समग्र विकास हो सके।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी इस योजना को क्षेत्र के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे किसानों और आम ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने भी इस पहल पर खुशी जताते हुए शासन और उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। तटबंध निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद सकरी नदी के किनारे बसे ग्राम कोडार के लोगों को कटाव और बाढ़ की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी, जिससे उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, श्री नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, श्री संतोष पटेल, श्री विजय पटेल, श्री वीरसिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री देवांगन ने किया कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रैन बसेरा का लोकार्पण

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन द्वारा आज कोरबा स्थित स्व. श्री बिसाहू दास महंत स्मृति मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एसईसीएल के सीएसआर मद से 61.82 लाख रुपये की लागत से निर्मित सर्वसुविधायुक्त आश्रयालय का लोकार्पण किया। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 61.82 लाख की लागत से निर्मित रैन बसेरा का किया लोकार्पण

कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल को 4.50 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक जांच मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि 50 बिस्तर क्षमता वाला क्रिटिकल केयर यूनिट 16.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन है, जो शीघ्र ही पूर्ण होगा। इसी प्रकार कैजुअल्टी भवन के ऊपरी तल पर 100 बिस्तरों वाले नए वार्ड का निर्माण लगभग 3 करोड़ रुपये में जारी है। गर्मी से मरीजों व परिजनों को राहत दिलाने के उद्देश्य से अस्पताल में 83 एयर कंडीशनर लगाए जा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि 40 बिस्तरों की क्षमता वाला आई वार्ड लगभग 1 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से जल्द प्रारंभ किया जाएगा। नवजात शिशुओं हेतु 6 बिस्तरों का विशेष वार्ड तैयार किया गया है। साथ ही सीएसआर एवं डीएमएफ फंड से सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन की खरीद की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके बाद जिलेवासियों को अत्याधुनिक उपचार सुविधाएँ मिलेंगी। उन्होंने कहा कि नए आश्रयालय (रैन–बसेरा) के शुरू होने से मरीजों के परिजनों को ठहरने में अब किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ समय पर उपलब्ध हों।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि सुशासन की सरकार एवं केबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में कोरबा में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की गई है। इस अवसर पर सभापति श्री नूतन ठाकुर तथा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डीन डॉ. के.के. सहारे उपस्थित रहे।

अधिकाधिक यात्रियों को मिलेगी कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार–एलटीटी–शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी–3 एवं स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है 7 यह सुविधा दिनांक 28, 29, 30, 31 मार्च तथा 01, 02, 03 अप्रैल 2026 को शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18030 शालीमार–एलटीटी एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी 7 इसी प्रकार दिनाँक 30 व 31 मार्च तथा 01, 02, 03, 04, 05 अप्रैल 2026 को एलटीटी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी–शालीमार एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी । इस सुविधा से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर ने किया कर्मचारी ट्रेनिंग स्कूल, परिचालन, बीएमवाई में संरक्षा सेमिनार का आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

27 मार्च को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, यांत्रिक तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के साथ कर्मचारी ट्रेनिंग स्कूल/परिचालन/बीएमवाई में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई–

स्पैड से बचाव एवं आटोमेटिक सिगनलिंग फेलुअर के दौरान दिया जानेवाला प्राधिकार और चालक द्वारा लिया जानेवाला सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां तथा ट्रेन में इंजिन को जोड़ना एवं काटना, ट्रेन में हॉट एक्सल, ब्रेक बाइंडिंग, दरवाजा खुलना एवं असमान लोडिंग से बचाव के लिए कैरिज एवं वैगन कर्मचारी, चालक दल, ट्रेन प्रबंधक और स्टेशन कर्मचारीयों द्वारा किया जानेवाला जांच, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा बरती जानेवाली गर्मीकालीन सावधानियां , प्राथमिक उपचार पेटी का उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग का प्रदर्शन ।

इस संरक्षा सेमिनार में श्री सुरेश चन्द्र, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी,रायपुर के साथ–साथ संरक्षा सलाहकारो ने संरक्षा सेमिनार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 54 लोगों ने भाग लिया।

डी/170वीं वाहिनी ने किया ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों हेतु सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत निःशुल्क सामग्री वितरण का कार्यक्रम

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

शुकवार को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की डी/170वीं वाहिनी द्वारा सीआरपीएफ कैंप ग्राम सीतापुर में कमांडेंट श्री सरकार राजा रमन महोदय के कुशल मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में अति संवेदनशील क्षेत्र सीतापुर के आसपास के ग्राम सीतापुर, नदीपारा, आवपल्ली एवं गुल्लेवागु के ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों हेतु सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत निःशुल्क सामग्री वितरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को सिंटेक्स टैंक, कंबल, मच्छरदानी, गैंती, फावड़ा, फुटबॉल, वॉलीबॉल, वॉलीबॉल नेट एवं क्रिकेट किट आदि आवश्यक सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया।

उक्त सिविक एक्शन प्रोग्राम का उद्घाटन निरीक्षक श्री राहुल फोजदार (समवाय अधिकारी) एवं ग्राम सरपंच श्रीमति ईशवरी युईका, ग्राम आवपल्ली आयुर्वेद अस्पतल डाक्टर श्री बी0 एन0 साहु तथा आवपल्ली के वार्ड मेंबर श्रीमति कुशबु कटील का द्वारा किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं जनहितकारी बताया।

जेसीआई रायपुर रॉयल कैपिटल ने किया 'देवी शक्ति महोत्सव' का भव्य आयोजन

108 कन्याओं का पूजन एवं 300 श्रद्धालुओं ने किया भोज ग्रहण

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जेसीआई रायपुर रॉयल कैपिटल (ज़ोन–27) द्वारा राम नवमी के पावन अवसर पर श्री रानी सती मंदिर, राजा तालाब, रायपुर में देवी शक्ति महोत्सव का भव्य एवं दिव्य आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन नारी शक्ति के सम्मान, भारतीय संस्कृति एवं सेवा भावना को समर्पित रहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राम नवमी के अवसर पर आयोजित 108 कन्याओं का विशेष कन्या भोज रहा, जिसमें कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर विधिवत पूजन किया गया। कन्याओं का सम्मानपूर्वक स्वागत कर उन्हें भोजन कराया गया तथा प्रसाद एवं उपहार प्रदान किए गए।

इसके साथ ही आयोजन में सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 श्रद्धालुओं एवं अतिथियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का वातावरण पूर्णतः भक्तिमय एवं प्रेरणादायक रहा। इस आयोजन का नेतृत्व अध्यक्ष जेएफएम अमन अग्रवाल द्वारा किया गया, वहीं जेएफएम मोनू जैन एवं जेसी विकास पटेल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल समन्वय जेसी नीलम छाभैया, जेसी दीप्सी राजपूत ,जेसी सर्तक करनानी एवं जेसी बृंदेश सारडा द्वारा किया गया। इस पावन अवसर की गरिमा को और अधिक बढ़ाते हुए कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन पीपीपी जेएफआर राजेश अग्रवाल तथा जेसीआई रायपुर रॉयल कैपिटल के अन्य वरिष्ठ सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने आयोजन को प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम में जेसीआई के अनेक सदस्य एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

कार्यक्रम को विशेष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले प्रमुख पदाधिकारी रहे:

चैप्टर कोऑर्डिनेटर: जेसीआई सेन वात्सल्य मूर्ति
चैप्टर इंचार्ज: एचजीएफसीए करण गुप्ता
पूर्व अध्यक्ष (आईपीपी): जेसी धरा विरानी
सचिव: जेसी डॉ. अपूर्वा श्रीवास्तव

जेसीआई रायपुर रॉयल कैपिटल द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक जिम्मेदारी, सांस्कृतिक मूल्यों एवं सेवा भावना को समर्पित एक अनुकरणीय पहल रहा। अंत में संस्था द्वारा यह संदेश दिया गया कि कन्या पूजन एवं सेवा ही सच्ची भक्ति है, और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444